वर्ष 10 अंक 362
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, गुरुवार
9 अक्टूबर 2025
मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in

DELHIN/ 2015 / 65411
डाक पंजीयन सं. -DL(S)-17/3531/2018-20

05 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के खिलाफ मानहानि मुकदमा: शाहरुख..
06 वे भी तो मतदाता हैं : हिंदीभाषी हुए तो क्या! -ऋषभदेव शर्मा
11 जडेजा से प्रेरित हर्ष दुबे भारत के लिए खेलना चाहते हैं

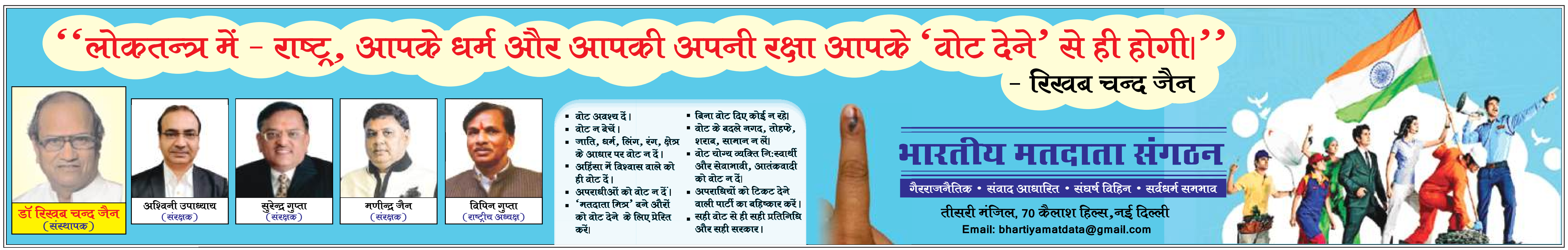

प्रधानमंत्री मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया

मुंबई, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 19,650 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के पहले चरण का बुधवार को उद्घाटन किया। उन्होंने इसे ''विकसित भारत'' की एक झलक बताया, जो मुंबई क्षेत्र को एशिया का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी केंद्र बनाने में मदद करेगा।

एनएमआईए का पहला चरण 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और दिसंबर में चालू हो जाएगा। यह देश का सबसे बड़ा 'ग्रीनफील्ड' हवाई अड्डा है। इससे पहले, मोदी को लेकर विमान दोपहर करीब 2.40 बजे नए हवाई अड्डे पर उतरा। यह मुंबई क्षेत्र का दूसरा हवाई अड्डा है।

कुल 1,160 हेक्टेयर में फैले इस हवाई अड्डे में पहले चरण में एक टर्मिनल और एक रनवे होगा, जिसकी वार्षिक यात्री क्षमता दो करोड़ होगी।

मोदी ने विमानन परियोजना का उद्घाटन करने के बाद कहा, ''मुंबई का लंबा इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि शहर को अब अपना दूसरा हवाई अड्डा मिल गया है, जिससे महाराष्ट्र के किसानों को यूरोप और अमेरिका के सुपरमार्केट से जुड़ने में भी मदद मिलेगी।'' यह परियोजना वर्षों से बन रही थी और इसमें कई बार देरी हुई।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि यह हवाई अड्डा मुंबई महानगर क्षेत्र को एशिया का सबसे बड़ा कनेक्टिविटी केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कुल 1,160 हेक्टेयर में फैला यह नया हवाई अड्डा भारत की विमानन क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा और मुंबई के मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारी यातायात के बोझ को कम करेगा। उन्होंने मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''यह एक ऐसी परियोजना है जिसमें विकसित भारत की झलक दिखती है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह हवाई अड्डा नए निवेश को आकर्षित करेगा और रोज़गार के नए अवसर पैदा करेगा। मोदी ने देश के विमानन क्षेत्र के विकास का उल्लेख करते हुए बताया कि 2014 से उनके नेतृत्व में यह किस प्रकार विकसित और विस्तारित हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत, जो विश्व का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार है, में 2014 में सिर्फ 74 हवाई अड्डे थे, लेकिन पिछले 11 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 160 से अधिक हो गई है। इससे यह संकेत मिलता है कि उनकी सरकार इस प्रमुख क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के ज़रिए लाखों लोग हवाई यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,000 से ज़्यादा नए विमानों के ऑर्डर दिए हैं। मोदी ने कहा कि उनका लक्ष्य देश को वैश्विक एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत) केंद्र बनाना है। औपचारिक उद्घाटन से पहले प्रधानमंत्री ने नवनिर्मित सुविधाओं का अवलोकन किया।

इस अवसर पर नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि एनएमआईए रोजगार के लगभग दो लाख अवसर पैदा करने में मदद करेगा और मुंबई को देश की विमानन राजधानी बनाएगा।

उद्घाटन समारोह में महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार, अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी और नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी उपस्थित थे।

एनएमआईए को 30 सितंबर को नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से हवाई अड्डा लाइसेंस प्राप्त हुआ।

संपूर्ण परियोजना को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) द्वारा कई चरणों में विकसित किया जा रहा है। इस कंपनी में अडाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी महाराष्ट्र सरकार की नगर नियोजन और विकास एजेंसी सिडको के पास है।

आंध्र प्रदेश में पटाखा फैक्टरी में आग लगने से छह लोगों की मौत

रायवरम (आंध्र प्रदेश), (भाषा) डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में बुधवार को एक पटाखा फैक्टरी में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस को संदेह है कि दोपहर करीब एक बजे हुई यह घटना पटाखा निर्माण फैक्टरी में लापरवाही के कारण हुई।

डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राहुल मीणा ने कहा कि यह लाइसेंस प्राप्त पटाखा फैक्टरी है। कंपनी श्री गणपति ग्रैंड फायर वर्क्स का दावा है कि वह 1932 से पटाखों के कारोबार में है।

मीणा ने बताया, ''छह शव मिले हैं। हम शवों के संबंध में जानकारी जुटा रहे हैं। यह एक लाइसेंस प्राप्त फैक्टरी है।'' उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।रामचंद्रपुरम उप-विभागीय पुलिस अधिकारी बी रघुवीर के अनुसार, फैक्टरी को पिछले एक पखवाड़े में दो बार बार-बार चेतावनी दी गई और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा नोटिस भी जारी किए गए। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पटाखा फैक्टरी में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बचाव कार्यों की निगरानी के लिए दुर्घटनास्थल का दौरा करने का निर्देश दिया और पीड़ित परिवारों को सहायता का वादा किया।

महागठबंधन में सीट बंटवारे पर गतिरोध के बीच कांग्रेस की सीईसी ने 25 उम्मीदवारों के नाम तय किए

नयी दिल्ली, (भाषा) बिहार में महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने बुधवार को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए 25 सीट पर अपने उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई।

हालांकि, सूत्रों का कहना है कि महागठबंधन के घटक दलों के साथ सीट बंटवारे पर सहमति बन जाने के बाद ही उम्मीदवारों की घोषणा किए जाने की संभावना है।

पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में आयोजित इस बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी डिजिटल माध्यम से जुड़े। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा कई अन्य नेता बैठक में शामिल हुए। खरगे अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद बेंगलुरु में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। उन्हें हाल ही में पेसमेकर लगाया गया था।

राहुल गांधी इन दिनों दक्षिणी अमेरिका महाद्वीप के चार देशों के दौरे पर हैं। पार्टी की यह बैठक उस वक्त हुई जब उसके सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वाम दलों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत अंतिम दौर में है। हालांकि, सीट की संख्या और ''अपनी पसंद की सीट मिलने'' को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने उम्मीद जताई कि इस मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा। सीईसी की बैठक के बाद कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा, ''कम से कम 25 सीट पर उम्मीदवारों के नामों को स्वीकृति दी गई है।''

सूत्रों ने बताया कि जिन सीट पर विचार हुआ और उम्मीदवारों के नामों को स्वीकृति दी गई, वे ऐसी सीट हैं जो कांग्रेस के खाते में आना लगभग तय हैं।

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश कुमार राम ने कहा कि कांग्रेस कितने सीट पर चुनाव लड़ेगी, इसकी घोषणा महागठबंधन के सहयोगी दलों के साथ सहमति बनने के बाद की जाएगी। कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान ने कहा कि अभी एक दौर की बातचीत होनी है, उसके बाद सीट बंटवारे की घोषणा की जाएगी। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर को होगी।

हिमाचल भूस्खलन: एक और शव मिलने के बाद मृतकों की संख्या 16 हुई, बचाव अभियान समाप्त

शिमला, (भाषा) हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में एक निजी बस के भूस्खलन की चपेट में आने से संबंधित घटना में बुधवार सुबह एक बच्चे का शव मिलने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तलाश व बचाव अभियान खत्म कर दिया गया है।

हादसा मंगलवार शाम बर्थिन के पास भालुघाट क्षेत्र में हुआ, जब पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा बस पर गिर पड़ा। मंगलवार रात तक 15 शव मलबे से निकाले जा चुके थे। बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक संदीप धवल ने बताया, ''अब तक कुल 16 शव बरामद किए गए हैं जबकि दो बच्चों को सुरक्षित निकाला गया है। बचाव दलों ने पूरे क्षेत्र की तलाशी ली और मलबे को भी तोड़कर देखा ताकि कोई व्यक्ति फंसा न रह जाए।''

उन्होंने बताया कि किसी और व्यक्ति के फंसे होने की जानकारी नहीं मिली, इसलिए बचाव कार्य समाप्त कर दिया गया। खोज अभियान मंगलवार रात कम दृश्यता और मिट्टी खिसकने के कारण रोक दिया गया था जिसे बुधवार सुबह फिर से शुरू किया गया। इस अभियान में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की दो टीम, स्थानीय लोग, पुलिस, होम गार्ड और अग्निशमन दल शामिल थे। खोजी कुत्तों की टीम भी तैनात की गई थी और मलबा हटाने के लिए भारी मशीनें भी लगाई गई थीं। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों में नौ पुरुष, चार महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बताया कि भूस्खलन की चपेट में आई बस में 18 यात्री सवार थे। बुधवार को एक और शव मिलने से मृतकों की संख्या 16 हो गई, जबकि दो बच्चों को बचा लिया गया। उन्होंने कहा, ''जैसे ही जानकारी मिली, सरकार ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। यह बहुत ही दुखद घटना है। सरकार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की है।''

घटना के समय कुल्लू में दशहरा उत्सव में शिरकत करने पहुंचे उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे, जबकि शहरी विकास मंत्री राजेश धर्माणी दिल्ली में बैठक के बाद बिलासपुर लौट आए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूस्खलन का कारण अत्यधिक वर्षा है। उन्होंने कहा, '' ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और अन्य क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है। अक्टूबर में आम तौर पर ऐसा नहीं होता। यह जलवायु परिवर्तन का प्रभाव है।'' सुक्खू ने बताया कि इस मानसून में राज्य को 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, लेकिन प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 1,500 करोड़ रुपये की राहत राशि अभी तक नहीं मिली है। उन्होंने लोगों से संकरी सड़कों पर सावधानी से वाहन चलाने की अपील की।

मंगलवार को 15 मृतकों की पहचान नक्ष (7), आरव (4), संजीव (35), विमला (35), कमलेश (36), कंता देवी (51), अंजना (29), बक्शी राम (42), नरेंद्र शर्मा (52), कृष्ण लाल (30), चुन्नी लाल (52), रजनीश (36), राजीव उर्फ सोनू (40), शरीफ खान (25) और प्रवीन कुमार (40) के रूप में हुई थी। बुधवार सुबह सात वर्षीय राहुल का शव मिला।

अनंतनाग में तलाशी अभियान के दौरान दो सैनिक लापता हुए, खोज जारी

श्रीनगर, (भाषा)जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में कोकेरनाग इलाके के जंगलों में सुरक्षा बलों ने दो लापता सैनिकों को ढूंढने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान के दौरान इन सैनिकों से संपर्क टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के एक समूह के छिपे होने की जानकारी मिलने पर दो दिन पहले कोकरनाग के अहलान गडोले इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि विशिष्ट पैरा इकाई के सदस्य दो सैनिक लापता हो गए क्योंकि उनसे संचार संपर्क टूट गया। उन्होंने बताया कि लापता सैनिकों का पता लगाने के लिए हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण किया जा रहा है।

पाकिस्तान में आतंकवादियों के साथ संघर्ष में लेफ्टिनेंट कर्नल, मेजर सहित 11 सैनिक मारे गए

पेशावर, (भाषा) पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तालिबान आतंकवादियों के साथ संघर्ष में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित कम से कम 11 सैन्यकर्मी मारे गए। सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि मंगलवार रात ओरकजई जिले में अभियान के दौरान 'फितना अल-खवारिज' के 19 आतंकवादी भी मारे गए। पाकिस्तान सरकार ने पिछले वर्ष प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को ''फितना अल-खवारिज'' के रूप में अधिसूचित किया था। आईएसपीआर के बयान में कहा गया है कि ''फितना अल-खवारिज'' से जुड़े आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने सात-आठ अक्टूबर की मध्य रात्रि को अभियान संचालित किया था। इसमें कहा गया है कि 39 वर्षीय लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद तारिक, जो मोर्चे पर अपने सैनिकों का नेतृत्व कर रहे थे और उनके सहयोगी कमांडर मेजर तैय्यब राहत (33) अपने नौ अन्य साथियों के साथ मारे गए।

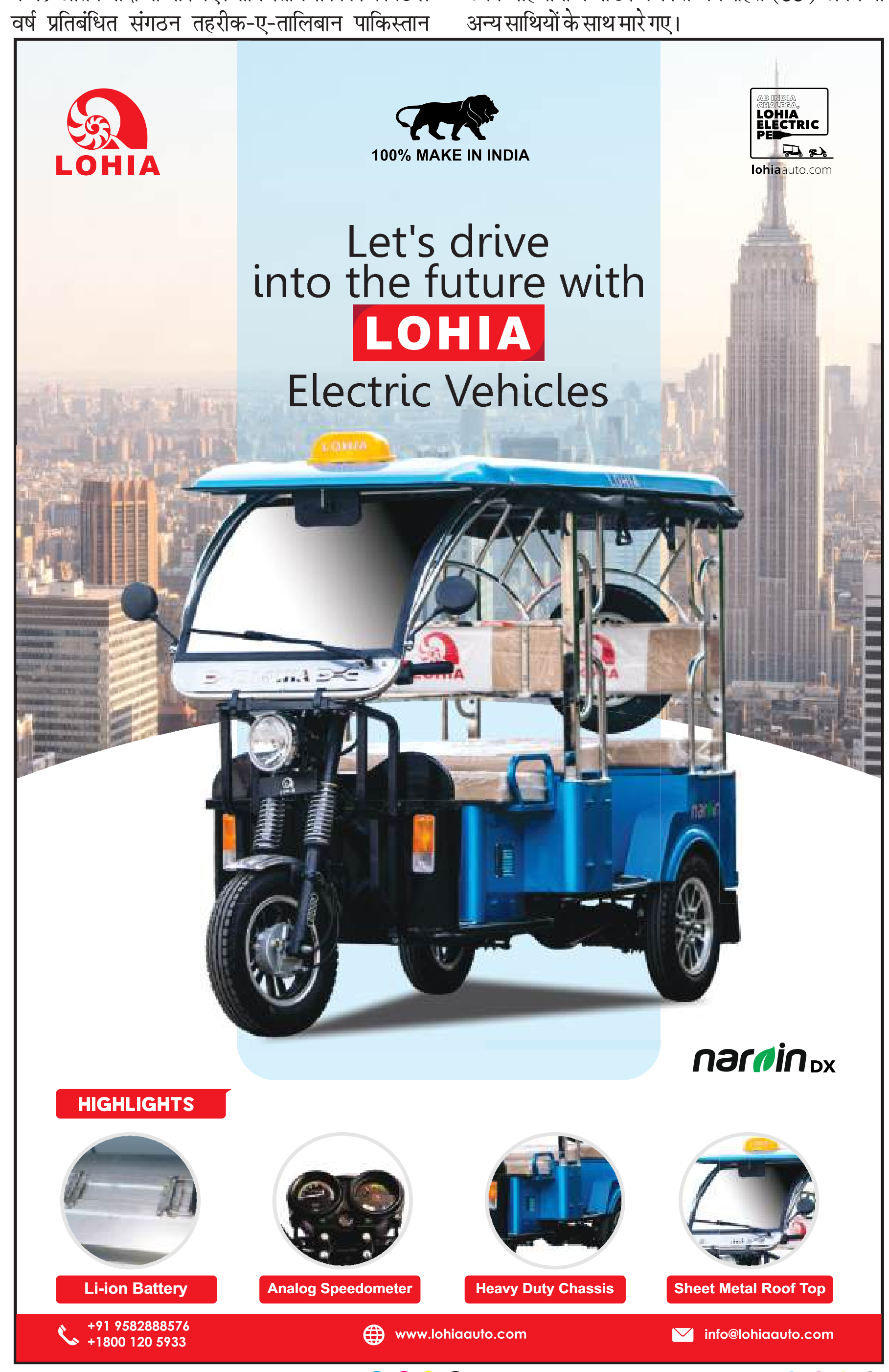

अखिलेश ने की आजम खां से भेंट, कहा: उनका परिवार सबसे ज्यादा मुकदमे झेलने वाला राजनीतिक कुनबा

रामपुर (उप्र), (भाषा) समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मुलाकात की और दावा किया कि उनके परिवार जितना किसी दूसरे राजनीतिक परिवार को परेशान नहीं किया गया होगा।

यादव ने खां से यहां उनके आवास पर मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के हाथों खां को 'अभूतपूर्व उत्पीड़न' का सामना करना पड़ा है। खां के 23 सितंबर को जेल से जमानत पर रिहा होने के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है।

सपा प्रमुख विमान से लखनऊ से बरेली पहुंचे। उसके बाद हेलीकाप्टर से रामपुर रवाना हुए। उनका हेलीकॉप्टर मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय परिसर में उतरा, जहां खां ने उनकी अगवानी की। उसके बाद खां उन्हें अपने घर ले गए।

मुलाकात के बाद यादव ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं आजम खां साहब से मिलने आया हूं। मैं जेल में मिलने पहुंच नहीं पाया था। आजम खां साहब बहुत पुराने नेता हैं। पुराने नेताओं और पुराने लोगों की बात ही कुछ और होती है। वह हमारी पार्टी के दरख्त हैं। उनकी जड़ें जितनी गहरी हैं उतना ही गहरा उनका साया भी हम लोगों के साथ हमेशा रहा है।'' उन्होंने खां के परिवार को इंसाफ दिलाने की लड़ाई का इरादा जाहिर करते हुए कहा, ''यह बड़ी लड़ाई है। उसे हम सब लोग मिलकर लड़ेंगे। उनका (आजम खां) स्वास्थ्य अच्छा हो। उन्हें न्याय मिले।''

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा, ''पता नहीं भारतीय जनता पार्टी कौन सा वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना चाहती है। आदरणीय आजम खां के परिवार पर सबसे ज्यादा मुकदमे दर्ज किये गये हैं। शायद ऐसा कोई दूसरा परिवार नहीं है जिस पर इतने ज्यादा गलत मुकदमे दर्ज किए गए हैं।''

सपा प्रमुख ने कहा, ''उनकी (खां की) पत्नी, बेटे तथा उनके परिवार के और जितने भी साथी रहे, उन सभी पर इस सरकार ने झूठे मुकदमे लगाए हैं । इतनी तकलीफ और परेशानी किसी को नहीं पहुंचाई गई होगी जितनी आजम खां साहब और उनके परिवार को पहुंचाई गई है। भाजपा कोई वर्ल्ड रिकॉर्ड बना रही है।''

इस सवाल पर कि खां नाराज हैं, यादव ने कोई साफ जवाब नहीं देते हुए कहा, ''मैंने आपसे कहा, पुराने लोग, पुराने समाजवादी जो नेताजी (सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव) के साथ रहे, उनकी बात ही अलग होती है। साल 2027 में सपा की सरकार बनने जा रही है और पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) की आवाज बुलंद होगी।''

एक संवाददाता ने दोबारा सवाल पूछा कि आजम खां आपसे नाराज थे, इस पर खां ने कहा कि यह आपसे किसने कहा। यादव ने एक अन्य सवाल पर कहा, ''मैंने पहले भी कहा है और एक बार फिर कहता हूं कि सपा की सरकार बनने पर आजम खां साहब पर जितने भी झूठे मुकदमे दर्ज हैं, वे सब वापस लिये जाएंगे।''

सपा प्रमुख ने प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई के साथ हुई घटना का जिक्र करते हुए इसे पीडीए के उत्पीड़न से जोड़ा और कहा, ''क्या कोई कल्पना कर सकता है कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश के ऊपर भी जूता फेंक दिया गया हो या फेंकने के लिए जूता निकाला गया हो। जो हुआ है उससे समाज में कहीं न कहीं एक संदेश जा रहा है कि पीडीए के लोग कहीं भी बैठे हों, वह जीवन में कभी न कभी अपमानित होते हैं।''

खां को सपा का मुस्लिम चेहरा माना जाता रहा है। वह डकैती और चोरी समेत विभिन्न आरोपों के 100 से अधिक मुकदमों में सीतापुर जेल में बंद थे। लगभग 23 महीने के बाद वह 23 सितंबर को जमानत पर जेल से रिहा हुए थे। इससे पहले, यादव को कार से रामपुर पहुंचना था, लेकिन 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा के बाद बरेली में तनाव के कारण उनका कार्यक्रम ऐन मौके पर बदल गया।

यात्रा से पहले खां ने मंगलवार को मीडिया को बताया था कि वह केवल सपा अध्यक्ष से ही मिलेंगे, किसी और से नहीं। रामपुर से सपा सांसद मौलाना मुहिबुल्लाह नदवी के बारे में पूछे जाने पर खां ने कहा था कि वह उन्हें नहीं जानते और उनसे नहीं मिलेंगे।

सपा सांसद नदवी रामपुर में यादव के साथ नहीं देखे गए। सपा के वर्तमान में 37 सांसद और 107 विधायक हैं। उनमें 34 मुस्लिम विधायक और चार मुस्लिम सांसद भी हैं।

स्वदेशी मेले छोटे उद्यमियों, कारीगरों के लिए खुशियाँ लेकर आएंगे: राकेश सचान

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने बुधवार को कहा कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए राज्य के सभी 75 जिलों में नौ और 19 अक्टूबर को स्वदेशी मेले आयोजित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश को 'विकसित व आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' बनाने की दिशा में प्रयासरत राज्य सरकार उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के तृतीय संस्करण के सफल आयोजन के उपरांत अब एक और अभिनव प्रयास करने जा रही है।

प्रदेश के 75 जिलों में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई), खादी, हथकरघा व हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने और जिला स्तर पर उन्हें बड़ा मंच उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार नौ से 19 अक्टूबर के मध्य स्वदेशी मेलों का आयोजन कराने जा रही है।

बुधवार को सूक्ष्म, लघु एवं मझोला उद्यम, खादी, हथकरघा तथा वस्त्र मंत्री राकेश सचान ने प्रेसवार्ता के माध्यम से इस विषय में जानकारी देते हुए दीपावली के शुभ अवसर पर लोगों से इन मेलों में आने और स्थानीय उत्पादों को खरीदकर 'वोकल फॉर लोकल' की परिकल्पना को साकार करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा अनुरूप प्रदेशव्यापी स्वदेशी मेले के आयोजन के जरिये एक बड़ा मंच उपलब्ध कराया जा रहा है, जो दीपावली पर्व के अवसर पर छोटे उद्यमियों, हस्तशिल्पियों व कारीगरों के चेहरों पर प्रसन्नता व घरों में खुशहाली लाने का माध्यम बनेगा।

उप्र इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन देश में केवल उत्तर प्रदेश में ही होता है। इसी तर्ज पर इस बार स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अब प्रदेशव्यापी स्वदेशी मेलों के आयोजन की शुरुआत की जा रही है।

सचान ने कहा कि जैसे यूपीआईटीएस के संस्करणों ने प्रदेश के उद्यमियों, कारीगरों व शिल्पियों के उत्पादों को देशी- विदेशी मंच मिला, ठीक उसी तर्ज पर अब जिलों में भी अवसर उप्लब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रदेश के सभी जिलों में अधिक आगंतुकों वाले क्षेत्रों में इन मेलों का आयोजन होगा जो कि टेंट आदि लगाकर किया जाएगा। इन आयोजन में गांवों से आने वाले छोटे कारीगरों को अपने उत्पाद लाने के लिए किराया व हर प्रकार की मदद उपलब्ध कराने का आश्वासन भी उन्होंने दिया।

सचान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की घटी दरों के रूप में दीपावली के पहले जो उपहार देश को दिया गया इसी के अंतर्गत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश को बढ़ावा देने की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

इसी कड़ी में प्रदेशव्यापी स्वदेशी मेले का आयोजन मील का पत्थर साबित होगा। वर्तमान में वैश्विक आर्थिक परिवेश के अनुरूप उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने की दिशा में हस्तशिल्पी, उद्यमी और कारीगरों को बड़ा संबल मिलेगा।

मेले में उद्यमियों को निःशुल्क दुकानें लगाने के लिए स्थान दिया जाएगा तथा हर प्रकार की मदद की जाएगी। छोटे उद्यमियों व कारीगरों की आर्थिक सहायता भी एमएसएमई विभाग के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा 75 जनपदों में मेले के आयोजन के लिए आदेश जारी किया गया है तथा पहली बार जनपद स्तर पर इस प्रकार के मेले का आयोजन किया जा रहा है। प्रक्रिया के अंतर्गत, लखनऊ में स्वदेशी मेला का आयोजन यूनिवर्सिटी कैंपस में होगा।

अध्ययन में लम्बाई चौड़ाई का महत्व नहीं, महत्व है गंभीरता का : विनोबा भावे

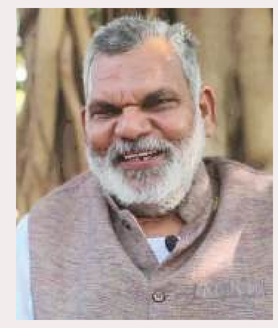

बहुत देर तक घंटों भांति_भांति के विषयों का अध्ययन करते रहने को बाबा लंबा_ चौड़ा अध्ययन कहता है। समाधिस्थ होकर नित्य निरंतर थोड़ी देर तक किसी निश्चित विषय के अध्ययन को बाबा गंभीर अध्ययन कहते हैं। दस_ बारह घंटे करवट बदल_बदल के सोना या सपने देखते रहना, इस नींद से विश्रांति नहीं मिलती। परंतु पांच_ छह घंटे गाढ़ निद्रा आए तो उससे पूर्ण विश्रांति मिलती है। समाधि अध्ययन का प्रमुख तत्व है। समाधियुक्त गंभीर अध्ययन के बिना ज्ञान नहीं। अनेक विषयों पर गट्ठा भर पढ़ाई से कुछ हांथ नहीं लगता। प्रतिभा मानी बुद्धि में नई नई कोपलें फूटते रहना। नई कल्पना, नई स्फूर्ति, नई खोज यह सब प्रतिभा के लक्षण हैं।

दो बिंदुओं से रेखा का निश्चय होता है।जीवन का मार्ग भी दो बिंदुओं से निश्चित होता है। हम हैं कहां, यह पहला बिंदु, जाना कहां है, यह है दूसरा बिंदु। इन दोनों से ही जीवन की दिशा तय होती है। इस पर लक्ष्य रखे बिना इधर_ उधर भटकते रहने से रास्ता तय नहीं हो पाता। गंभीर अध्ययन का सारांश अल्पमात्रा, सातत्य, समाधि, कर्मावकाश और निश्चित दिशा। वर्तमान जीवन में आवश्यक कर्मयोग का स्थान रखकर ही सारा अध्ययन करना चाहिए।अन्यथा भविष्य_ जीवन की आशा में वर्तमान काल में मरने जैसा प्रकार बन जाता है।शरीर कितना विश्वास अर्ह है, इसका अनुभव तो हर एक को है ही। भगवान की हम सब पर अपार कृपा ही समझनी चाहिए, कि हममें वह कुछ न कुछ कमी रख ही देता है। वह चाहता है कि यह कमी जानकर हम जागृत रहें।

बाबा ने विद्यार्थियों के लिए पांच हिदायतें बताई हैं। 1_ रोज एक घंटा शरीर परिश्रम करना चाहिए। उससे जो आय हो वह समाजोपयोगी काम में खर्च करनी चाहिए। 2_ छुट्टियों में गांव में जाकर सफाई या अन्य सामाजिक सेवा करनी चाहिए। 3_ विद्यार्थी का संकल्प यह होना चाहिए कि अपने से भिन्न धर्म, भाषा, जाति अथवा पंथ के किसी भी व्यक्ति को अपना मित्र साथी बनाएंगे। 4_ अच्छी हिंदी सीख लेनी ।चाहिए ताकि भारत के किसी कोने में वे अपना विचार अच्छे ढंग से रख सकेंगे। अन्य प्रांतों के साथ संबंध भी बनेंगे। 5_ सुबह शाम आधा घंटा व्यायाम करना चाहिए। रोज जल्दी सोकर ,जल्दी उठना _ यह जीवन का सूत्र बनाना चाहिए। रात में घंटों अभ्यास के बदले ब्रम्हमुहूर्त में चंद घंटे अभ्यास करना ज्यादा अच्छा है।

शिक्षा में परिवर्तन हो इसकी चिंता विद्यार्थी को ही ।ज्यादा होनी चाहिए। उसके हांथ में एक बड़ा अस्त्र है कि शिक्षा में परिवर्तन करो नहीं तो हम स्कूल छोड़ देंगे। समाज के ।और मुद्दों पर हड़ताल आदि सुनने में आती है ।लेकिन शिक्षा में बदलाव के लिए आवाज कम ही उठी है। जब बच्चे स्कूल में नहीं होंगे तो शिक्षक भी ।किसको पढ़ाएंगे। बाबा कहते थे कि आज के जमाने की मांग है कि आज जो तालीम चल रही है उसे जल्द से जल्द दफना दी जाए ।दफनाना दो प्रकार से होता है। एक इज्जत के साथ। लेकिन यह तालीम उस इज्जत की भी पात्र नहीं। क्योंकि यह हिंदुस्तान के जिगर को खा रही है, लोगों का पराक्रम खत्म कर रही है। बाबा भी कालेज छोड़कर ही ज्ञान की खोज में निकले थे।

उसके बाद ज्ञान के अनंत द्वार खुल गए। कालेज में कालक्षेप होता था। आज स्वराज्य के बाद भी उस शिक्षण में कोई बहुत बदलाव नहीं आया है। बाबा कहते थे कि समाज में हुक्काम और हुकमी _ सिर्फ हुक्म करनेवाले और हुक्म माननेवाले। यही दो वर्ग समाज में हैं। विद्यार्थी वह है जिसको विद्या की लगन हो ।वह निरंतर चिंतन मनन करता हो। वह दिमाग ही हमारा मुख्य मार्गदर्शक है। उसको ही खो बैठोगे तो सबकुछ खो बैठोगे ।बाबा हड़ताल से दुखी होते थे। क्योंकि उससे जन सामान्य को परेशानी होती थी। एक बार बच्चों ने बाबा से पूंछा कि अगर हम पढ़ना छोड़ देंगे तो हमें समाज में प्रतिष्ठा कैसे मिलेगी? बाबा ने कहा कि तुलसी_ नानक_ कबीरआदि संत कौन से कालेज में पढ़े थे? फिर भी। उनको प्रतिष्ठा मिली। बाबा ने ।अगर यूनिवर्सिटी का शिक्षण लिया होता तो एम ए बी ए तो हो जाता लेकिन यह भूदान यज्ञ का बड़ा काम नहीं कर पाता ।बाबा जब कॉलेज में पढ़ते थे तब रोज दस पंद्रह किलोमीटर घूमते थे और लाइब्रेरी में जाकर रोज पढ़ते थे। बाबा दस हजार किताबें उस समय तक पढ़ चुके थे।

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट पार्लियामेंट में गूंजा गायत्री महामंत्र

डॉ चिन्मय पण्ड्या ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के प्रतिकुलपति युवा आइकॉन डॉ. चिन्मय पंड्या इन दिनों यूरोप यात्रा पर हैं, जहाँ वे भारतीय संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं को विश्व मंचों पर सशक्त रूप से प्रस्तुत कर रहे हैं।

अपने प्रवास के दौरान डॉ. पंड्या ने जर्मनी के ऐतिहासिक फ्रैंकफर्ट पार्लियामेंट में आयोजित 'पीस एंड लीडरशिप कॉन्क्लेव' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह वही संसद है जिसकी स्थापना 16वीं शताब्दी में हुई थी। इस ऐतिहासिक स्थल पर पहली बार गायत्री महामंत्र की दिव्य ध्वनि गूंजी। एक ऐसा क्षण जिसने न केवल भारतीय संस्कृति का सम्मान बढ़ाया, बल्कि वहाँ उपस्थित सभी प्रतिभागियों के मन को भी गहराई से छुआ। गायत्री महामंत्र के उच्चारण के समय वातावरण में एक अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा महसूस की गई, मानो माँ गायत्री स्वयं वहाँ उपस्थित होकर सभी को आशीर्वाद दे रही हों। इस खबर को जर्मनी के प्रमुख समाचार पत्रों सहित मीडिया हाऊसों ने प्रमुखता से स्थान दिया है और कहा कि यह अद्भुत क्षण व रोमांचकारी पल है।

इस अवसर पर डॉ. पण्ड्या ने भारतीय संस्कृति के मूल तत्व-यज्ञ, तप, सेवा और सद्भाव को विश्व शांति और नेतृत्व के लिए समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। युवा आइकॉन डॉ. पण्ड्या ने कहा कि वर्तमान समय में जब विश्व युद्ध, जलवायु संकट, मानसिक तनाव और सामाजिक विघटन जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में भारत का शाश्वत दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुम्बकम्' पूरा विश्व एक परिवार है-एक व्यवहारिक समाधान प्रस्तुत करता है। युवा आइकॉन डॉ. पण्ड्या ने कहा कि युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्यश्री ने विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय से एक ऐसे नवयुग की नींव रखी, जो आत्मविकास, नैतिक उत्थान और वैश्विक शांति पर आधारित है।

अखिल विश्व गायत्री परिवार के वरिष्ठ प्रतिनिधि युवा आइकॉन डॉ. पण्ड्या ने कहा कि वर्ष 2026 में परम वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा जी एवं दिव्य अखंड दीप के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वैश्विक एकता, आत्म परिवर्तन एवं आध्यात्मिक नवजागरण को समर्पित भव्य अंतरराष्ट्रीय आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान श्रीमती शुचिता किशोर-कौंसुल जनरल ऑफ इंडिया फ्रैंकफर्ट, सुश्री उर्सुला बुश-चेयरवुमन पार्लियामेंटरी बोर्ड एसपीडी-सिटी ऑफ फ्रैंकफर्ट, प्रो. अजीत सिकंद-जोहान गुटेनबर्ग यूनिवर्सिटी, सुश्री कृति कुमार - काउंसलर सिटी केल्स्टरबाक, श्री राहुल कुमार-सांसद, श्री जॉय एडविन थनाराजा सहित विश्व के अनेक राजनयिक, राजनीतिज्ञ, शिक्षाविद् एवं सामाजिक नेतृत्वकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर युवा आइकॉन ने गणमान्यों को देसंविवि शांतिकुंज का स्मृति चिह्न आदि भेंटकर सम्मानित किया, तो युवा आइकॉन को उन्होंने भी शॉल आदि भेंट किया।

फ़िलेटली के शौक से विद्यार्थियों में बढ़ती है खेल खेल में जानकारी: कर्नल विनोद

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

राष्ट्रीय डाक सप्ताह के अंतर्गत आज "डाक टिकट संग्रह एवं नागरिक केन्द्रित सेवा दिवस" पूरे वाराणसी परिक्षेत्र में अत्यंत उत्साह और जनभागीदारी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिक्षेत्र के सभी डाक मंडलों एवं डाकघरों में नागरिकों के लिए जनसेवा आधारित विविध गतिविधियाँ एवं फिलेटली (डाक टिकट संग्रह) से जुड़ी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। मुख्य कार्यक्रम बहस-ए-बनारस सभागार कक्ष, कार्यालय पोस्टमास्टर जनरल, वाराणसी परिक्षेत्र में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता कर्नल विनोद कुमार, पोस्टमास्टर जनरल, वाराणसी परिक्षेत्र ने की। इस अवसर "फिलेटली क्विज" और "पत्र लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारियों, और कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस अवसर पर डा. विजय कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, उदय प्रताप कॉलेज, वाराणसी,फिलेटिस्ट , श्री अनवर अली, डाक टिकट बिक्रेता , श्री आदित्य साहू और श्री आदित्य सिंह फिलेटिस्ट विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने "फिलेटली" की उपयोगिता, ऐतिहासिक महत्व एवं इसमें निहित शैक्षणिक और राष्ट्रीय मूल्य के विषय में विस्तार से बताया।

इसके अलावा वाराणसी पूर्वी मण्डल के अन्तर्गत वाराणसी प्रधान डाकघर में भी "फिलेटली क्विज और "पत्र लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया जिसमे वहाँ के अधिकारियो और कर्मचारियों के साथ – साथ हरिश्चंद्र बालिका इन्टर कालेज , डी ए वी इन्टर कालेज के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में पत्र लेखन की परंपरा को पुनर्जीवित करना तथा उन्हें डाक टिकट संग्रह के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक गौरव एवं राष्ट्र भावना से जोड़ना था।

कर्नल विनोद ने उपस्थित लोगो को फिलेटली डिपॉजिट खाता खोलने के लिए जागरूक किया और माई स्टाम्प योजना के माध्यम से अपना व्यक्तिगत डाक टिकट जारी करवाने की प्रक्रिया के बारे में भी बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि डाक टिकट केवल पत्र भेजने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर का जीवंत दस्तावेज है।

इस अवसर पर सहायक निदेशक परमानन्द कुमार ,सहायक अधीक्षक सुश्री पल्लवी मिश्रा , सीनियर लेखाधिकारी , सहायक लेखाधिकारी,निरीक्षक डाक एवं कार्यालय के सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अन्त में पोस्टमास्टर जनरल ने सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को डाक टिकट संग्रह करने के लिए अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाने हेतु प्रेरित किया।

विकसित भारत के लिए सबको एक साथ मिलकर कार्य करने की जरूरत: सीए शंकर अंदानी, प्रेसिडेंट, ईसीसीआई

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

नई दिल्ली, इलिट चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ईसीसीआई) और हिमालयन आशियाना ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में नईदिल्ली के होटल ली मेरिडियन में एजुकेशन कॉन्कलेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने नई शिक्षा नीति को आज की जरूरत बताया। जिससे कई तरह के बदलाव आएंगे। युवा अब जॉब क्रिएटर हो रहे हैं। ईसीसीआई के प्रेसिडेंट शंकर अंदानी ने पांचवें कॉन्कलेव को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लिए सबको एक साथ मिलकर कार्य करने की जरूरत है। धर्म, जाति से ऊपर उठकर सभी वर्गों के लोगों को एकजुट होने की आवश्यकता है।

सीए शंकर अंदानी ने कहा कि नई शिक्षा नीति पर तेजी से कार्य हो रहे हैं। जिसमें शिक्षण संस्थानों की अहम भूमिका है। आज देश में शिक्षा में सकारात्मक बदलाव आए हैं, यह बदलाव काफी प्रासंगिक है। इसकी जरूरत थी, इसका प्रभाव भी दिख रहा है। देश की शिक्षा कई मायनों में अपनी मूल स्थिति में लौटी है। देश को एक ज्ञान आधारित समाज बनाने का मार्ग प्रशस्त कर रही है। शंकर अंदानी ने कहा कि ईसीसीआई शिक्षा पर लगातार कार्य कर रहा है इससे युवाओं को लाभ मिल रहा है। जिस प्रकार से आज शिक्षा में बदलाव आ रहे हैं इसमें सरकार के साथ-साथ शिक्षाविदों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ईसीसीआई प्रेसिडेंट ने कहा कि ईसीसीआई शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, शिक्षकों, उद्योगपतियों और सरकारी प्रतिनिधियों एक मंच प्रदान कर रहा है जहां नई शिक्षा नीति के उल्लेकनीय प्रगति की समीक्षा भी होगी जिससे आगे का रास्ता तैयार किया जा सकता है। प्रधानमंत्री की पर शंकर अंदानी ने कहा की नरेंद्र मोदी जी के परिवर्तनकारी कल्पना नई शिक्षा नीति में साफ दर्शाता है। उन्होंने शिक्षा को भारत के विकास की गाथा का केंद्र बिंदु बनाया है जिससे विकसित भारत 2047 के सपने की दिशा में आगे बढ़ने के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक राष्ट्रीय मिशन है। ईसीसीआई जैसी संस्था की अहम भूमिका हो जाती है।

ईसीसीआई के इस खास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा नेता, व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी ने समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवार्ड प्रदान किया एवं ईसीसीआई अपने कार्य को पूरा करने में पूरे मनयोग से बढ़ रहा है इसके लिए संस्था को शुभकामनाएं। इस मौके पर एआईसीटीई के सीओओ बुद्धा चंद्रशेखर, एआईएटी के चांसलर संदीप मारवाह, शोभित यूनिवर्सिटी के चांसलर कुंवर शेखर विजेंद्र, सीए दीन दयाल अग्रवाल, आईसीसीआई के प्रेसिडेंट डॉ कैलाश बिहारी सिंह ने भी संबोधित किया। गौरतलब है कि ईसीसीआई देश की अग्रणी औद्योगिक संस्था है जो देश के विभिन्न सेक्टरों पर कार्य करने के लिए जाना जाता है।

सजी साहित्य, कला और संस्कृति की अनूठी शाम - 'भाषा एंड बियॉन्ड 3.0' महोत्सव का भव्य आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

पुणे, लिटरेरी वॉरियर ग्रुप (LWG) द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित साहित्यिक महोत्सव 'भाषा एंड बियॉन्ड ३.०' का भव्य आयोजन महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे में हुआ। यह दो दिवसीय कार्यक्रम कला, साहित्य और संस्कृति की शाश्वत शक्ति का एक अद्भुत संगम रहा।

वर्ष २011 में स्थापित LWG का उद्देश्य रचनात्मकता को बढ़ावा देना और लेखकों, कवियों व कलाकारों को साझा मंच प्रदान करना है। आज यह समूह १.९६ लाख से अधिक सक्रिय सदस्यों का परिवार बन चुका है। लखनऊ, दिल्ली, मुंबई और पिछले वर्ष CME, पुणे में सफल आयोजनों के बाद इस वर्ष यह कार्यक्रम यशदा, पुणे में आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे — श्री निरंजन कुमार सुधांशु (डीजी, यशदा), डॉ. सुजाता जाधव (हेड, NCPA लाइब्रेरीज़) और रेडियो जगत के वरिष्ठ रचनाकार सुनील देवधर। पहले दिन का मुख्य आकर्षण रहा वरिष्ठ अभिनेता व निर्देशक अमोल पालेकर और संध्या गोखले का संवाद सत्र, जो उनकी चर्चित पुस्तक "Viewfinder" पर आधारित था। इस सत्र का संचालन लेखिका नीलम सक्सेना ने किया।

दिनभर चली चर्चाओं और पुस्तकों के लोकार्पण में "कच्चे धागे – Strings of Connections" जैसी द्विभाषीय कविता संकलन प्रमुख रही। इसके अतिरिक्त नीलम सक्सेना, डॉ. रेणु मिश्रा, आशा सिंह गौड़, डॉ. अपर्णा प्रधान, कोयल बिस्वास, निशा मोटघरे और विनीत कुमार की पुस्तकों का विमोचन हुआ। सृजनात्मक लेखन पर कार्यशालाओं में श्रीनिवास राव ने हाइकू लेखन, हेमंत देओलेकर ने "शब्द साधना" और अर्पणा राव ने नृत्य की बारीकियों पर प्रशिक्षण दिया। दूसरे दिन "Curry for the Spirited Soul" सहित कई पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। "दृष्टिकोण" नामक विचारोत्तेजक सत्र का संचालन कर्नल सलिल जैन ने किया, जिसमें नीलम सक्सेना, हेमंत देओलेकर और राहुल माहिवाल ने साहित्य और जीवन पर गहन विचार साझा किए। शाम को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों — नृत्य, संगीत और नाटक — ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का समापन 'आरंभ पुरस्कार समारोह' से हुआ, जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में राजेश वर्मा (डीआरएम), सुरभि अल्पेश और एडीजी यशदा शेखर गायकवाड़ उपस्थित रहे। साहित्य में योगदान के लिए विनीता शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। LWG की संस्थापक नीलम सक्सेना ने कहा, "भाषा एंड बियॉन्ड केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने का आंदोलन है।" सच्चे अर्थों में यह आयोजन शब्दों, सुरों और संस्कृति की जीवंत जुगलबंदी बन गया — कला, साहित्य और संवेदना का सच्चा उत्सव।

पराली प्रबंधन के बारे में किसानों को जागरूक करें : केंद्र

नयी दिल्ली, (भाषा) केंद्र ने सर्दियों के मौसम से पहले पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली को वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए पराली प्रबंधन के तरीकों के बारे में किसानों के बीच जागरूकता अभियान तेज करने का निर्देश दिया है, जिसमें औद्योगिक उपयोग के लिए पराली संग्रह और भंडारण पर विशेष ध्यान दिया जाने की बात कही गई है।

'कुछ राब्ता है तुमसे' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

हैदराबाद, मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के गच्ची बावली स्थित दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के हिंदी प्रभाग के तत्वावधान में, केंद्र के पुस्तकालय भवन में, प्रवीण प्रणव की सद्यःप्रकाशित समीक्षा कृति 'कुछ राब्ता है तुमसे' का लोकार्पण समारोह एक दिवसीय (हाइब्रिड मोड) राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अरबा मीच विश्वविद्यालय (पर्व अफ्रीका) के पर्व आचार्य एवं समारोह के मुख्य वक्ता प्रो. गोपाल शर्मा ने विस्तार से 'कुछ राब्ता है तुमसे के लेखकीय सरोकार और विश्व दृष्टि की पड़ताल करते हुए यह घोषित किया कि इसके भीतर सामाजिक परिवर्तन की कामना अंतर्निहित है और सलीके से सहेजे गए इसके 18 अध्याय पुराण कथा के पाँचों लक्षणों से युक्त हैं।

मणिपुर विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के पूर्व आचार्य डॉ. देवराज ने ऑनलाइन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कहा कि प्रवीण प्रणव की इस कृति का ताना-बाना बहुत ही बारीक है, जो केवल साहित्यिक मान-मूल्यों तक सीमित नहीं, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और लोक मानस के वर्तमान में प्रासंगिक बहुरंगी धागों से निर्मित है। लगातार

सात घंटे तक चले संपूर्ण समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रतिष्ठित लेखिका डॉ. अहिल्या मित्र ने लेखक प्रवीण प्रणव के साहित्यिक संस्कार की जड़ों की पड़ताल करते हुए भावविभोर होकर कहा कि उन्होंने गंभीरता से एक-एक साहित्यकार के समग्र साहित्य रूपी सागर की तह तक जाकर अपने पाठकों को सुंदर और बेशकीमती मोती लाकर दिए हैं।

वीर बहादुर सिंह विश्वविद्यालय जौनपुर की पूर्व कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने किताब के निबंधों में संरचनात्मक स्पष्टता की बात करते हुए सुभद्रा कुमारी चौहान और महादेवी वर्मा से जुडे आलेखों की चर्चा की। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस किताब का अगला भाग भी आना चाहिए जिससे पाठक कई और साहित्यकारों के विषय में सारगर्भित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

चेक गणराज्य (यूरोप) स्थित प्राग से ऑनलाइन सम्मिलित प्रमुख मनोचिकित्सक एवं कवि डॉ. विनय कुमार ने लक्षित किया कि यह किताब विभिन्न कवियों की निजी जिंदगी के रोचक प्रसंगों को इस तरह बयान करती है कि लेखक और पाठक के बीच सहज राब्ता कायम हो जाता है। उन्होंने इसके सभी अध्यायों को ऑडियो बुक के रूप में प्रसारित करने की जरूरत बताई, तो संभावना प्रकाशन के अभिषेक अग्रवाल ने लेखक की पूर्वग्रह-विहीनता को इस पुस्तक की बड़ी ताकत बताया। चेन्नै से ऑनलाइन जुड़ी डॉ. गुर्रमकोंडा नीरजा ने पुस्तक पर चर्चा का प्रवर्तन करते हुए 'कुछ राब्ता है तुमसे को चर्चित 18 रचनाकारों की मार्मिक उक्तियों और लेखक प्रवीण प्रणव के सूत्रवाक्यों के संग्रहणीय कोश की सजा दी।दिल्ली से ऑनलाइन जुड़े लेखक अवधेश कुमार सिन्हा ने कहा कि यह किताब प्रवीण प्रणव के विगत 10 वर्षों के अध्ययन का सार है तथा मुश्किल विषय को भी कहानी की शक्ल में परोसने की उनकी कला पाठकों से सीधा संवाद स्थापित करने में सहायक है।महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बडोदा की उपाचार्य डॉ. अनीता शुक्ल ने पुस्तक में शामिल तल्ख गजल के दो पुरोधाओं दुष्यंत कुमार और अदम गोंडवी के बहाने पवीण प्रणव की सहज कथात्मक शैली पर चचर्चा की।

प्रसिद्ध कवि लाल्टू ने विशेषज्ञ टिप्पणी देते हुए इस बात को रेखांकित किया कि लेखक ने इस पुस्तक में तरह-तरह के तत्कालीन और समकालीन तनावों को उजागर करने का जोखिम कुछ इस तरह उठाया है कि किताब को पढ़ते हुए लेखक के साथ हम भी उन तनावों को दोबारा जीते हैं। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के सहायक कुलसचिव और संगोष्ठी के संयोजक डॉ. आफताब आलम बेग ने पुस्तक की पठनीयता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें शामिल जोश मलीहाबादी की गाथा हमे सिखाती है कि प्रवास केवल दूरी का नाम नहीं, बल्कि अस्वीकार्यता और पहचान के संकट का भी पर्याय होता है। आरंभ में समारोह के सूत्रधार प्रो. ऋषभदेव शर्मा ने पुस्तक का सामान्य परिचय देते हुए बताया कि इसमें लेखक ने चंद्रधर शर्मा गुलेरी, भिखारी ठाकुर, जोश मलीहाबादी, सुभद्रा कुमारी चौहान, मखदूम मुहिउद्दीन, महादेवी वर्मा, फैज़ अहमद फैज़, नागार्जुन, गोपाल सिंह नेपाली, कैफी आज़मी, फणीश्वरनाथ रेणु, साहिर लुधियानवी, गोपाल दास नीरज, दुष्यंत कुमार, केदारनाथ सिंह, धूमिल, अदम गोंडवी और परवीन शाकिर जैसे हिंदी-उर्दू के कुल 18 साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व की, कथारस में भीगी जीवनीपरक आलोचना प्रस्तुत की है।संगोष्ठी के दोनों सत्रों में 25 विद्वान समीक्षकों ने अपने शोध पत्रों में विवेच्य पुस्तक का अलग-अलग नजरिए से गहन विवेचन किया।

डॉ. जमाल खान, सुनीता लुल्ला, एफएम सलीम, वेणुगोपाल भट्टड़, रवि वैद, डॉ. इरशाद नैयर, डॉ. आशा मिश्र, डॉ. रेखा शर्मा, डॉ. रक्षा मेहता, डॉ. सुपर्णा मुखर्जी, डॉ. सुषमा देवी, डॉ. बी. बालाजी, शीला बालाजी, डॉ. अनिल लोखंडे, डॉ. वाजदा इशरत, लविका, कुशाग्र और किरण सिंह सहित सभी वक्ताओं ने लेखक को इस पुस्तक के दूसरे भाग के भी यथाशीघ्र प्रकाशन हेतु शुभकामनाएँ दी। समारोह का सफल संचालन कवि-कथाकार रवि वैद ने किया।

'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के खिलाफ मानहानि मुकदमा: शाहरुख, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, नेटफ्लिक्स को समन

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी समीर वानखेड़े द्वारा दायर मानहानि के मामले में अभिनेता शाहरुख खान, 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' और ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स को बुधवार को समन जारी किये। वानखेड़े ने इन पर वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के जरिये उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल करने का आरोप लगाया है।

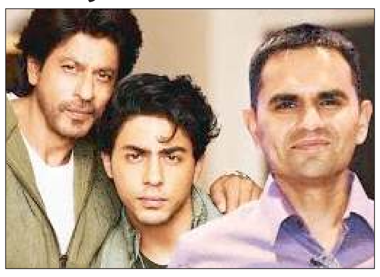

न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने प्रतिवादियों - गौरी खान के स्वामित्व वाली रेड चिलीज एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड, नेटफ्लिक्स, एक्स कॉर्प (पूर्व में ट्विटर), गूगल एलएलसी, मेटा प्लेटफॉर्म्स, आरपीएसजी लाइफस्टाइल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और जॉन डो - को मानहानि के मामले में समन जारी किये और उन्हें सात दिन के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 30 अक्टूबर की तिथि निर्धारित की। अदालत ने इस स्तर पर कोई अंतरिम निषेधाज्ञा आदेश पारित नहीं किया तथा प्रतिवादियों से वानखेड़े की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। याचिका में कई वेबसाइट से कथित मानहानिकारक सामग्री हटाए जाने का अनुरोध किया गया है। न्यायाधीश ने कहा, ''उन्हें निर्देश लेने दीजिए और जवाब दाखिल करने दीजिए। मैं सामान्य तौर पर कोई निषेधाज्ञा पारित नहीं कर सकता।'' वानखेड़े ने दो करोड़ रुपये का हर्जाना मांगा है और इस रकम को कैंसर रोगियों की मदद के लिए टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल को दान करने की इच्छा जताई है। याचिका में कहा गया है, ''यह सीरीज मादक पदार्थ-निरोधक प्रवर्तन एजेंसियों का भ्रामक और नकारात्मक चित्रण करती है जिससे कानून प्रवर्तन संस्थानों में जनता का विश्वास कमजोर होता है।''

याचिका में कहा गया है कि सीरीज को वानखेड़े की प्रतिष्ठा को जानबूझकर धूमिल करने के इरादे से तैयार किया गया है और यह सीरीज खासकर ऐसे समय में बनी है जब याचिकाकर्ता और शाहरुख खान के बेटे आर्यन से जुड़ा मामला मुंबई उच्च न्यायालय तथा स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) से संबंधित विशेष अदालत के समक्ष विचाराधीन है। वानखेड़े का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी और वकील टी सिंहदेव ने कहा कि उन्होंने संशोधित वाद दायर किया है और अदालत से अंतरिम निषेधाज्ञा आदेश पारित करने का आग्रह किया है। वकीलों ने कहा कि वेब सीरीज के संदर्भ में, ''मुझे (वानखेड़े), मेरी पत्नी और बहन को 'ट्रोल' करने वाले पोस्ट हैं जो स्पष्ट रूप से अपमानजनक हैं। यह चौंकाने वाला है। वे (प्रतिवादी) निश्चित रूप से उन पोस्ट का बचाव नहीं कर रहे हैं।''

नेटफ्लिक्स के वकील ने इस मुकदमे का विरोध किया। याचिका में दावा किया गया है कि सीरीज में एक पात्र को खासकर 'सत्यमेव जयते' का नारा बोलने के बाद अपने हाथ की बीच वाली उंगली दिखाकर अश्लील इशारे करते हुए दिखाया गया है, जबकि 'सत्यमेव जयते' स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय प्रतीक का हिस्सा है। इसमें कहा गया है कि यह कृत्य राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के प्रावधानों का गंभीर और संवेदनशील उल्लंघन है, जिसके लिए कानून के तहत दंड के प्रावधान किये गये हैं। याचिका में कहा गया है कि सीरीज में अश्लील और आपत्तिजनक विषय-वस्तु के उपयोग से राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करने का प्रयास किया गया है तथा यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विभिन्न प्रावधानों का उल्लंघन करती है।

दिल्ली पुलिस ने चीन से जुड़े ऑनलाइन नौकरी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया, तीन आरोपी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने एक ऑनलाइन नौकरी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है जिसके चीन के कुछ नागरिकों के साथ कथित तौर पर तार जुड़े हुए हैं तथा गिरोह के लिए वित्तीय लेनदेन में मदद करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी सब्बीर अहमद (43), मो. सरफराज (32) और मो. दिलशाद (20) गलत तरीके से धन प्राप्त करने के लिए बैंक खातों की व्यवस्था करने और 'डीसेंट्रलाइज्ड एक्सचेंज वॉलेट' के माध्यम से चीनी संचालकों को हस्तांतरित करने से पहले आय को क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित करने में शामिल थे। ये गिरफ्तारियां तब की गईं जब तिलक नगर स्थित एक नर्स ने शिकायत की कि ऑनलाइन अंशकालिक नौकरी घोटाले में उसके साथ 15.94 लाख रुपये की ठगी की गई है।

मृत्युदंड : न्यायालय ने पीड़ित और समाज-केंद्रित दिशानिर्देश बनाने की केंद्र की याचिका खारिज की

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें ऐसे जघन्य अपराधों के मामलों में पीड़ित और समाज-केंद्रित दिशानिर्देश निर्धारित करने का अनुरोध किया गया था, जहां मृत्युदंड दिया गया हो।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने की।

पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ''हमें इस विविध आवेदन में कोई दम नहीं दिखता।''

केंद्र ने जनवरी 2020 में शीर्ष अदालत में यह आवेदन दायर किया था और दलील दी थी कि प्रचलित दिशानिर्देश केवल अभियुक्त और दोषी-केंद्रित हैं।

शीर्ष अदालत ने 31 जनवरी, 2020 को आवेदन पर गौर करने पर सहमति व्यक्त की थी और विभिन्न हितधारकों से जवाब मांगे, जिनकी याचिका पर शीर्ष अदालत ने 2014 में मृत्युदंड प्राप्त दोषियों की मौत की सजा से संबंधित दिशानिर्देश निर्धारित किए थे।

ये दिशानिर्देश 2014 में शत्रुघ्न चौहान बनाम भारत संघ मामले में निर्धारित किए गए थे।

शीर्ष अदालत ने जनवरी 2020 में स्पष्ट कर दिया था कि केंद्र की याचिका पर विचार करते समय शत्रुघ्न चौहान मामले से जुड़े दोषसिद्धि और सजा के मुद्दे में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

केंद्र ने दलील दी थी कि मृत्युदंड ऐसे मामलों में दिया जाता है जो अदालत की सामूहिक अंतरात्मा को झकझोर देते हैं।

केंद्र ने अपनी दलील में कहा था, ''मृत्युदंड की सजा पाए दोषी के लिए उपलब्ध कानूनी और संवैधानिक उपायों का लाभ उठाने की कोई समय सीमा नहीं है। अदालत को अब पीड़ित और समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए दिशानिर्देश निर्धारित करने चाहिए।''

उसने यह कहते हुए आवेदन दायर किया था कि जघन्य अपराध के दोषी ''न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग'' कर रहे हैं।

वर्ष 2012 के निर्भया सामूहिक बलात्कार-हत्या मामले में चार दोषियों को फांसी देने में हो रही देरी के बीच, केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से 'ब्लैक वारंट' जारी होने के बाद दोषियों को फांसी देने के लिए सात दिन की समय सीमा तय करने का आग्रह किया था।

कई महीनों तक समीक्षा, सुधारात्मक और दया याचिकाएं दायर करने के कारण उस मामले में फांसी में देरी हुई थी।

मणिपुर में 'जल जीवन मिशन' के तहत अनियमितता हुई, अदालत की निगरानी में जांच हो: कांग्रेस

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस ने बुधवार को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'जल जीवन मिशन' के तहत मणिपुर में अनियमितता का आरोप लगाया और कहा कि इसकी अदालत की निगरानी में जांच होनी चाहिए।

'इनर मणिपुर' से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ए. बिमल अकोइजम ने यह दावा भी किया कि उनके संसदीय क्षेत्र के किसी घर में नल से जल की आपूर्ति नहीं हो रही है। उनके आरोप पर जलशक्ति मंत्रालय की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

अकोइजम ने संवाददाताओं से कहा, ''मणिपुर में जल जीवन मिशन में घोटाले का अंदेशा है। मैं 'दिशा' समिति की बैठक के दौरान इस पर नज़र रख रहा हूं। संसद के पिछले सत्र में मैंने मंत्री (सीआर पाटिल) महोदय से यह विवरण देने को कहा था कि कितने घरों में पानी के कनेक्शन दिए गए हैं।'' उनका कहना था, ''मंत्री द्वारा दिए गए उत्तर में बताया गया कि अगस्त 2019 में इस योजना के शुरू होने से पहले, मणिपुर में लगभग 26,000 (ग्रामीण परिवारों का 5.74 प्रतिशत) घरों में नल से जल के कनेक्शन थे। इस योजना के शुरू होने के बाद, नल से जल के कनेक्शन वाले अतिरिक्त ग्रामीण परिवारों की संख्या बढ़कर 3,33,539 हो गई। इस प्रकार, 28 जुलाई 2025 तक, राज्य के 4,51,619 ग्रामीण परिवारों में से 3,59,459 (79.59 प्रतिशत) ग्रामीण परिवारों को नल से जल की आपूर्ति उपलब्ध है।''

कांग्रेस सांसद के अनुसार, ''मैंने जिलावार ब्यौरा और इन पर कितना धन खर्च किया गया, इस बारे में पूछा। मुझे बताया गया कि 1202 करोड़ रुपये का उपयोग किया गया है, जिसमें से केंद्र का हिस्सा 1078.82 करोड़ रुपये और राज्य सरकार का हिस्सा 124.03 करोड़ रुपये है।'' उनका कहना था, ''मैं अपने क्षेत्र के जिस भी गांव का दौरा किया गया, वहां एक भी घर में नल से जल की आपूर्ति नहीं होने की जानकारी मिली। यह आधिकारिक दावों के विपरीत है।'' उन्होंने कहा कि इस 'घोटाले' की अदालत की निगरानी में जांच होनी चाहिए। अकोइजम ने कहा, '' मैंने मणिपुर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है, क्योंकि यह एक बहुत बड़ा घोटाला है। मैं चाहता हूं कि देश को पता चले कि मणिपुर में 'जल जीवन मिशन' के तहत इतना बड़ा घोटाला हो रहा है।''

महिलाओं में अवसाद का खतरा पुरुषों की तुलना में दोगुना: अध्ययन

नयी दिल्ली, (भाषा) महिलाओं में पुरुषों की तुलना में अवसाद का खतरा दोगुना होता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई।

'नेचर कम्युनिकेशंस' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अवसाद संबंधित जोखिम में आनुवंशिक कारक अधिक भूमिका निभाते हैं। ऑस्ट्रेलिया के क्यूआईएमआर बर्गहॉफर मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट की वरिष्ठ शोधकर्ता और अध्ययन की लेखिका ब्रिटनी मिशेल ने कहा, ''हम जानते हैं कि महिलाओं में अपने जीवनकाल में अवसाद से पीड़ित होने की संभावना पुरुषों की तुलना में दोगुनी होती है।'' मिशेल ने कहा, ''अब तक, यह समझाने के लिए कोई सुसंगत शोध नहीं हुआ है कि अवसाद महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग तरीके से क्यों प्रभावित करता है।'' टीम ने कहा कि इस अध्ययन में ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के अवसादग्रस्त लगभग 1,30,000 महिलाओं और 65,000 पुरुषों के आनुवंशिक जानकारियों की जांच की गई है।

आयुर्वेदिक कफ सिरप और घरेलू उपचार बच्चों के लिए सुरक्षित और प्रभावी हैं: विशेषज्ञ

नयी दिल्ली, (भाषा) बच्चों को दी जाने वाली खांसी की दवाइयों की गुणवत्ता को लेकर चिंताओं के बीच विशेषज्ञों का मानना है कि आयुर्वेदिक उपचार पूरी तरह से सुरक्षित और प्रभावी विकल्प हैं।

अखिल भारतीय चिकित्सक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. आर.पी. पाराशर ने मंगलवार को कहा कि आयुर्वेदिक कफ सिरप, जड़ी-बूटियां और घरेलू उपचार दो साल से अधिक उम्र के बच्चों को बिना किसी डर के दिए जा सकते हैं।

यह टिप्पणी मध्य प्रदेश में कथित जहरीले कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत के बीच की गई है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने तीन अक्टूबर को सभी राज्यों को एक परामर्श जारी कर दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

परामर्श के अनुसार, आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को कफ सिरप नहीं देने की सलाह दी जाती है। पांच साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार की दवा देने के बाद उसका सावधानीपूर्वक नैदानिक मूल्यांकन, कड़ी निगरानी और उचित खुराक, कम से कम अवधि और कई दवाओं के संयोजन से बचने के सख्त पालन के बाद किया जाना चाहिए।

परामर्श में बच्चों के लिए कफ सिरप के विवेकपूर्ण और तर्कसंगत नुस्खे और वितरण पर भी जोर दिया गया।

डा. पाराशर ने बताया कि छह माह से कम उम्र के बच्चों को खांसी, जुकाम या ठंड लगने पर उनकी छाती पर हल्के गर्म घी या तेल से मालिश करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''बच्चों की माताओं को ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जिसकी प्रकृति ठंडी होती हैं और शरीर में 'कफ' और 'दोष' बढ़ाते हैं। छह महीने से अधिक उम्र के बच्चों को तुलसी, अदरक, लौंग, काली मिर्च और खजूर के साथ दूध उबालकर पिलाया जा सकता है।''

उन्होंने बताया कि यह दूध उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाएगा और खांसी-जुकाम से तुरंत राहत प्रदान करेगा।

आयुर्वेदिक कफ सिरप तुलसी, मुलेठी, काकड़सिंगी, भारंगी, पुष्करमूल, बहेड़ा, पुदीना, पिप्पली, काली मिर्च, दालचीनी, तेजपत्ता और तालीसपत्र जैसी जड़ी-बूटियों से बनाए जाते हैं। डॉ. पाराशर ने बताया कि इनका बच्चों पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होता।

इसके अलावा, बच्चों को सितोपलादि चूर्ण और तालिशादि चूर्ण शहद में मिलाकर दिया जा सकता है या वासावलेह और अगस्त्य हरीतकी जैसी औषधियाँ भी दी जा सकती हैं।

उन्होंने बताया कि ये सभी औषधियां बच्चों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी हैं।

बढ़ती डिजिटल निर्भरता आंखों की समस्याओं के बढ़ने का प्रमुख कारक

नयी दिल्ली, (भाषा) बदलती जीवनशैली में बढ़ती डिजिटल निर्भरता वयस्कों और बच्चों दोनों में आंखों की समस्याओं को जन्म दे रही है तथा विशेषज्ञ इस समस्या को कम करने के मकसद से घरों के बाहर की गतिविधियां और शारीरिक व्यायाम आदि की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

विश्व दृष्टि दिवस की पूर्व संध्या पर विशेषज्ञों ने कहा कि वयस्कों और बच्चों दोनों ही में मोतियाबिंद, 'ग्लूकोमा' या 'मायोपिया' जैसी आंखों की विभिन्न समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं जबकि कुछ समस्याएं जीवनशैली से जुड़ी होती हैं। इस वर्ष विश्व दृष्टि दिवस नौ अक्टूबर को 'अपनी आंखों से प्यार करें' विषय पर मनाया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि अपनी आंखों का ध्यान रखें; इनकी उपेक्षा करने से अंधापन हो सकता है। 'आई क्यू हॉस्पिटल्स' के संस्थापक और सीएमडी डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि 'मायोपिया' (दूर की वस्तुओं को देखने में कठिनाई) से पीड़ित बच्चों की संख्या में लगातार होते इजाफे से युवा पीढ़ी के लिए चिंताएं बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, ''बुज़ुर्गों में मोतियाबिंद और 'ग्लूकोमा' आम समस्याएं हैं। हम देश भर में मुफ़्त नेत्र जांच शिविर आयोजित करते हैं लेकिन इस विश्व दृष्टि दिवस पर हम चार राज्यों - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और गुजरात - में एक साथ 20 शिविर आयोजित कर रहे हैं। इन जगहों पर एक दिन में 1500 से ज़्यादा लोगों की आंखों की मुफ्त में जांच की जाएगी। आई क्यू के चिकित्सा निदेशक और रेटिना सेवाओं के प्रमुख डॉ. दीपेंद्र सिंह ने कहा कि 40 वर्ष की आयु के बाद 'ग्लूकोमा' का खतरा बढ़ जाता है और इसमें विशेषकर उन लोगों को ज्यादा खतरा रहता है जिनके परिवार में इस रोग का इतिहास रहा हो या जो मधुमेह रोगी हों या स्टेरॉयड ले रहे हों।

बढ़ती डिजिटल निर्भरता बच्चों और वयस्कों दोनों की आंखों पर पड़ने वाले तनाव को बढ़ा रही है। विशेषज्ञ 20-20-20 नियम का पालन करने की सलाह देते हैं - हर 20 मिनट में 20 सेकंड के लिए 20 फुट दूर किसी चीज़ को देखें।

प्रधान न्यायाधीश के अपमान के खिलाफ युवा कांग्रेस ने निकाला 'आई लव आंबेडकर' मार्च

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय युवा कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई पर हमले की कोशिश और दलितों के खिलाफ अपराध की हालिया घटनाओं को लेकर बुधवार को 'आई लव आंबेडकर' मार्च निकाला। इस मार्च की अगुवाई युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने की।

'आई लव आंबेडकर' मार्च की शुरुवात बाबरपुर (उत्तर पूर्वी दिल्ली) इलाके के मौजपुर चौक से हुई जिसके बाद समापन इटा चौक पर हुआ। युवा कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इस अवसर पर चिब ने कहा, ''देश के संविधान और इंसानियत पर लगातार हमला हो रहा है, वह भी एक बार नहीं, बार-बार, जब से भाजपा सत्ता में आई है।'' उन्होंने दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने पिछले 100 वर्षों में नफरत के जो बीज बोए थे, उन्हें पानी देकर पौधे बनाने का काम भाजपा कर रही है।

उनका कहना था, ''प्रधान न्यायाधीश पर हमला और रायबरेली में दलित युवक हरिओम वाल्मीकि की निर्मम हत्या ये हमारे संविधान और मानवता दोनों पर कलंक है।' युवा कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस इस मानसिकता के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी।

न्यायालय में हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री से जुड़े मुद्दों पर 10 अक्टूबर को सुनवाई

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 'हरित' पटाखों के निर्माण और बिक्री से संबंधित मुद्दों पर सुनवाई 10 अक्टूबर तक स्थगित कर दी।

शीर्ष अदालत ने 26 सितंबर को प्रमाणित निर्माताओं को इस शर्त के साथ 'हरित' पटाखों के निर्माण की अनुमति दी थी कि वे बिना उसकी मंजूरी के प्रतिबंधित दिल्ली-एनसीआर में इन्हें नहीं बेचेंगे। न्यायालय ने केंद्र से दिल्ली-एनसीआर में पटाखों के निर्माण पर पूर्ण प्रतिबंध पर नए सिरे से विचार करने को कहा।

इसने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) को अंतिम निर्णय पर पहुंचने से पहले दिल्ली सरकार, निर्माताओं और विक्रेताओं सहित सभी हितधारकों से परामर्श करने का भी निर्देश दिया।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ बुधवार को केंद्र की रिपोर्ट समेत अन्य मुद्दों पर विचार करने वाली थी। हालांकि, केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे विधि अधिकारी ने स्थगन का अनुरोध किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

कुछ हरित पटाखों के निर्माताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता बलबीर सिंह ने कहा कि इस मुद्दे पर दिवाली से पहले सुनवाई की जानी चाहिए, जिसके बाद पीठ ने सुनवाई के लिए शुक्रवार की तारीख तय की।

इससे पहले, पीठ ने आदेश दिया था, ''इस बीच, हम उन निर्माताओं को पटाखों का निर्माण करने की अनुमति देते हैं जिनके पास एनईईआरआई (राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान) और पेसो (पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन) का हरित पटाखा प्रमाण पत्र है। हालांकि, इसके लिए निर्माताओं को इस न्यायालय के समक्ष यह वचन देना होगा कि वे इस न्यायालय द्वारा पारित अगले आदेश तक प्रतिबंधित क्षेत्रों में अपने पटाखे नहीं बेचेंगे।''

पीएमएलए में डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी की अवधारणा नहीं: ईडी

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को स्पष्ट किया कि धनशोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के तहत डिजिटल या ऑनलाइन गिरफ्तारी की कोई अवधारणा नहीं है और एजेंसी ऐसी प्रक्रिया केवल व्यक्तिगत रूप से ही करती है।

ईडी ने यह स्पष्टीकरण 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं की पृष्ठभूमि में दिया है। 'डिजिटल अरेस्ट' एक साइबर अपराध है, जिसमें अपराधी ऑनलाइन मैसेजिंग मंच पर कॉल करके लोगों से धोखाधड़ी करते हैं और बदले में पैसे मांगते हैं।

एजेंसी ने कहा, ''यह दोहराया जाता है कि ईडी द्वारा की गई गिरफ्तारियां उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद और व्यक्तिगत रूप से की जाती हैं। धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत 'डिजिटल अरेस्ट' या ऑनलाइन गिरफ्तारी की कोई अवधारणा नहीं है।'' ईडी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) को भी लागू करती है, लेकिन दीवानी कानून होने के कारण इसमें किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी का प्रावधान नहीं है।

ईडी ने पहले भी 'डिजिटल अरेस्ट' और फर्जी समन को लेकर ऐसा परामर्श जारी किया था, लेकिन उसने एक नया बयान जारी कर कहा कि वह ऐसा फिर से कर रही है क्योंकि उसने इस बात पर गौर किया है कि ''कुछ बेईमान व्यक्तियों (ठगों) ने धोखाधड़ी या जबरन वसूली के इरादे से व्यक्तियों को समन भेजे हैं।''

एजेंसी ने बयान में कहा, ''ये फर्जी समन अक्सर ईडी द्वारा जारी किए गए असली समन के ही जैसे होते हैं और इसलिए व्यक्तियों के लिए नकली और असली समन के बीच अंतर करना मुश्किल होता है।''

दीपिका पादुकोण के विज्ञापन में हिजाब पहनने को लेकर छिड़ी बहस

नयी दिल्ली, (भाषा) अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अबू धाबी पर्यटन के लिए एक प्रचार अभियान को लेकर सोशल मीडिया पर फिर से चर्चा में हैं, जिसमें वह शेख जायद ग्रैंड मस्जिद में हिजाब पहने हुए दिखाई दे रही हैं।

अपने पति और अभिनेता रणवीर सिंह के साथ इस विज्ञापन में नज़र आ रहीं दीपिका पहले भी कई विवादों में घिर चुकी हैं। इससे पहले, संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में अपनी उपस्थिति और ''पठान'' के गाने ''बेशरम रंग'' में नारंगी रंग की बिकनी पहनने के लिए भी उन्हें सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

पादुकोण अब अपने पति के साथ मिलकर अबू धाबी के संस्कृति और पर्यटन विभाग के गंतव्य ब्रांड 'एक्सपीरियंस अबू धाबी' की ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं।

''मेरा सुकून'' शीर्षक वाले इस प्रचार वीडियो में यह जोड़ा अबू धाबी की सैर करता हुआ दिखाई दे रहा है और रणवीर, दीपिका को शहर की अपनी कुछ पसंदीदा जगहों से परिचित करा रहे हैं, जिनमें कई सांस्कृतिक और स्थापत्य स्थल शामिल हैं। एक दृश्य में, यह जोड़ा ग्रैंड मस्जिद में है और दीपिका अबाया और हिजाब पहने हुए दिखाई दे रही हैं।

प्रचार वीडियो के सामने आने के बाद कुछ लोगों ने पादुकोण (39) को रूढ़िवादी पोशाक को बढ़ावा देने के लिए ''फर्जी नारीवादी'' कहा, जबकि अन्य ने उनके निर्णय का बचाव किया और अरब संस्कृति के प्रति उनके सम्मान की बात कही।

पादुकोण की आलोचना करने वालों ने तर्क दिया कि हिजाब पहनने का उनका निर्णय 2015 के ''माई चॉइस'' वीडियो में उनकी उपस्थिति के बिल्कुल विपरीत है, जिसमें उन्होंने महिलाओं को अपनी शर्तों पर जीने, कपड़े पहनने और प्यार करने की स्वतंत्रता की वकालत की थी।

'एक्स' पर एक प्रयोक्ता ने पूछा, ''दीपिका पादुकोण का वीडियो 'माई चॉइस' याद है? 'बिंदी लगाना या न लगाना, मेरी मर्ज़ी'। 'मैं क्या कपड़े पहनूंगी, यह मैं ही तय करती हूं। अब दीपिका पादुकोण ने हिजाब पहनकर अबू धाबी टूरिज्म का प्रचार करते हुए वीडियो बनाया है। 'माई चॉइस' का क्या हुआ?''

इसी तरह की एक और पोस्ट में कहा गया, ''हिंदू परंपराओं पर-'मेरा शरीर, मेरी पसंद'। लेकिन पैसे के लिए 'हिजाब' पहनने में कोई समस्या नहीं। यह दीपिका पादुकोण जैसी फर्जी नारीवादियों की वास्तविकता है। वे नारीवादी नहीं हैं...वे सिर्फ 'हिंदू विरोधी' हैं।''

एक पोस्ट में लिखा था, ''दीपिका पादुकोण की राय...बिंदी पर: मेरी पसंद। हिजाब पर: पैसे दो कुछ भी पहन लूंगी। मेरी पसंद पैसे तक सीमित है, आखिरकार वह एक अभिनेत्री हैं, पैसे के लिए कुछ भी कर सकती हैं, नारीवाद और स्वतंत्रता जैसी कोई चीज नहीं है, वह पैसे के लिए अपनी आत्मा बेच सकती हैं।''

एक व्यक्ति ने आश्चर्य जताया कि दीपिका ने किसी भारतीय धार्मिक स्थल का इस तरह प्रचार क्यों नहीं किया। उपयोगकर्ता ने लिखा, ''दीपिका पादुकोण ने अबू धाबी मस्जिद का प्रचार करने के लिए हिजाब पहना। लेकिन वह कभी अपने धर्म या किसी तीर्थ स्थल का प्रचार नहीं करेंगी।''

हालांकि कई प्रयोक्ताओं ने पादुकोण का समर्थन भी किया।

एक प्रयोक्ता ने 'एक्स' पर उनकी तस्वीरें साझा करते हुए कहा, ''यह दीपिका पादुकोण हैं, जब वह मंदिर गई थीं। वह हमेशा से भारत की संस्कृति का सम्मान करती रही हैं। पर्यटन विज्ञापन में, उन्होंने वही पहना है जो उस संस्कृति के लिए उपयुक्त है। आपको ऐसे व्यक्ति पर गर्व होना चाहिए जो किसी भी देश में जाकर सम्मान दिखा सकता है।''

वहीं एक पोस्ट में कहा गया, ''इस खूबसूरत हिजाब ने दीपिका को ग्लैमरस लुक दिया।''

एक प्रयोक्ता ने लिखा, ''अरब संस्कृति के प्रति उनका सम्मान और उनका हिजाब पहनना मेरे लिए उनके प्रति प्रेम को और बढ़ा देता है..।''

यह प्रचार अभियान अबू धाबी को ''सुकून'' वाले गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करता है, तथा यह पहली बार है जब दीपिका और रणवीर ने संयुक्त रूप से किसी वैश्विक पर्यटन ब्रांड का प्रतिनिधित्व किया है।

मंदिर की अनमोल जमीन पर कब्जे का प्लान या पुजारी की गलत करतूतें ?

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

- संकट मोचन मंदिर के पुजारी का सामान निकालकर की मारपीट, पुलिस से धक्का-मुक्की का वीडियो वायरल....

बरेली ।थाना कोतवाली क्षेत्र के बरेली कॉलेज चौराहे के पास स्थित संकट मोचन मंदिर में बुधवार सुबह पुजारी और मोहल्ले के लोगों के बीच जमकर विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों में मारपीट और हंगामा हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया।

मंदिर के पुजारी रामशंकर पांडे के अनुसार वह पिछले 17 वर्षों से अपनी पत्नी गीता के साथ मंदिर की सेवा कर रहे हैं और यहीं निवास करते हैं। उनका आरोप है कि मोहल्ले के कुछ लोग मंदिर की कीमती जमीन पर कब्जा कर अपनी पसंद का पुजारी बैठाना चाहते हैं।

स्वयं पंडित जी के शब्दों में, बुधवार सुबह यादव मोहल्ले की कई महिलाएं और पुरुष अचानक मंदिर पहुंचे और उनके साथ मारपीट कर दी। इस दौरान उनका सामान बाहर फेंक दिया गया और मोबाइल फोन छीन लिया गया। आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई कि "यहाँ से चले जाओ, नहीं तो जान से हाथ धोना पड़ेगा।"

सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह माहौल शांत कराया, लेकिन भीड़ ने पुलिसकर्मियों से भी धक्का-मुक्की और बदतमीजी की। मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

क्षेत्रवासियों के शब्दों में

वही इस खबर के दूसरे पहलू पर क्षेत्रवासियों द्वारा प्रकाश डाला गया तो क्षेत्रवासियों का कहना है कि पुजारी के खिलाफ पहले से कई शिकायतें हैं और मंदिर में गलत गतिविधियां होती थीं। मोहल्ले के लोगों ने उन्हें कई बार मंदिर खाली करने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने स्थान नहीं छोड़ा, जिसके चलते आज विवाद भड़क गया।

फिलहाल पुलिस ने पुजारी रामशंकर पांडे की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है।

रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष की दिनेश शर्मा को मिली जिम्मेदारी

गजरौला। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय राज्य मंत्री चौ0 जयंत सिंह के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी के अनुमोदन से एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉ.रामाशीष राय की सहमति से नगर के मौहल्ला अतरपुरा निवासी दिनेश शर्मा को राष्ट्रीय लोकदल व्यापार प्रकोष्ठ जनपद अमरोहा का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने उन्हें मनोनयन पत्र जारी करते हुए व्यापारियों व स्थानीय लोगों को रालोद से जोड़ने के निर्देश दिए।--

मेधावी छात्राएं बनी एक दिन की मुख्य विकास अधिकारी, विराजीं विकास भवन की कुर्सी पर

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

- मिशन शक्ति (फेज 05) अभियान के तहत मुख्य विकास अधिकारी ने एक दिन के लिए सौंपी दो छात्राओं को अपनी कुर्सी

बरेली ।बेटियों को सशक्तिकरण का संदेश देने के लिए आज विकास भवन में मिशन शक्ति (फेज 05) अभियान के अंतर्गत 02 मेधावी छात्राओं को सांकेतिक रूप से एक दिन के लिए मुख्य विकास अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई।इस अवसर पर सर्वोदय जन कल्याण इंटर कॉलेज ,भमोरा की इंटरमीडिएट की छात्रा डिम्पल मौर्य और तूबा खान को मुख्य विकास अधिकारी देवयानी द्वारा आज अपनी कुर्सी सौंपी गई ।

मुख्य विकास अधिकारी की कुर्सी पर बैठकर डिंपल मौर्य ने कहा कि आज वह गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। इसके साथ की दोनों छात्राओं ने मुख्य विकास अधिकारी के दायित्वों को भी बारीकी से समझा । दोनों छात्राओं ने मुख्य विकास अधिकारी से आगे की पढ़ाई के बारे में भी विस्तार से जानकारी हासिल की। छात्राओं से बात करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि एक दिन के सांकेतिक अधिकारी बनाने का मकसद छात्राओं को प्रशासनिक विभागों के बारे में जानकारी मुहैया कराने के साथ साथ उनके मन में भी इस भावना को जगाना है कि भविष्य में सशक्त बनकर छात्राएं लोगों की सेवा कर सकती है। उन्होंने छात्राओं को पढ़ाई के साथ साथ पाठ्येतर गतिविधियों पर भी ध्यान देने की बात कही ।मुख्य विकास अधिकारी ने दोनों छात्राओं को विकास विभाग के अंतर्गत आने विभागों और विकास कार्यों के बारे में भी बताया। इसके साथ ही जिला विकास अधिकारी ने भी सर्वोदय जन कल्याण इंटर कॉलेज,भमोरा की ग्यारहवीं की छात्रा कोमल और भरत जी सरस्वती इंटर कालेज,आंवला की ग्यारहवीं की छात्रा प्रशंसा पाराशरी को भी सांकेतिक रूप से एक दिन को जिला विकास अधिकारी की कुर्सी सौंपी और छात्राओं को जिला विकास अधिकारी के अंतर्गत आने वाले कार्यों के बारे में जानकारी दी।

फंदे से लटका मिला विवाहिता का शव, मायके वालों ने पति पर लगाया हत्या का आरोप

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बरेली। बारादरी क्षेत्र के जोगी नवादा में बुधवार को एक विवाहिता का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची बारादरी थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया है।

मोहल्ला जोगी नवादा वार्ड नंबर 33 निवासी 29 वर्षीय पूजा राठौर पत्नी अंकित राठौर का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। पूजा की शादी वर्ष 2021 में हुई थी और उसकी तीन साल की एक बेटी भी है।

पुलिस के मुताबिक पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। नाराज होकर पूजा ने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि पति अंकित राठौर ने घटना की सूचना अपने ससुर राधेश्याम निवासी मैलानी, जनपद लखीमपुर खीरी को दी। सूचना मिलते ही मायके पक्ष की महिलाएं और परिजन मौके पर पहुंच गए।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंकित राठौर अक्सर पूजा को प्रताड़ित करता था, जिससे परेशान होकर उसने अपनी जान दे दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रंजिशन दुकानदार पर चाकू से हमला "वर्दी" पर फिर दबंगों के बचाव का आरोप

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बरेली। थाना सुभाषनगर के मढीनाथ निवास पीयूष शर्मा ने अपर पुलिस महानिदेशक को

प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह किराना की दुकान चलाता है। उसने अपने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाते हुए बताया कि इलाके के कुछ दबंग पुरानी रंजिश के चलते उसकी दुकान में घुसकर उसे चाकू से हमला कर लाठी-डंडो से बूरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके उपरांत जब पीड़ित पक्ष मढ़ीनाथ चौकी इंचार्ज के पास पहुंचा तो पुलिस द्वारा उसे तहरीर लेने के बाद चिल्लाकर भगा दिया।

पियूष के अनुसार 9 अगस्त को वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था इसी दौरान रजनीश सक्सेना पुत्र राजेश सक्सेना निवासी शांति बिहार, सुभाषनगर स्थित उसकी दुकान में जबरदस्ती घुस आया।

पियूष के अनुसार उसके बाद रजनीश ने फोन करके राहुल सक्सेना उर्फ रिबिल, उसके पिता राजू सक्सेना, रजनीश की बहन रूपी सक्सेना व भाई राजन सक्सेना को बुलाया। आरोप है की राहुल ने उस पर चाकू से हमला किया।

बचाव के दौरान उसकी अंगूली कट गई। उसके बाद सभी ने मिलकर उसको लाठी-डंडो से पीटकर बुरी तरह घायल कर दिया। उसके बाद वह थाने गया। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं कि। तब जाकर उसने अपर पुलिस महानिदेशक से न्याय की गुहार लगाई। उनके आदेश पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच कर कार्रवाई की बात कही, उधर आरोपी द्वारा पीड़ित पक्ष को धमकी दी जा रही है।

जीएसटी अधिकारी थप्पड़ कांड दरोगा को बचाने में लगी पुलिस

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

- जीएसटी अधिकारी को मारा था दरोगा ने थप्पड़, तहरीर मिलने के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

बरेली। बीते दिन एक दरगाह में जीएसटी अधिकारी को थप्पड़ मार दिया था जिसको लेकर मामला काफी सुर्खियों में रहा। जीएसटी अधिकारी ने दरोगा के खिलाफ थाना कोतवाली में तहरीर दे दी है। लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। बताते चलें मंगलवार को किसी बात को लेकर जीएसटी अधिकारी से कोतवाली में तैनात दरोगा की हॉट टॉप हो गई थी। उसके बाद दरोगा ने जीएसटी अधिकारी को थप्पड़ मार दिया। जीएसटी अधिकारी ने मंगलवार को ही आरोपी दारोगा खिलाफ तहरीर दे दी थी। उसके बाद अभी तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की है यह मामला कोतवाली में काफी चर्चा में है इंस्पेक्टर व सीओ इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। लोगों में चर्चा है पुलिस आरोपी दारोगा को बचाने में लगी हुई है इसलिए वह कार्यवाही में देरी कर रही है।

दूसरी प्रशासन की दृष्टि से देखा जाए तो यह भी कहा साथ जा सकता है पिछले 10 दिन बरेली की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए पुलिस की सक्रियता और व्यस्तता के कारण दरोगा का थप्पड़ कांड अनदेखा हो गया। जल्द ही प्रशासन द्वारा आरोपी दरोगा पर जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई: जिलाधिकारी ने लापरवाह अधिकारियों पर फोड़ा तनख़ाह बम

नेशनल एक्सप्रेस/पवन त्रिपाठी

बरेली। जनता की शिकायतों समस्याओं का गुणवत्ता परक निस्तारण किया जाना सरकार की प्राथमिकताओं में से एक है। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जन शिकायतों को लेकर मुख्यमंत्री जी संवेदनशील रहते हैं। मुख्यमंत्री स्वयं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रत्येक जनपद के संपर्क में रहते हैं। तत्क्रम में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आईजीआरएस पोर्टल पर माह सितम्बर में जनसुनवाई पोर्टल पर पाया गया कि जनपद के विभिन्न विभागीय अधिकारियों द्वारा जनसामान्य की शिकायतों के निस्तारण में अपेक्षित गुणवत्ता नहीं रखने से असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त हुआ, जिसके क्रम में जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता (नगरीय द्वितीय/तृतीय) विद्युत, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला क्रीड़ा अधिकारी, उप निदेशक कृषि विभाग, उप खंड अधिकारी विद्युत फरीदपुर, बाल विकास परियोजना अधिकारी बिथरी चैनपुर, चकबंदी अधिकारी मीरगंज का वेतन रोका गया है।

जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसामान्य की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारण करना सुनिश्चित करें, इस कार्य को करना प्रत्येक अधिकारी की सर्वोच्च जिम्मेदारी है इसमें किसी प्रकार की लापरवाही करने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। दीपावली के मौके पर जिला अधिकारी द्वारा जनपद के अधिकारियों पर तनख्वाह बम की स्ट्राइक सरकारी मशीनरी कार्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी।

सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए महिलाओं को स्वयं जागरूक होने की जरूरत

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बरेली ।राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान बुधवार को बरेली पहुंचीं, जहां उन्होंने मिशन शक्ति के अंतर्गत आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को अन्नप्राशन कराया और गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में बबीता सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश में अब महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि अब महिलाओं की जान सुविधाओं के अभाव में नहीं जाती। सरकार की योजनाओं से कुपोषण में कमी आई है और महिलाओं को भरपूर लाभ मिल रहा है।"

उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं को योजनाओं का अधिक लाभ पाने के लिए स्वयं जागरूक होना पड़ेगा। बबीता सिंह चौहान ने कहा कि आज महिलाएं पहले से अधिक सशक्त हो रही हैं और समाज में उनकी स्थिति लगातार बेहतर हो रही है।

प्रभारी मंत्री केपी मलिक का भाजपाइयों ने किया स्वागत

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गजरौला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर के चौपला चौराहे पर जनपद के प्रभारी मंत्री केपी मलिक का स्वागत किया।

प्रभारी मंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्नान किया कि वे गांव-गांव, नगर-नगर जाकर पार्टी की नीतियों को बताएं और केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाईं जा रहीं जनकल्याण कारी योजनाओं के बारे में बताएं, जिन पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाएं।

इस मौके पर प्रकृति बचाओ महा अभिया के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ-उत्तम सिंह प्रजापति, पूर्व जिपं सदस्य महेश प्रधान, डॉ0 राजीव शुक्ला, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शशि चौहान, मंडल महामंत्री अंकुर सिंह नागर आदि उपस्थित रहे।

जनपदीय एथलेटिक प्रतियोगिता 13 से 15 अक्टूबर तक, स्थल बदला

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। जनपदीय एथलेटिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन 13, 14 और 15 अक्टूबर 2025 को राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा के मिनी स्टेडियम में किया जाएगा। प्रतियोगिता का संयोजन जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज करेगा।

संयोजक एवं प्रधानाचार्य डॉ. जी.पी. सिंह ने बताया कि यह प्रतियोगिता पहले जे.एस. हिन्दू इंटर कॉलेज मैदान में प्रस्तावित थी, लेकिन अमरोहा ट्रेड फेयर के आयोजन के कारण इसका स्थल बदल दिया गया है।

उन्होंने बताया कि मैदान पर ट्रैक बनाने का कार्य शुरू हो गया है और वर्षा से हुए जलभराव को दुरुस्त किया जा रहा है। आज खेल संयोजक डॉ. सिंह, क्रीड़ा सचिव विजय सिंह व प्रभारी सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने ट्रैक पॉइंट की नाप-तौल और चिन्हांकन कार्य प्रारंभ किया। डॉ. सिंह ने बताया कि संकुल स्तर के विजेता खिलाड़ी जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। डीआईओएस ने निर्देश दिए हैं कि बिना पात्रता प्रपत्रों के किसी भी खिलाड़ी को प्रतिभाग की अनुमति न दी जाए। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता 15 अक्टूबर को समाप्त होगी, जबकि मंडलीय प्रतियोगिता 16 अक्टूबर से चंदौसी (जनपद सम्भल) में आयोजित की जाएगी।

सात साल की उम्र में कुरान मुकम्मल कर अब्बास बना 'नन्हा हाफ़िज़'

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। शहर के मंडी चौब मोहल्ले के मशहूर शायर मास्टर अबुल हसनैन 'फन अम्रोहवी' के पोते मोहम्मद अब्बास नक़वी ने केवल 7 वर्ष की आयु में इस्लाम धर्म की मुकद्दस किताब कुरान मुकम्मल कर परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। अब्बास गाज़ियाबाद के फादर एग्नल स्कूल में कक्षा दो के छात्र हैं। उनकी माता शैहज़ा बतूल नक़वी ने बताया कि अब्बास न केवल कुरान की तालीम में अव्वल हैं, बल्कि अंग्रेज़ी भाषा में भी बेहतरीन दक्षता रखते हैं। वे धाराप्रवाह अंग्रेज़ी बोलते हैं और अपनी उम्र से कहीं अधिक समझदारी दिखाते हैं। उनकी इस उपलब्धि पर रेड ड्रॉप्स ग्रुप सहित कई संस्थाओं ने अब्बास को शुभकामनाएं दीं। अब्बास के पिता सज्जाद आबिद ने कुरान की तालीम देने वाले मौलाना अनीस अहमद का सम्मान किया और कहा कि वे अपने बेटे को दीनी और दुनियावी दोनों शिक्षा में आगे बढ़ाने का प्रयास जारी रखेंगे। इस खुशी के मौके पर परिवार द्वारा मिष्ठान वितरण किया गया। मौलाना अनीस अहमद ने कहा कि अब्बास की यह कामयाबी उनके माता-पिता और दादा की मेहनत का नतीजा है, जो वास्तव में बधाई के पात्र हैं।

छात्रा ट्विंकल बनी एक दिन की सीडीओ बेटियों ने संभाली प्रशासनिक जिम्मेदारी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन के उद्देश्य से चल रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत मंगलवार को जनपद में एक अनूठा सांकेतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कस्तूरबा गांधी विद्यालय गजरौला की कक्षा 12 की छात्रा ट्विंकल को एक दिन का मुख्य विकास अधिकारी बनाया गया।

इसी क्रम में मनीषा को परियोजना निदेशक, स्वाति को जिला पंचायत राज अधिकारी, आंचल को जिला विकास अधिकारी, पायल को जिला प्रोबेशन अधिकारी और आरूषि को पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने छात्रा ट्विंकल को बुके भेंट कर सम्मानित किया और सभी छात्राओं को बैग वितरित किए। उन्होंने छात्राओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली से अवगत कराया और कहा कि मिशन शक्ति 5.0 का उद्देश्य बालिकाओं को सशक्त बनाना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना है।

सीडीओ मिश्र ने कहा कि "नारी के सम्मान से ही देश का गौरव बढ़ेगा। बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं को शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली समझने का अवसर देते हैं और उन्हें उच्च पदों तक पहुंचने की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत रन फॉर एंपावरमेंट से गूंजा अमरोहा, एसपी अमित कुमार आनंद ने दिखाई हरी झंडी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो,

अमरोहा। महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अमरोहा पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत रन फॉर एंपावरमेंट का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर महिला सिपाहियों और पुलिस रिक्रूटों ने जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया। दौड़ का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने हरी झंडी दिखाकर किया और स्वयं भी प्रतिभागियों के साथ दौड़कर महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।

दौड़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय से शुरू होकर नगर के मिनी स्टेडियम तक संपन्न हुई। प्रतिभागियों ने लगभग चार किलोमीटर की दूरी पूरे जोश और अनुशासन के साथ तय की। दौड़ के समापन पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली महिला सिपाहियों और रिक्रूटों को सम्मानित किया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रतिभागियों की हौसलाअफ़ज़ाई की और उन्हें समाज में महिला सशक्तिकरण की प्रेरणा बताया।

कार्यक्रम के दौरान एसपी अमित कुमार आनंद ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति अभियान महिलाओं को न केवल सुरक्षित वातावरण देने की दिशा में कार्य कर रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, शिक्षित और जागरूक बनाने की भी पहल है। उन्होंने जनसहभागिता पर बल देते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को महिला सशक्तिकरण में योगदान देना चाहिए ताकि एक सुरक्षित और समानतापूर्ण समाज का निर्माण हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 22 सितंबर को शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ किया गया था। इसी क्रम में प्रदेश भर की तरह अमरोहा पुलिस ने भी महिलाओं को सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया है। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा महिलाओं के लिए अनेक रचनात्मक और प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें रन फॉर एंपावरमेंट, जनसंवाद कार्यक्रम, साइबर सुरक्षा जागरूकता शिविर, वाद-विवाद प्रतियोगिताएँ, सेमिनार और सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रमुख हैं।

अमरोहा पुलिस की एंटी रोमियो टीम लगातार सार्वजनिक स्थलों, विद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी रख रही है। असामाजिक तत्वों के खिलाफ त्वरित कानूनी कार्रवाई की जा रही है, जिससे महिलाओं में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन ने महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबरों और सहायता केंद्रों की जानकारी भी प्रचारित की, ताकि कोई भी महिला संकट की स्थिति में तुरंत मदद प्राप्त कर सके।

एसपी अमित कुमार आनंद ने कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि "एक सामाजिक आंदोलन" है, जो महिलाओं को आत्मविश्वास, समानता और सम्मान का अधिकार दिलाने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमरोहा पुलिस इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और भविष्य में भी ऐसे जन-जागरूकता कार्यक्रम जारी रहेंगे।

इस अवसर पर सीओ सिटी शक्ति सिंह, महिला थाना प्रभारी, पुलिस लाइन के अधिकारी, महिला सिपाही, रिक्रूट, और बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को मिशन शक्ति की शपथ दिलाई गई कि वे समाज में महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए सदैव जागरूक रहेंगे और दूसरों को भी प्रेरित करेंगे। अमरोहा पुलिस की यह पहल मिशन शक्ति अभियान को गति देने के साथ-साथ समाज में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और प्रेरक कदम साबित हुई है।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं ने देखा थाने का कार्य, निकाली जागरूकता रैली

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

, बछरायूं। मिशन शक्ति 5.0 के विशेष अभियान के तहत बुधवार को थाना बछरायूं में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई थाना प्रभारी अमित तोमर ने की। इसमें ग्लोबल पब्लिक स्कूल बछरायूं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को थाना भ्रमण कराया गया, जहां थाना प्रभारी ने उन्हें पुलिस की दैनिक कार्यप्रणाली, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, आपातकालीन सेवाओं और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

छात्राओं ने महिला हेल्प डेस्क, रोजनामचा कक्ष और साइबर सेल डेस्क का अवलोकन किया और पुलिस कार्यप्रणाली को नजदीक से समझा। उन्हें बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में महिला हेल्पलाइन 1090, वूमेन पावर लाइन 181, आपातकालीन सेवा 112 और साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत संपर्क किया जा सकता है।

थाना भ्रमण के बाद थाना बछरायूं से चौपला तक मिशन शक्ति जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें पुलिस कर्मियों, मिशन शक्ति टीम और छात्राओं ने भाग लिया। रैली के माध्यम से नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन का संदेश दिया गया। यह आयोजन छात्राओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने वाला रहा तथा मिशन शक्ति फेज-5 के उद्देश्यों — सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन — को आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास साबित हुआ।

नाला निर्माण के कार्य में लगाया अनियमितता का आरोप, घरों व दुकानों में भरेगा पानी

नेशनल एक्सप्रेस मुनीश शर्मा

हनुमानगढ़ी वार्ड नंबर 4 नाला निर्माण के दौरान जो मालवा सड़क पर डाला गया है, उसको जल्द हटाया जाएगा, हमारी पहली प्राथमिकता है कोई भी बच्चा या बुजुर्ग चोटील ना हो । ठेकेदार से हमने पहले ही कह दिया था कि मोहल्ले का नाली का पानी बड़े नाले में जाना है। अगर ढाल गलत कर दिया है तो, जल्द जाकर नाला निर्माण का मौके का निरीक्षण किया जाएगा ।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद चन्दौसी - धर्मराज सिंह

चंदौसी । नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 4 सरस्वती शिशु मंदिर के पास हनुमानगढ़ी रोड पर हनुमान मंदिर के पास नाला निर्माण के कार्य में लोगों ने अनियमितता बरतने का आरोप लगाया गया है। हनुमानगढ़ी के लोगों और दुकानदार का कहना है कि ठेकेदार ने नाले का लेवल बनाने में लापरवाही बरती है। नाले का लेवल ऊपर होने से बारिश का पानी दुकानों और घरों में अंदर भरेगा। ठेकेदार ने लोगों के लिए आने-जाने का रास्ता भी नहीं छोड़ा है। जिसके कारण दुकानदारों व शहरियों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नाला खोदने के बाद मिट्टी होने के कारण बारिश से कीचड़ फैल रही है। लोगों का आरोप है कि अधिकारियों की अनदेखी के कारण ठेकेदार निर्माण कार्य में लापरवाही बरत रहा है। हनुमानगढ़ी निवासी बुजुर्ग सियाराम, यादराम, नन्हे, नरेश, जयकिशन, आदि का कहना है कि हनुमानगढ़ी हनुमान जी के मंदिर के पास से जो नाले का निर्माण किया जा रहा है। नाले के निर्माण में अधिकारी व ठेकेदार लापरवाही बरत रहे हैं। लोगों का कहना है कि पहले नाले को तोड़कर गलियों का रास्ता बंद कर दिया गया। अब नाले का निर्माण धीमी गति से किया जा रहा है। नाला जो बनाया जा रहा है उसका ढलान भी गलत है, उल्टा पानी बस्ती की ओर आ रहा है । जिससे लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। दुकानों के आगे खोदे गए नाले के कारण दुकानदारों का काम धंधा चौपट हो गया है। बारिश के कारण सड़क पर कीचड़ फैल रहा है और नाला खुदाई के दौरान मालवा सड़क पर डाल रखा है। जिससे बच्चे फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ने वाले बच्चे आए दिन चोटिल हो रहे हैं, बुधवार को भी रिक्शा पलट गया कुछ बच्चे चोटिल हुए हैं स्थानीय लोगों ने बताया है । घरों में आने-जाने के लिए रास्ता नहीं छोड़ा गया है। दुकानदार ने बताया कि कि त्योहार का सीजन आ चुका है। अब दुकानों के आगे नाला खोदकर उन्हें परेशान किया जा रहा है। दुकानों के आगे नाला खोदने से ग्राहक दुकानों पर नहीं आ रहे हैं। जिससे उनकी दुकानदारी पर असर पड़ रहा है। लोगों ने अधिकारियों से मांग की है कि वह नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर उनकी समस्या का समाधान करें। लोगों के आने-जाने के लिए रास्ता बनवाया जाए। लोगों ने आरोप लगाया कि नाला निर्माण के दौरान लोगों के चोटिल होने की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें लापरवाही और सुरक्षा मानकों की अनदेखी मुख्य कारण है।

खुले गड्ढे और नालेः कई मामलों में नाली का निर्माण अधूरा छोड़ दिया जाता है और उसे ढका नहीं जाता। इससे रात के समय या असावधानीवश लोग, खासकर बच्चे, इन खुले नालों में गिरकर घायल हो जाते हैं।

महिला सुरक्षा और साइबर जागरूकता को लेकर तितावी पुलिस की सराहनीय पहल, नसीरपुर में चलाया अभियान

कोसर चौधरी नेशनल एक्सप्रेस

मुजफ्फरनगर, महिलासुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से तितावी थाना पुलिस ने बुधवार को नसीरपुर गांव में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। तितावी थाना प्रभारी पवन चौधरी के नेतृत्व में सब-इंस्पेक्टर अभिषेक गुप्ता और महिला शक्ति टीम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और युवतियों को उनकी सुरक्षा और साइबर धोखाधड़ी से बचाव के गुर सिखाए गए। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश पुलिस की महत्वाकांक्षी 'मिशन शक्ति फेस 5.0' के अंतर्गत आयोजित किया गया। इस दौरान आयोजित नुक्कड़ सभाओं में पुलिस टीम ने गांव की महिलाओं और स्कूल-कॉलेज की छात्राओं के साथ सीधा संवाद स्थापित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से साइबर अपराधों पर चर्चा हुई। सब-इंस्पेक्टर अभिषेक गुप्ता ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के डिजिटल युग में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती बन गए हैं। उन्होंने फिशिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग और ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसे मामलों की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि ₹जागरूकता ही ऐसे अपराधों से सबसे बड़ा बचाव है।₹ उन्होंने लोगों से अनजान लिंक पर क्लिक न करने, अपने पर्सनल डेटा को सावधानी से साझा करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया।

महिला शक्ति टीम की पुलिसकर्मियों ने महिलाओं और छात्राओं को उनके कानूनी अधिकारों, महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों और उपलब्ध सुरक्षा संसाधनों की जानकारी दी। उन्होंने वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास किया कि किस तरह सजग रहकर खुद को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने महिला हेल्पलाइन नंबर 112 और अन्य जरूरी संपर्क नंबरों की भी जानकारी साझा की।

इस जागरूकता अभियान को ग्रामीणों का भरपूर समर्थन मिला। ग्रामवासियों ने इस तरह की पहल को समय की जरूरत बताते हुए पुलिस का आभार जताया। थाना प्रभारी पवन चौधरी ने कहा कि महिला सुरक्षा और आम जनता को साइबर अपराधों से बचाने के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे।

बालिकाओं के त्रिदिवसीय राज्य स्तरीय डीएवी खेल प्रतियोगिता सौम्या यादव एथलेटिक्स अंडर 14 में रहीं चैंपियन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

बबराला। संभलः डी.ए.वी. फर्टिलाइज़र पब्लिक स्कूल, बबराला, जनपद संभल में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय "डी.ए.वी. स्पोर्ट्स–2025" (बालिका वर्ग) का भव्य समापन 8 अक्टूबर 2025 को हुआ। पूरे तीन दिनों तक चली इस प्रतियोगिता में बालिकाओं ने अनुशासन, उत्साह और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने विद्यालयों का गौरव बढ़ाया। अंतिम दिन का वातावरण उल्लास, रोमांच और राष्ट्रीय भावना से परिपूर्ण था। एथलेटिक्स प्रतियोगिता में डी.ए.वी. खड़िया ने ओवरऑल विजेता का खिताब प्राप्त किया, जबकि उपविजेता रही डी.ए.वी. गेल। अंडर–14 वर्ग में विजेता डी.ए.वी. गेल रही और उपविजेता डी.ए.वी. वाराणसी। अंडर–17 वर्ग में विजेता डी.ए.वी. गेल तथा उपविजेता डी.ए.वी. खड़िया रही। अंडर–19 वर्ग में विजेता डी.ए.वी. खड़िया और उपविजेता डी.ए.वी. कुमारगंज रही। सर्वश्रेष्ठ एथलीट के रूप में अंडर–14 वर्ग से सौम्या यादव (डी.ए.वी. बबराला, संभल), अंडर–17 वर्ग से दिया कुमारी (डी.ए.वी. गेल) तथा अंडर–19 वर्ग से नीतू सिंह (डी.ए.वी. खड़िया) को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के उमंग और समर्पण ने दर्शकों को अभिभूत कर दिया। टूर्नामेंट चैंपियंस के रूप में क्लस्टर–3 एवं 4 घोषित हुए, जबकि क्लस्टर–1 एवं 2 प्रथम रनर–अप रहे। समापन समारोह में डी.ए.वी. प्रबंधन समिति के चेयरमैन श्री एम. एस. प्रसाद ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि "खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हैं।<

छात्राओं ने राज्य स्तरीय की प्रतियोगिता में किया कमाल

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुजफ्फरनगर, जिले के एसएफडीए,वी पब्लिक स्कूल मुजफ्फरनगर की मेधावी छात्राओं ने खेल प्रतिभा प्रतियोगिता का परचम लहराते हुए एक बार फिर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। स्कूल की इन होनहार छात्राओं ने बबराला में आयोजित एक प्रतिष्ठित राज्य-स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है, जिससे पूरे जनपद का मान बढ़ गया है। यह प्रतियोगिता 6 अक्टूबर से शुरू होकर 8 अक्टूबर तक तीन दिनों तक चली, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में एसएफडीएवी स्कूल की टीम ने अपने कौशल, मेहनत और टीम वर्क का शानदार प्रदर्शन करते हुए सर्वोच्च स्थान हासिल किया। इस ऐतिहासिक सफलता में टीम के इंचार्ज शिक्षक उमा रानी और धर्मवीर सिंह का मार्गदर्शन अहम रहा। प्रतियोगिता के दौरान वे छात्राओं के साथ मौजूद रहे और उनका हौसला बढ़ाते रहे। उन्होंने बताया कि छात्राओं ने इस स्पर्धा के लिए कड़ी मेहनत और लगन से तैयारी की थी और उनकी यह सफलता पूरे स्कूल परिवार के लिए गर्व का विषय है।

स्कूल के प्रधानाचार्य पूनम पवार, ने इस उपलब्धि पर छात्राओं और उनके मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत न केवल छात्राओं की प्रतिभा, बल्कि उनकी सहनशक्ति और प्रतिस्पर्धा की भावना को दर्शाती है। उन्होंने आशा जताई कि भविष्य में भी स्कूल के विद्यार्थी इसी तरह अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते रहेंगे।

जनपदीय शैक्षिक युवा क्रीड़ा समारोह का भव्य शुभारंभ, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने किया उद्घाटन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी ।बुधवार एस एम इंटर कॉलेज, चंदौसी में 12वें जनपदीय शैक्षिक युवा क्रीड़ा समारोह का भव्य शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माध्यमिक शिक्षा मंत्री, गुलाब देवी ने दीप प्रज्वलित करके एवं ध्वजारोहण करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वेश कुमार ने की। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक (बालक) दयाशंकर और संयोजिका (बालिका) अंजू गुप्ता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला क्रीड़ा सचिव सचिन शर्मा और जिला क्रीड़ा सहसचिव संजीव कुमार भी कार्यक्रम में सक्रिय रहे। इस अवसर पर एस एम इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता, प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार, राजकीय इंटर कॉलेज बेरनी के प्रधानाचार्य, एफ आर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री वसीम उद्दीन सहित कई अन्य प्रधानाचार्य एवं शिक्षक उपस्थित रहे। अनुशासन समिति में योगेश बाबू, मंच संचालन में ए. के सिंह, लेखा समिति के प्रभारी (बालक) मनोज कुमार, (बालिका वर्ग) गणेश सिंह, प्राथमिक चिकित्सा के प्रभारी नेमचंद, और मीडिया समिति में मनोज कुमार प्रभारी एवं आकाश शर्मा ने कार्यक्रम को सुचारु रूप से संपन्न कराया। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई। श्री अक्रूर जी कन्या इंटर कॉलेज द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत गीत से अतिथियों का अभिनंदन किया। हीरा देवी कन्या इंटर कॉलेज बहजोई ने मनमोहक देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया, जिसके उपरांत श्री सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज चंदौसी द्वारा लोक नृत्य किया गया। बी. एम जी कन्या इंटर कॉलेज चंदौसी ने धार्मिक पृष्ठभूमि पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी।

जिला चिकित्सालय में सीएमओ ने की ओपीडी, हड्डी रोगियों को दिया परामर्श और उपचार

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

जनपद मुजफ्फरनगर,के,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने बुधवार को जिला चिकित्सालय में पहुंचकर मरीजों को सीधा चिकित्सकीय परामर्श दिया और उनका उपचार किया। इस दौरान उन्होंने हड्डी रोग विशेषज्ञ विभाग (कक्ष संख्या-9) में ओपीडी लगाकर दर्जनों महिलाओं एवं पुरुषों का हड्डी संबंधी समस्याओं का निरीक्षण किया तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया।

मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और उनकी समस्याओं का निदान शीघ्र हो सके। डॉ. सुनील तेवतिया ने मरीजों से संवाद स्थापित कर उनकी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों को गंभीरता से सुना और उन्हें उचित इलाज के साथ-साथ सेहत के प्रति सजग रहने की सलाह भी दी।

इस दौरान चिकित्सालय प्रशासन द्वारा मरीजों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। मरीजों और उनके परिजनों ने सीएमओ के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से आम जनता को बेहतर इलाज मिलने में मदद मिलती है और उनका विश्वास सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर बढ़ता है।

खलीलपुर और उदरनपुर ,अजमतनगर में रामलीला महोत्सव के दौरान मिशन शक्ति का संदेश

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

संभल। थाना धनारी पुलिस द्वारा शनिवार को ग्राम पंचायत खलीलपुर और देर रात्रि ग्राम पंचायत उधरनपुर अजमतनगर बस स्टैंड धनारी पर आयोजित रामलीला महोत्सव में महिलाओं और ग्रामीणों को मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरूक किया गया।

इस अवसर पर धनारी पुलिस की ओर से उपनिरीक्षक कुसुमलता शर्मा, महिला कांस्टेबल ललिता, कांस्टेबल भारत सिंह व राजेश कुमार सहित पुलिस टीम मौजूद रही। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित महिलाओं और ग्रामीणों को आत्मरक्षा के उपायों के साथ-साथ महिला हेल्पलाइन नंबरों 1090, 112, 181 और 1098 की विस्तृत जानकारी दी। उपनिरीक्षक कुसुमलता शर्मा ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि किसी भी आपात स्थिति या उत्पीड़न की घटना पर महिलाएं इन हेल्पलाइन नंबरों का प्रयोग कर त्वरित सहायता प्राप्त कर सकती हैं। रामलीला महोत्सव में जुटी भीड़ ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए अभियान में सहयोग का संकल्प लिया।

मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा, सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता के बारे में बताया

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत पुलिस लाइन में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य बालिकाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा, सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता के प्रति सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार, महिला थाना प्रभारी रेनू सिंह, एल.आई.यू.जिला प्रभारी निरीक्षक बलराज सिंह, तथा अमन खुराना अध्यक्ष, अमन खुराना हेल्पिंग सोसाइटी रजि. ने संयुक्त रूप से सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरुआत छात्राओं के स्वागत के साथ हुई। प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार ने छात्राओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि आत्मविश्वास ही महिला सुरक्षा की सबसे मज़बूत दीवार है। उन्होंने छात्राओं को यह संदेश दिया कि हर परिस्थिति में सजग रहना और तुरंत सहायता लेना ही समझदारी का प्रतीक है।

महिला थाना प्रभारी रेनू सिंह ने मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा बालिकाओं के सम्मान और सुरक्षा हेतु कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हर बालिका को अपने अधिकारों और सुरक्षा उपायों की जानकारी होनी चाहिए। एल.आई.यू. जिला प्रभारी निरीक्षक बलराज सिंह ने स्थानीय खुफ़िया इकाई की भूमिका पर विस्तार से बताया और कहा कि समाज की सुरक्षा में हर नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को समझाया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी समय पर पुलिस तक पहुँचाना भी देशभक्ति का एक रूप है। वहीं, अमन खुराना, अध्यक्ष अमन खुराना हेल्पिंग सोसाइटी (रजि.), ने बताया कि संस्था निरंतर समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर बालिकाओं और छात्राओं, को आत्मरक्षा और जागरूकता की दिशा में प्रोत्साहित करती रही है। उन्होंने कहा कि "सुरक्षा केवल कानून की नहीं, बल्कि संस्कार और सजगता की भी जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने कई प्रश्न पूछे, जिनका तीनों अधिकारियों ने धैर्यपूर्वक उत्तर देकर उनके सभी संदेह दूर किए। अंत में अमन खुराना ने जिले के प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि संभल में मिशन शक्ति जैसे अभियानों को सफल बनाने में आदरणीय जिलाधिकारी डॉक्टर राजेन्द्र पेन्सिया और पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह गुणावत का मार्गदर्शन और नेतृत्व अत्यंत प्रेरणादायक रहा है।

जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियो टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति अभियान

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

संभल । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में बुधवार को जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है।

साथ ही "मिशन शक्ति 5.0" अभियान के अन्तर्गत जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

कुल 7687 के सी सी कृषक बीमित है 49 ग़ैर ऋणी कृषक बीमित हैं

चंदौसी। प्रबोध मिश्रा जिला कृषि अधिकारी संभल के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के जनपद संभल में अंतर्गत कुल 7687 के सी सी कृषक बीमित है 49 ग़ैर ऋृणी कृषक बीमित हैं । जैसा कि आप अवगत है जनपद में गत दिनों से बारिश हो रही है इसमें धान , उर्द एवं बाजरा के नुक़सान होने की संभावना है । जिन कृषकों के द्वारा बीमा करायी गई है और उनका फसल का नुकसान हुआ है तो वो अपना शिकायत टोल फ्री नंबर 14447 पर करना सुनिश्चित करे उकत नंबर काम ना करे तो एयरटेल के सिम से प्रयास करे अथवा कृषक अपना प्रार्थना पत्र 8052970563 पर भेजना सुनिश्चित करे । उक्त शिकायत स्थान के अतिरिक्त कृषक बन्धु कृषि पोर्टल और हेल्पलाइन पर जाकर भी अपना कंप्लेन स्वयं पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं ।

मुजफ्फरनगर में शिलान्यास: 226 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक सीआईआईआईटी केंद्र

कोसर चौधरी नेशनल एक्सप्रेस

जनपद मुजफ्फरनगर मेंशिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रेरणा से यहाँ 226.52 करोड़ रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ इन्वेंशन, इनोवेशन, इनक्यूबेशन एंड ट्रेनिंग (सीआईआईआईटी)' का शिलान्यास किया गया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग, उत्तर प्रदेश के माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल देव अग्रवाल ने भूमि पूजन एवं गायत्री मंत्र के जाप के साथ रखी।

शिलान्यास समारोह केबाद मेरठ रोड स्थित शारदेन स्कूल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा और आधुनिक प्रशिक्षण देने के लिए इस केंद्र की स्थापना एक बड़ा कदम है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ₹योगी सरकार का लक्ष्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि रोजगारपरक शिक्षा के माध्यम से युवाओं को तकनीकी और आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।₹

इस अवसर पर मंत्रीश्री अग्रवाल, प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम, मंडलायुक्त अटल कुमार राय एवं निदेशक प्रशिक्षण अभिषेक सिंह ने जनपद के 21 आईटीआई के टॉपर्स एवं सेवायोजित प्रशिक्षार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टाटाटेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से बनने वाला यह केंद्र युवाओं को एडवांस ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक व्हीकल, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा। यह संस्थान न केवल प्रशिक्षण देगा बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश और देश के विकास में योगदान का अवसर भी प्रदान करेगा।

जानकारीदेते हुए अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना का निर्माण कार्य फरवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मुजफ्फरनगर के आस-पास 10,000 वर्गमीटर भूमि आवंटित की गई है।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम मेंजिलाधिकारी उमेश मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री वीरपाल निर्वाल, जिलाध्यक्ष भाजपा सुधीर सैनी सहित टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के अधिकारी, विभागीय अधिकारीगण, जनप्रतिनिधि, व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि और सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजीव कुमार द्वारा किया गया तथा नोडल प्रधानाचार्य मुकेश प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

संपादकीय

कंगाली या बदलाव का चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी है।6 और 11 नवंबर को मतदान होगा तथा 14 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे। यह तारीखें बिहार के भविष्य को तय करने वाली हैं, क्योंकि 7.43 करोड़ मतदाता यह निर्णय करेंगे कि अगले पांच वर्षों तक राज्य की बागडोर किसके हाथों में होगी। बिहार का नाम देश और दक्षिण एशिया के सबसे गरीब राज्यों में लिया जाता है। यहाँ की साक्षरता दर अब भी राष्ट्रीय औसत से कम है। प्रति व्यक्ति आय केवल 32,227 रुपए है, जो देश के औसत का लगभग एक-तिहाई है। यह वही बिहार है जो 1960 के दशक में भारत की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था और उस समय गुजरात, कर्नाटक जैसे राज्यों से भी आगे था। लेकिन पिछले कई दशकों से बिहार लगातार पिछड़ता गया और आज विकास के पैमानों पर सबसे नीचे खड़ा है। इस चुनाव में हर मतदाता के मन में यह सवाल अवश्य होगा कि क्या नई सरकार उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाएगी या फिर बिहार की कंगाली यूं ही जारी रहेगी? चाहे बाल कुपोषण की स्थिति हो या स्कूलों में नामांकन का स्तर, शिशु मृत्यु दर हो या फिर पानी, स्वच्छता और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता — हर मोर्चे पर बिहार की तस्वीर निराशाजनक है। यह स्थिति केवल सरकार की ही नहीं बल्कि मतदाताओं की भी चुनौती है कि वे किसे चुनते हैं और किस दिशा में राज्य को आगे बढ़ाते हैं।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 2005 से सत्ता में हैं, चाहे भाजपा के साथ या फिर राजद के समर्थन से। लेकिन इस बार उन्होंने अचानक समाज के हर वर्ग में "चुनावी चुग्गे" बांटने की शुरुआत कर दी है। महिलाओं के लिए 10,000 रुपए की आर्थिक सहायता योजना इसका बड़ा उदाहरण है। बताया गया है कि अब तक 1.21 करोड़ महिलाओं के खातों में यह राशि भेजी जा चुकी है और चुनाव की प्रक्रिया के दौरान भी यह वितरण जारी रहेगा। सवाल यह उठता है कि जब आदर्श आचार संहिता लागू है, तो इस तरह की योजना कैसे जारी रह सकती है? सरकार का तर्क है कि इस योजना का चुनाव की घोषणा से पहले कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। परन्तु यह स्पष्ट है कि इस योजना का उद्देश्य महिलाओं के वोटों को प्रभावित करना है।बिहार में महिला मतदाता लगभग 3.49 करोड़ हैं और बीते कुछ वर्षों से यह देखा गया है कि महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा अधिक मतदान करती हैं। यही वजह है कि नीतीश कुमार उन्हें बार-बार अपने भाषणों में "हमारा ध्यान रखने" की अपील करते नजर आते हैं। यह मतदाता वर्ग वास्तव में नीतीश और भाजपा गठबंधन का मजबूत वोट बैंक बन चुका है। लेकिन यह सवाल भी अहम है कि क्या 10,000 रुपए बांट देना वास्तव में महिलाओं का सशक्तिकरण है? जब राज्य पर 3.61 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है और उसका कुल राजस्व केवल 59,520 करोड़ रुपए है, तो मुफ्त योजनाओं पर 37,000 करोड़ रुपए खर्च करना किस हद तक उचित कहा जा सकता है? बिहार में करीब 95 लाख परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे हैं। केवल 4 प्रतिशत लोगों की आय 50,000 रुपए या उससे अधिक है, जबकि 34 प्रतिशत से ज्यादा परिवार ऐसे हैं जो 6,000 रुपए मासिक आय भी नहीं जुटा पाते। राज्य में मात्र 6 प्रतिशत आबादी स्नातक है। शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब माफिया ने 50,000 करोड़ रुपए का अवैध कारोबार किया है और उससे जुड़े 14 लाख से अधिक मुकदमे अब भी लंबित हैं। दुपहिया वाहन रखने वालों की संख्या भी बेहद कम है, जो राज्य की आर्थिक स्थिति की झलक पेश करती है। इन परिस्थितियों में जब सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी महागठबंधन दोनों ही अपने घोषणापत्रों में मुफ्त योजनाओं की बारिश कर रहे हैं—जैसे बिजली मुफ्त देना, बेरोजगारी भत्ता, सामाजिक पेंशन, नए वकीलों को 5,000 रुपए मासिक भत्ता— तब यह सवाल उठता है कि क्या यह नीतियां बिहार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगी या केवल वोट जुटाने का साधन हैं? जो राज्य पहले से कर्ज में डूबा है और अतिरिक्त 44,000 करोड़ रुपए के कर्ज की व्यवस्था कर रहा है, वह इस तरह की "फ्री योजनाओं" से अपनी स्थिति कैसे सुधार पाएगा? बिहार की आर्थिक स्थिति लंबे समय से केंद्र सरकार की मदद पर निर्भर रही है।

मानसिक स्वास्थ्य है रोगमुक्त जीवन की मुस्कान

ललित गर्ग

प्रतिस्पर्धा, परीक्षा, करियर और परिवार की अपेक्षाएँ उन्हें उस स्तर तक पहुँचा रही हैं जहाँ असफलता आत्मघाती कदमों में बदलने लगी है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या करने वालों में सबसे बड़ी संख्या किशोरों और युवाओं की है। वे जीवन से नहीं, अपनी असफलता से भागना चाहते हैं, परंतु संवादहीनता, समझ की कमी और मानसिक परामर्श की अनुपलब्धता उन्हें अंधकार की ओर धकेल देती है। युवा जीवन में ऊर्जा और आशा के प्रतीक हैं, लेकिन जब उन पर अपेक्षाओं का बोझ हावी हो जाता है, तब वही ऊर्जा विनाशकारी रूप ले लेती है। परिवार और समाज को चाहिए कि वे उन्हें समझें, संवाद करें, उनके मन की सुनें, और उन्हें यह विश्वास दें कि असफलता अंत नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने का अवसर है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर वर्ष हमें यह सोचने का अवसर देता है कि मनुष्य का सबसे बड़ा धन उसका मन है, और जब मन अस्वस्थ होता है तो समूचा जीवन बिखर जाता है। इस वर्ष की थीम है संकट और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना। यह थीम प्राकृतिक आपदाओं या अन्य आपात स्थितियों के दौरान लोगों के मानसिक स्वास्थ्य की जरूरतों को पूरा करने और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने पर केंद्रित है, जो मानसिक स्वास्थ्य समर्थन तक पहुंच की बाधाओं को दूर करने और संकटग्रस्त लोगों के लिए प्रभावी सहायता तंत्र स्थापित करने के महत्व को रेखांकित करती है। आज दुनिया ऐसी परिस्थितियों से गुजर रही है जहाँ महामारी, युद्ध, आर्थिक संकट, सामाजिक अस्थिरता, बेरोजगारी और जलवायु परिवर्तन जैसी घटनाएँ लगातार मनुष्य के मन पर चोट कर रही हैं। इन आपदाओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य की समस्या एक मौन महामारी बन गई है। भारत में यह चुनौती और भी बड़ी है क्योंकि यहाँ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कम है और कलंक अधिक। मानसिक स्वास्थ्य दिवस सभी के लिए है-यह वर्ष के 365 दिन महत्वपूर्ण है, लेकिन 10 अक्टूबर दुनिया भर के सभी लोगों के लिए मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों पर शिक्षा और जागरूकता बढ़ाने हेतु एकजुट होने का एक अवसर है। यह सभी को अधिक समझ और सहानुभूति के माध्यम से अपने और दूसरों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

आज का युग आभासी दुनिया का युग है। मोबाइल, इंटरनेट, सोशल मीडिया और डिजिटल साधनों ने हमारे जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। आभासी संबंधों ने संवाद के नए मार्ग खोले हैं, परंतु भावनाओं की सच्चाई को खोखला कर दिया है। हम हर समय आभासी दुनिया से जुड़े रहते हैं, लेकिन भीतर से अत्यंत अकेले हो गए हैं। दूसरों के सुख और सफलता के प्रदर्शन से तुलना और हीनता की भावना बढ़ती जा रही है। इस निरंतर प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन ने लोगों के मन में चिंता, अवसाद और असंतोष को गहरा कर दिया है। सोशल मीडिया का अति प्रयोग मनुष्य को कल्पना और भ्रम की दुनिया में धकेल रहा है, जहाँ असली जीवन की सादगी और आत्मीयता खोती जा रही है। युवा पीढ़ी सबसे अधिक मानसिक दबाव में है।

प्रतिस्पर्धा, परीक्षा, करियर और परिवार की अपेक्षाएँ उन्हें उस स्तर तक पहुँचा रही हैं जहाँ असफलता आत्मघाती कदमों में बदलने लगी है। अनेक अध्ययन बताते हैं कि आत्महत्या करने वालों में सबसे बड़ी संख्या किशोरों और युवाओं की है। वे जीवन से नहीं, अपनी असफलता से भागना चाहते हैं, परंतु संवादहीनता, समझ की कमी और मानसिक परामर्श की अनुपलब्धता उन्हें अंधकार की ओर धकेल देती है। युवा जीवन में ऊर्जा और आशा के प्रतीक हैं, लेकिन जब उन पर अपेक्षाओं का बोझ हावी हो जाता है, तब वही ऊर्जा विनाशकारी रूप ले लेती है। परिवार और समाज को चाहिए कि वे उन्हें समझें, संवाद करें, उनके मन की सुनें, और उन्हें यह विश्वास दें कि असफलता अंत नहीं है, बल्कि आगे बढ़ने का अवसर है।

महिलाओं की स्थिति भी कम कठिन नहीं है। घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियों, सामाजिक बंधनों और लैंगिक भेदभाव ने उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहरे रूप से प्रभावित किया है। घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और सामाजिक असमानता की स्थितियाँ उन्हें भीतर से तोड़ देती हैं। फिर भी वे समाज की धुरी बनी रहती हैं। उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाना, उनके लिए सुरक्षित वातावरण और परामर्श की सुविधाएँ उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब महिलाएँ स्वस्थ और संतुलित मन से कार्य करेंगी, तभी समाज स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ सकेगा। इसी तरह वृद्धों का जीवन भी मानसिक स्वास्थ्य के मामले में अधिक जटिल होता जा रहा है। आत्महत्या की बढ़ती घटनाएँ एक चेतावनी हैं कि हम किसी बड़ी भूल के शिकार हैं। यह केवल व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे समाज का दर्पण है। जब कोई व्यक्ति यह मानने लगता है कि अब उसके जीवन का कोई अर्थ नहीं बचा, तब उसकी आत्मा में आशा का दीप बुझ जाता है। उसे बचाने के लिए आवश्यक है कि हम उसके पास जाएँ, उसकी बात सुनें, उसे यह एहसास दिलाएँ कि वह अकेला नहीं है। समाज, परिवार, शिक्षण संस्थान और सरकार सभी को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहाँ निराश व्यक्ति के लिए तुरंत सहायता उपलब्ध हो। मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ गाँव-गाँव तक पहुँचें, स्कूलों और कार्यस्थलों में परामर्श केंद्र स्थापित हों, यह समय की पुकार है।

नशा मानसिक अस्वास्थ्य का सबसे बड़ा सहचर बन चुका है। शराब, तंबाकू, मादक पदार्थ, यहाँ तक कि दवाओं के दुरुपयोग ने मनुष्य की चेतना को कुंद कर दिया है। नशा अस्थायी आनंद देता है, परंतु दीर्घकालिक विनाश का कारण बनता है। यह व्यक्ति की आत्मनियंत्रण शक्ति को नष्ट कर देता है, निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और अवसाद तथा आत्महत्या की प्रवृत्ति को बढ़ाता है। नशे की लत से ग्रस्त व्यक्ति समाज से कट जाता है और उसकी आत्मा में एक गहरा शून्य भर जाता है। इस समस्या का समाधान केवल दंड से नहीं, बल्कि संवेदनशील पुनर्वास और मानसिक परामर्श से संभव है। समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति शिक्षित करना और युवाओं को इसके जाल से बचाना हर घर की जिम्मेदारी होनी चाहिए। मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहे व्यक्ति को सबसे पहले आवश्यकता होती है आशा की। निराशा की अंधेरी सुरंग में यदि कोई हाथ थाम ले, यदि कोई मुस्कान दे दे, यदि कोई कह दे कि सब ठीक हो जाएगा, तो वही वाक्य जीवनदान बन सकता है। आत्महत्या की रोकथाम का आरंभ संवेदनशील संवाद से होता है। हमें अपने बच्चों, मित्रों, सहकर्मियों और परिवारजनों से यह रिश्ता बनाना होगा कि वे अपने मन की बात कह सकें, बिना किसी भय या लज्जा के।

आज का हर व्यक्ति तनावग्रस्त है। तनाव उनको होता है, जो निरंतर मन, वाणी और शरीर की प्रवृत्ति में लगे रहते हैं, विश्राम नहीं करते। यानी कि आज की भाषा में जो 'बिजी' रहते हैं। बिजी रहने की इस आदत ने जीवन में बहुत टेंशन पैदा किए हैं। जीवन में बिजी के साथ ईजी होना जरूरी है क्योंकि एक पहिए से रथ नहीं चलता। उसके लिए दोनों पहिए चाहिए। ज्ञान और ध्यान, काम और आराम- ये जीवन रूपी रथ के दो पहिए हैं। एक पहिए को निकाल देंगे तो रथ नहीं चलेगा। आज यही तो समस्या है और यही मानसिक अस्वास्थ्य की जड़ है। जीवन को एकांगी बनाया जा रहा है। इससे बहुत भारी समस्याएं पैदा हो रही हैं। मन की चंचलता का तो ज्यादा से ज्यादा इंतजाम किया जा रहा है, पर उसे स्थिर बनाने का कोई उपाय नहीं किया जा रहा है। समस्या स्थिरता में नहीं, चंचलता में होती है। बाहर का खोल जितना भी मजबूत हो, भीतर को साधे बिना चंचलता कम नहीं होती। ये भीतर की गांठें देर-सबेर उलझा ही देती हैं।

आज आवश्यकता है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता समझें। शरीर की बीमारी के लिए जैसे हम डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही मन की पीड़ा के लिए भी विशेषज्ञ सहायता लेना सामान्य बने। मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को विद्यालयों में जोड़ा जाए, परामर्श केंद्रों को सशक्त किया जाए, और हर नागरिक को यह संदेश दिया जाए कि सहायता लेना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का प्रतीक है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं, बल्कि चेतना का पर्व है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज का आधार है। हमें निराशा से आशा की ओर, अकेलेपन से अपनत्व की ओर और अस्वस्थता से संतुलन की ओर बढ़ना है। मनुष्य की सबसे बड़ी ताकत उसका मन है, और जब मन शांत, स्थिर और प्रसन्न होगा, तभी जीवन भी सुंदर होगा। इसलिए आइए, हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने और दूसरों के मन की सेहत का ध्यान रखेंगे, संवाद करेंगे, सहयोग करेंगे और हर उस व्यक्ति के लिए आशा का दीप जलाएँगे जो अंधेरे में भटक रहा है। यही इस दिवस का सच्चा संदेश और जीवन का शाश्वत सार है।

इतिहास में आज का दिन

9 अक्टूबर का दिन विश्व और भारत, दोनों के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है। यह तिथि राजनीति, समाज, विज्ञान, साहित्य और संस्कृति के अनेक पहलुओं को अपने भीतर समेटे हुए है। इस दिन घटी घटनाओं ने न केवल अपने समय की दिशा बदली, बल्कि आने वाले वर्षों में भी उनका प्रभाव गहराई से महसूस किया गया।भारत के संदर्भ में 9 अक्टूबर का सबसे प्रमुख महत्व "विश्व डाक दिवस (World Post Day)" के रूप में जाना जाता है।9 अक्टूबर 1874 को स्विट्जरलैंड के बर्न शहर में "यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (UPU)" की स्थापना हुई थी। इस संगठन ने विश्व के सभी देशों की डाक सेवाओं को एक सूत्र में पिरो दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय डाक प्रणाली अधिक संगठित और सुलभ बनी। बाद में 1969 में टोक्यो में आयोजित यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस घोषित किया गया। भारत में भी यह दिन बड़ी श्रद्धा और गर्व के साथ मनाया जाता है। भारतीय डाक सेवा विश्व की सबसे बड़ी डाक सेवाओं में से एक है, जो न केवल पत्रों का आदान-प्रदान करती है, बल्कि देश के सुदूर इलाकों में बैंकिंग, बीमा और वित्तीय सेवाएँ भी उपलब्ध कराती है।भारत के स्वतंत्रता संग्राम और प्रशासनिक इतिहास से जुड़ी कई घटनाएँ भी इस दिन के साथ दर्ज हैं। 9 अक्टूबर 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अनेक क्रांतिकारियों को गिरफ्तार किया गया था, जिनमें कई प्रमुख नेताओं के नाम शामिल थे। यह वह दौर था जब अंग्रेजी शासन के खिलाफ पूरे देश में जनआक्रोश चरम पर था।यदि अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें, तो 9 अक्टूबर 1967 का दिन क्यूबा के क्रांतिकारी नेता चे ग्वेरा की मृत्यु का प्रतीक है। बोलीविया की सेना ने इस दिन उन्हें पकड़कर मौत के घाट उतार दिया था। चे ग्वेरा 20वीं सदी के सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने क्रांति और समानता की लड़ाई को नई दिशा दी। उनकी मृत्यु के बाद वे एक प्रतीक बन गए—युवा विद्रोह, परिवर्तन और न्याय की चाह का। विज्ञान और तकनीक की दृष्टि से भी 9 अक्टूबर का दिन कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा रहा है। 1604 में इसी दिन आकाश में एक अत्यंत चमकीला सुपरनोवा दिखाई दिया, जिसे बाद में "केपलर सुपरनोवा" कहा गया। खगोल विज्ञान के इतिहास में यह घटना विशेष महत्व रखती है क्योंकि प्रसिद्ध वैज्ञानिक जोहान्स केपलर ने इसका विस्तृत अध्ययन किया था। इस अवलोकन ने अंतरिक्ष और तारों की संरचना को समझने की दिशा में नई संभावनाएँ खोलीं।साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में भी 9 अक्टूबर का स्थान विशिष्ट है। 1940 में इस दिन इंग्लैंड के प्रसिद्ध गायक और संगीतकार जॉन लेनन का जन्म हुआ था, जो "द बीटल्स" बैंड के संस्थापक सदस्य थे। जॉन लेनन ने संगीत के माध्यम से विश्वभर में शांति, प्रेम और मानवता का संदेश दिया। उनका गीत "इमैजिन" आज भी विश्व शांति का प्रतीक माना जाता है।इतिहास की एक और मार्मिक घटना 9 अक्टूबर 2006 को घटित हुई, जब उत्तर कोरिया ने अपना पहला परमाणु परीक्षण किया। इस कदम ने विश्व राजनीति में हलचल मचा दी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में परमाणु प्रसार को लेकर नई चिंताएँ उभर आईं। डाक सेवा से जुड़े सुधारों और डिजिटलीकरण के प्रयासों को इस तिथि के आसपास कई बार शुरू किया गया है। "इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक" जैसी योजनाएँ भारतीय डाक विभाग को केवल पत्र सेवा तक सीमित न रखकर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक अभिन्न हिस्सा बनाने में सहायक रही हैं।9 अक्टूबर का दिन यह भी याद दिलाता है कि संचार मानव सभ्यता की सबसे बड़ी शक्ति है। चाहे वह पत्रों के माध्यम से संदेश भेजना हो या आज के डिजिटल युग में ईमेल और सोशल मीडिया के जरिए संवाद करना — इस पूरी यात्रा की नींव डाक प्रणाली ने ही रखी थी। यही कारण है कि विश्व डाक दिवस केवल एक प्रशासनिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव समाज के जुड़ाव, संवेदनाओं और संबंधों का प्रतीक है।इतिहास के दर्पण में देखें तो 9 अक्टूबर हमें अनेक प्रेरणाएँ देता है। यह दिन सिखाता है कि संवाद, क्रांति और ज्ञान — तीनों ही मानव सभ्यता की प्रगति के आधार हैं।

समसामयिक

ऋषभदेव शर्मा

वे भी तो मतदाता हैं : हिंदीभाषी हुए तो क्या !

यह ख़बर चौंकानेवाली तो है ही, चिंताजनक भी है कि हैदराबाद ज़िला चुनाव अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त ने हिंदी को तेलंगाना की राजभाषा न होने के कारण चुनाव की एक अनिवार्य प्रक्रिया से निष्कासित कर दिया है ! उन्होंने कहा है कि चुनाव प्रत्याशियों को अपना आपराधिक रिकॉर्ड केवल अंग्रेजी, तेलुगु या उर्दू भाषा के समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर ही प्रकाशित या प्रसारित करना होगा। उनका यह फ़रमान न केवल हिंदी की संवैधानिक स्थिति की समझ पर सवाल उठाता है, बल्कि भाषाई एकता के सिद्धांत को भी चुनौती देता है।

ग़ौरतलब है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 343 स्पष्ट रूप से कहता है कि भारत संघ की राजभाषा, देवनागरी लिपि में लिखित, हिंदी होगी। साथ ही, अनुच्छेद 345 राज्यों को अपनी राजभाषा चुनने की स्वतंत्रता देता है। तेलंगाना के मामले में, तेलंगाना ऑफिशियल लैंग्वेजेस एक्ट, 1966 के अनुसार, तेलुगु और उर्दू राज्य की आधिकारिक भाषाएँ हैं। अंग्रेजी का उपयोग भी सरकारी कार्यों में होता है। यहाँ यह याद दिलाना ज़रूरी है कि चुनाव आयोग एक अखिल भारतीय संस्था है, जिसकी राजभाषा हिंदी है। चुनाव अधिकारी आयोग के प्रतिनिधि होते हैं, न कि राज्य सरकार के। इसलिए, चुनावी प्रक्रिया में हिंदी को शामिल न करना अनुच्छेद 343 की अवहेलना है। यदि राज्य स्तर पर स्थानीय भाषाओं को प्राथमिकता दी जाती है, तो भी केंद्रीय दिशानिर्देशों के तहत हिंदी को वैकल्पिक रूप से अनुमति दी जानी चाहिए, खासकर जहाँ हिंदी बोलने वाली आबादी मौजूद हो। विडंबना देखिए कि प्रवासी भारतीयों को अमेरिका में भारतीय भाषा बांग्ला में मतपत्र की सुविधा दी गई है; और भारत के एक राज्य में चुनाव अधिकारी को हिंदी ग़ैर-ज़रूरी प्रतीत होती है !

कानूनी दृष्टि से देखें तो भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के दिशानिर्देशों में प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड की घोषणा के लिए 'क्षेत्र में व्यापक रूप से प्रसारित समाचार पत्रों' और टीवी चैनलों का उल्लेख है। इन दिशानिर्देशों में स्पष्ट रूप से भाषा की बाध्यता नहीं बताई गई है, बल्कि ज़ोर इस बात पर है कि जानकारी मतदाताओं तक पहुँचे। तेलंगाना में कई हिंदी समाचार पत्र और हिंदी चैनल व्यापक रूप से लोकप्रिय हैं।

ऐसे में आयुक्त का बयान संविधान और आयोग दोनों की भावना का उल्लंघन करता है, क्योंकि यह भाषाई भेदभाव को बढ़ावा देता है। याद रहे कि सुप्रीम कोर्ट भी उम्मीदवारों की आपराधिक पृष्ठभूमि की पारदर्शी घोषणा पर ज़ोर देता रहा है; लेकिन किसी भी भाषाई प्रतिबंध के बिना ! यदि हिंदी में प्रकाशन से मतदाताओं का एक वर्ग लाभान्वित होता है, तो इसे अस्वीकार करना कानूनी रूप से असंगत है। ईसीआई को इस पर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए, ताकि भाषाई विविधता का सम्मान हो और राज्य के भाषाई अल्पसंख्यकों को न्याय मिल सके !

दरअसल, यह केवल संवैधानिक और कानूनी मसला ही नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक पहलू भी बेहद अहम है। एक ओर तो हिंदी भारत की सबसे बड़ी भाषा है तथा दूसरी ओर तेलंगाना में लाखों हिंदीभाषी लोग रहते हैं, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और अन्य राज्यों से आए हैं। वे राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, लेकिन भाषाई उपेक्षा उन्हें अलग-थलग कर सकती है। यहाँ चुनाव आयोग को ऐसी मिथ्या धारणा को प्रश्रय देने से बचना चाहिए कि हिंदी तो 'उत्तर की भाषा' है ! उन्हें समझना चाहिए कि चुनावी प्रक्रिया में हिंदी को शामिल करना सांस्कृतिक समावेशिता को मजबूत करेगा।

इतना ही नहीं, सियासी नज़रिये से भी यह फ़रमान क्षेत्रीयतावाद और राष्ट्रीय एकीकरण के बीच टकराव को हवा देने वाला है। हिंदी की उपेक्षा से ईसीआई जैसी राष्ट्रीय संस्था की स्वायत्तता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अतः ईसीआई से अपेक्षा की जाती है कि वह क्षेत्रीय सियासी दबाव से मुक्त रहकर संविधान-सम्मत भाषा नीति को लागू करे।

विश्व डाक दिवस: पत्र, पार्सल और पीढ़ियों के रिश्तों का उत्सव

जब दुनिया की रफ्तार डिजिटल संदेशों, त्वरित सूचनाओं और स्क्रीन की चमक में उलझी हुई है, तब एक दिन ऐसा आता है जो हमें रुकने, ठहरने और उन पलों को याद करने का अवसर देता है, जब एक कागज का टुकड़ा, स्याही की कुछ बूंदें और किसी प्रियजन की लिखावट दिलों को जोड़ने का सबसे मजबूत जरिया बनती थी। 9 अक्टूबर, विश्व डाक दिवस, केवल डाक सेवाओं का उत्सव नहीं है; यह उन अनकही कहानियों, भावनाओं और मानवता के उस अटूट बंधन का सम्मान है, जो समय और दूरी की सीमाओं को लांघकर हमें एक-दूसरे के करीब लाता है।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि संचार केवल शब्दों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि दिलों का मिलन, आशा का संदेश और विश्वास का प्रतीक है। एक पत्र, जो किसी अनजान डाकिए के कंधों पर सवार होकर सुदूर गांवों, पहाड़ों या समुद्रों को पार करता है, वह केवल कागज नहीं, बल्कि एक कहानी, एक सपना और एक रिश्ता लेकर चलता है।

विश्व डाक दिवस की शुरुआत 9 अक्टूबर 1874 को हुई, जब स्विट्जरलैंड के बर्न में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यू.पी.यू.) की स्थापना हुई। इस संगठन ने विश्व भर की डाक प्रणालियों को एक सूत्र में बांधकर संचार को सरल और सुलभ बनाया। उस समय यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं थी। यह वैश्विक सहयोग का एक ऐसा प्रतीक था, जिसने देशों की भौगोलिक और सांस्कृतिक दूरी को पाटकर एक वैश्विक डाक नेटवर्क की नींव रखी। आज यू.पी.यू. के 192 सदस्य देश इस नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो हर साल अरबों पत्रों और पार्सलों को उनके गंतव्य तक पहुंचाता है। लेकिन इसकी कहानी केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह उन असंख्य लोगों की कहानी है, जिनके लिए डाकघर केवल एक इमारत नहीं, बल्कि आशा, अवसर और संवेदनाओं का केंद्र रहा है।

डाक सेवाओं का इतिहास मानव सभ्यता के विकास का एक अनोखा दस्तावेज है। भारत में डाक व्यवस्था की जड़ें प्राचीन काल तक जाती हैं, जब राजा-महाराजा अपने संदेशवाहकों के जरिए पत्र भेजते थे। लेकिन आधुनिक डाक प्रणाली की शुरुआत 1854 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई, जब भारत में पहली डाक टिकट जारी की गई। आज भारतीय डाक सेवा दुनिया की सबसे बड़ी डाक प्रणालियों में से एक है, जिसमें 1.55 लाख डाकघर हैं, जिनमें से 89% ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। ये डाकघर उन लाखों लोगों के लिए संचार का एकमात्र साधन हैं, जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन अभी भी एक सपना हैं। भारतीय डाक ने न केवल पत्रों को पहुंचाया, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारियों के संदेशों को गुप्त रूप से प्रसारित करने, ग्रामीण शिक्षा को बढ़ावा देने और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

डाक सेवाओं ने मानव इतिहास के सबसे कठिन दौर में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब दुनिया युद्ध की आग में जल रही थी, डाक सेवाओं ने सैनिकों और उनके परिवारों को जोड़े रखा। एक सैनिक का पत्र, जो खाइयों में लिखा गया और मीलों की दूरी तय करके उसके परिवार तक पहुंचा, वह केवल शब्दों का संग्रह नहीं था। वह पत्र आशा, प्रेम और जीवित रहने की प्रेरणा का प्रतीक था। आज भी, प्राकृतिक आपदाओं और महामारियों के समय, जब अन्य संचार साधन ठप हो जाते हैं, डाक सेवाएं निर्बाध रूप से काम करती हैं। 2020 की कोविड-19 महामारी के दौरान, भारतीय डाक ने दवाइयों, आवश्यक सामग्रियों और सरकारी सहायता को दूरदराज के क्षेत्रों तक पहुंचाया, जिसने लाखों लोगों के लिए जीवन रेखा का काम किया।

विश्व डाक दिवस केवल अतीत की गौरव गाथा नहीं गाता, बल्कि डाक सेवाओं के बदलते स्वरूप को भी रेखांकित करता है। आज डाकघर केवल पत्र और पार्सल तक सीमित नहीं हैं। भारत में डाक विभाग ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आई.पी.पी.बी.) के जरिए वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां बैंकिंग सुविधाएं दुर्लभ हैं, डाकघर बचत खाते, बीमा और डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं। इसके अलावा, डाक सेवाएं ई-कॉमर्स के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी करके भारतीय डाक ने ग्रामीण और शहरी भारत को जोड़ा है, जिससे छोटे व्यवसायों और स्थानीय कारीगरों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का मौका मिला है। डाक टिकटें भी विश्व डाक दिवस का एक अनूठा पहलू हैं। ये छोटे-छोटे कागज के टुकड़े केवल भुगतान का साधन नहीं हैं, बल्कि संस्कृति, इतिहास और विज्ञान की कहानियां बयां करते हैं। भारत ने हाल के वर्षों में पर्यावरण संरक्षण, अंतरिक्ष अनुसंधान, और स्वतंत्रता सेनानियों जैसे विषयों पर टिकटें जारी की हैं। ये टिकटें न केवल संग्रहकर्ताओं के लिए मूल्यवान हैं, बल्कि नई पीढ़ी को इतिहास और संस्कृति से जोड़ने का एक माध्यम भी हैं। विश्व डाक दिवस पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनियां और प्रतियोगिताएं बच्चों और युवाओं को डाक सेवाओं के महत्व से परिचित कराती हैं।

दूरदराज के क्षेत्रों में डाक सेवाओं की भूमिका और भी अनोखी है। अंटार्कटिक और आर्कटिक जैसे क्षेत्रों में, जहां मानव जीवन की उपस्थिति सीमित है, डाक सेवाएं वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं तक आवश्यक सामग्री पहुंचाती हैं। उदाहरण के लिए, अंटार्कटिक में भारत के डाकघर, जो दुनिया के सबसे दुर्गम डाकघरों में से एक है, वहां कार्यरत वैज्ञानिकों के लिए संचार का एकमात्र साधन है। यह दिखाता है कि डाक सेवाएं केवल सुविधा नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक आवश्यकता हैं। विश्व डाक दिवस का सबसे गहरा संदेश भावनाओं और रिश्तों में छिपा है। एक हस्तलिखित पत्र, एक जन्मदिन कार्ड, या एक शादी का निमंत्रण—ये सभी छोटी-छोटी चीजें हमारे जीवन की सबसे कीमती यादें बन जाती हैं। डिजिटल संदेशों की दुनिया में, जहां संदेश सेकंडों में पहुंच जाते हैं, एक पत्र की प्रतीक्षा में जो मिठास और उत्साह है, वह आज भी बेजोड़ है। विश्व डाक दिवस हमें यह सिखाता है कि तकनीक भले ही हमें तेजी दे, लेकिन सच्चा संचार भावनाओं और धैर्य में बसता है।

9 अक्टूबर केवल एक तारीख नहीं है। यह एक ऐसा दिन है, जो हमें याद दिलाता है कि डाक सेवाएं केवल पत्र और पार्सल नहीं पहुंचातीं, बल्कि वे आशा, विश्वास और मानवता का संदेश भी पहुंचाती हैं। यह दिन हमें यह भी सिखाता है कि चाहे दुनिया कितनी भी बदल जाए, कुछ चीजें—जैसे एक प्रियजन का पत्र, डाकिए की घंटी, और डाकघर की वह पुरानी खुशबू—हमेशा हमारे दिलों में जिंदा रहेंगी। विश्व डाक दिवस हमें यह एहसास दिलाता है कि संचार का असली जादू तकनीक में नहीं, बल्कि उन भावनाओं में है, जो समय और दूरी को पार करके हमें एक-दूसरे के करीब लाती हैं।

प्रो. आरके जैन

सांसद एवं मा. विधायक खेल स्पर्धा 2025-26 के आयोजन हेतु बैठक सम्पन्न

खेल स्पर्धा के आयोजन में "मिशन शक्ति 5.0" के अंतर्गत महिला एवं बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी की जाए सुनिश्चित

नेशनल एक्सप्रेस उत्कर्ष सिंह

कानपुर देहात में खेल विभाग एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा "मा. सांसद खेल स्पर्धा" एवं "मा. विधायक खेल स्पर्धा 2025-26" के सफल आयोजन की रूपरेखा तय करने हेतु मां मुक्तेश्वरी देवी कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देश के क्रम में बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर मा. विधायक भोगनीपुर विधानसभा के प्रतिनिधि, उपजिलाधिकारी भोगनीपुर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला क्रीड़ा अधिकारी, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी, ब्लॉक स्तर के युवा अधिकारी, तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में "मा. सांसद खेल स्पर्धा" एवं "मा. विधायक खेल स्पर्धा" के आयोजन हेतु विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन में पारदर्शिता, प्रतिभा चयन की निष्पक्ष प्रक्रिया एवं समान अवसर सुनिश्चित किए जाएं। प्रतिभाशाली युवाओं की खोज एवं प्रोत्साहन के उद्देश्य से प्रत्येक विकास खंड स्तर पर प्रतियोगिताएँ आयोजित कर चयनित खिलाड़ियों को जिला स्तर की स्पर्धा में सम्मिलित किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, टीम भावना, और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का माध्यम हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इन स्पर्धाओं के माध्यम से ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे जनपद में खेल संस्कृति को नई दिशा मिलेगी। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि "मिशन शक्ति 5.0" के अंतर्गत महिला एवं बालिकाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रत्येक खेल आयोजन में महिला खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी जाएगी तथा बालिकाओं को प्रोत्साहन एवं सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएँगी। सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे महिला एवं बालिका खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी वातावरण तैयार करें, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिताओं में भाग ले सकें।अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से इन स्पर्धाओं को जनपद स्तर पर खेल महोत्सव का रूप दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे माननीय सांसद एवं विधायकगण से नियमित संपर्क एवं समन्वय स्थापित करें, ताकि खेल आयोजन की तैयारी समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक पूर्ण की जा सके।

डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन हुआ

कानपुर, क्षत्रीय महिला समिति परिवार ने हर्षोल्लास के साथ भव्य डांडिया उत्सव का आयोजन किया यह आयोजन सांस्कृतिक रंगों, उमंग और उत्साह का जीवंत उत्सव बन गया। कार्यक्रम में बच्चे और महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर डांडिया खेला वही मैंने पायल है छनकाई, चौगाड़ा थारा ढोल बाजे सरीखे गीतों की बीच महिलाओं ने डांडिया में जमकर नृत्य किया। पूरे स्थल पर रोशनी, संगीत और तालियों की गूंज ने माहौल को और भी मनमोहक बना दिया। इस अवसर पर सभी ने हाऊजी खेला एवं अतिथियों ने उत्सव के दौरान स्वादिष्ट व्यंजनों का भी भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन समिति की महामंत्री निर्मला सिंह ने किया एवं उत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्याओं ने सहयोग एवं समर्पण का परिचय दिया वही इस अवसर पर अध्यक्षा आशा सेंगर, सदस्य विजय लक्ष्मी सिंह, चंद्रा प्रभा चंदेल, शोभा सिंह, मंजुला सिंह, अंशुका सिंह, प्रमिला सिंह, निशा सिंह, डॉ. जुगनू सिंह, मनीषा सिंह, मिथिलेश, किरन भदौरिया, कृष्णा सेंगर सहित आदि मौजूद रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ

कानपुर विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रो. एच. एन. मिश्रा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एवं इंटरनेशनल सेंटर इंग्लिश स्कूल के अध्यक्ष सुष्मित मिश्रा की प्रेरणा से भव्य ''पूर्व कुलपति प्रो.एच.एन मिश्रा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान'' समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गत वर्ष की भांति विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य/प्राचार्या एवं शिक्षकों को ''पूर्व कुलपति प्रो.एच.एन मिश्रा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार 2025'' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक महेश त्रिवेदी, श्री प्रकाश पाल क्षेत्रीय अध्यक्ष कानपुर बुन्देलखण्ड क्षेत्र, नीतू सिंह, सचिव, प्रबन्ध समिति, वी.एस.एस.डी. कालेज, कानपुर नगर, प्रो. अनूप सिंह, प्राचार्य, पी.पी.एन. कालेज, कानपुर नगर, शैलेंद्र द्विवेदी, प्रदेश संयोजक, उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षक संघ, डॉ उमेश पालीवाल जी (निर्देशक पालीवाल डायग्नोस्टिक), पूजा सहगल जी (प्रधानाचार्या, के०के० पब्लिक स्कूल) अन्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी और अध्यक्ष महोदय सुष्मित मिश्रा एवं प्राचार्य प्रो. (डा0) मनोज कुमार प्रजापति इंटरनेशनल सेंटर इंग्लिश स्कूल की प्रधानाचार्या सुमालिका प्रभात, के प्रयासों की सराहना की। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के अध्यक्ष द्वारा अंग वस्त्र, पुष्प पौध एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अध्यक्ष महोदय द्वारा पूर्व कुलपति प्रो.एच.एन मिश्रा जी के विषय में विस्तार से परिचित कराया। कार्यक्रम का संचालन नीरज कुमार चौधरी एवं साफिया रशीद द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान व जलपान के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका मृदु चैहान, कार्यक्रम संयोजक।

कारागार में निरूद्ध पुरुष बंदियों हेतु चलाये गये "इलेक्ट्रीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम" का रिबन काट कर शुभारम्भ किया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

जिला कारागार कानपुर देहात में निरूद्ध बंदियों हेतु ₹कौशल विकास कार्यक्रम₹ के अन्तगत सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिमांशु कुमार तथा पुलिस अधीक्षक, श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की उपस्थिति में दीक्षालय फाउंडेशन, कानपुर के तत्वाधान में बन्दियों को आत्मनिर्भर बनाने एवं उनके पुनर्वास हेतु कार्यक्रम का भव्य शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम महिला बैरक में पुलिस अधीक्षक, श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय द्वारा महिला बंदियों हेतु चलाये गये ₹सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम₹ का रिबन काट कर शुभारम्भ किया गया तथा कार्यक्रम के माध्यम से महिला बंदियों को रिहाई पश्चात आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया तथा महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को गिफ्ट वितरित किया गया।

इसके पश्चात सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हिमांशु कुमार द्वारा कारागार में निरूद्ध पुरुष बंदियों हेतु चलाये गये ₹इलेक्ट्रीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम₹ का रिबन काट कर शुभारम्भ किया तथा बंदियों को आत्मनिर्भर बना कर समाज से जोड़ने हेतु दीक्षालय फाउंडेशन को चलाये जाने वाले कार्यक्रमों के लिये प्रशंसा व्यक्त की। इसी दौरान दीक्षालय फाउंडेशन के प्रबन्धक द्वारा मोमन्टों भी प्रदान कर स्वागत किया गया।

कल्याणपुर स्थित गोल्डसिटी अस्पताल के चिकित्सकों की लापरवाही से गई ढाई साल के मासूम की जान

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर शिवराजपुर थाना क्षेत्र के रामान गांव के पास ट्रैक्टर से हुए हादसे में बच्चा घायल हो गया था। वही जब तत्काल पुलिस को सूचना देने के बाद पल परिजनों द्वारा बच्चे को इलाज के लिए गोल्ड सिटी हॉस्पिटल लाया गया था तो अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा इलाज़ में लापरवाही दिखी जिसके चलते घायल बच्चे की मृत्यु हो गई। गुस्साए परिजनों का आरोप है कि इतने गंभीर मामले में भी चिकित्सकों ने चार घंटों से भी ज़्यादा अधिक समय तक बच्चे का इलाज शुरू नहीं किया था, जिसके कारण बच्चे की मृत्यु हो गई।कल्याणपुर क्षेत्र में स्थित गोल्ड सिटी हॉस्पिटल में चिकित्सक की लापरवाही के चलते ट्रैक्टर चालक की लापरवाही के कारण ट्रैक्टर से दुर्घटना घटित हुई, जिसमें घायल ढाई साल के मासूम बच्चे की मौत हो गई। परिजनों के हंगामा करने पर और क्षेत्रीय पुलिस के पहुंचने पर अस्पताल का सारा स्टॉफ फरार हो गया।परिजनों ने आरोप लगाया है कि मंगलवार दोपहर दो बजे से लेकर रात आठ बजे तक बच्चे का इलाज अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा शुरू ही नहीं किया गया था। जिसके कारण बच्चे की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर कल्याणपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के पहुंचते ही गोल्ड सिटी हॉस्पिटल का सारा स्टॉफ अस्पताल छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस प्रशासन की कार्यवाही जारी रही तो वहीं पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में ले लिया और थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मिशन शक्ति विशेष अभियान के पांचवे चरण के तहत नवजात कन्याओं का मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

कानपुर देहात शासन के प्रदत्त निर्देशों एवं जिलाधिकारी कपिल सिंह के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान एवं बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत प्रदेश में आज 08.10.2025 को कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन महिला जिला चिकित्सालय कानपुर देहात में मा0 राज्यमंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती प्रतिभा शुक्ला जी की गरिमामयी उपस्थिति में जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा महोदया को पुष्पगुच्छ देकर कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सालय में जन्मी 14 नवजात बालिकाओं का केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया जिसमें बालिकाओं की माताओं कों बालिकाओं की देखरेख हेतु बेबी किट वितरित की गयी। साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु ''एक वृक्ष मां के नाम'' थीम पर बालिकाओं की माताओं को एक- एक पौधा देकर वृक्षारोपण के लिये प्रोत्साहित किया गया, मा0 राज्यमंत्री जी द्वारा अपने उद्बोधन कन्या जन्मोत्सव का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या को रोकना, समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, बालिकाओं के जन्म को लेकर सकारात्मक सोच विकसित करना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना है। इन कार्यक्रमों के तहत नवजात बालिकाओं और उनके परिवारों का सम्मान किया जाता है, ताकि समाज बेटियों के प्रति सम्मान और महत्व की भावना बढ़ेए जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य), बाल विवाह रोकथाम एवं बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के दौरान आपातकालीन टोल फ्री नं0 जैसे 181, 1090, 112, 1098, 1076,1930 आदि के बारें मे भी जानकारी दी गई साथ ही कन्या भ्रूण हत्या रोकने हेतु कार्यक्रम में उपस्थित लोगो को शपथ दिलाई गई।

स्थायी लोक अदालत कानपुर देहात की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार अपर जिला जज/नामित सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर देहात द्वारा अवगत कराया है कि टी.बी.आर. भवन में संचालित स्थायी लोक अदालत, कानपुर देहात के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।स्थायी लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य जनउपयोगी सेवाओं तथा यात्रियों/आम जन द्वारा सड़क, जल या वायु मार्ग से लाने-ले जाने की प्रक्रिया, सार्वजनिक सफाई, विद्युत, जल आपूर्ति, परिवहन, डाक, टेलीफोन, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आदि।

सक्षम नारी अभियान एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत 'एनीमिया मुक्त कानपुर नगर अभियान' का शुभारंभ

नेशनल एक्सप्रेस

कानपुर नगर, "सक्षम नारी अभियान" एवं "मिशन शक्ति 5.0" के अंतर्गत 'एनीमिया मुक्त कानपुर नगर अभियान' का भव्य शुभारंभ आज एस.एन. सेन बालिका इंटर कॉलेज से हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि कानपुर नगर के प्रथम ऐतिहासिक बालिका इंटर कॉलेज से इस अभियान का शुभारंभ होना अत्यंत सौभाग्य की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय में एक साथ 1500 बालिकाओं का अध्ययन करना और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना गर्व की बात है।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं को एनीमिया के कारणों, लक्षणों और बचाव उपायों के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें जागरूक करते हुए संदेश दिया कि वे अपने परिवार और आस पास में रहने वाली महिलाओं बच्चियों को बताए ताकि सम्पूर्ण समाज में एनीमिया के प्रति जनजागरूकता हो सके। इस अवसर पर विद्यालय की 1500 छात्राओं को आयरन एवं फोलिक एसिड की गोलियाँ (IFA Tablets) वितरित की गईं।

यह अभियान जिले की किशोरी बालिकाओं और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारीगण, विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

वृष : बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्घ कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी।

मिथुन : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

सिंह : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मङ्कषचतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी।

कुम्भ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्घिमानी होगी।

मीन : लाभ में आशातीत वृद्घि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

मिशन शक्ति फेज़-5.0 द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम

डी के सिंह

कानपुर सशक्त नारी – समृद्ध समाज" के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन के विषय में हेल्पलाइन नंबर 1090 ,1076, 1098, 112, 181,102, 108, 1930 आदि नंबरों* की जानकारी दी जा रही है तथा सोशल मीडिया पर सतर्क रहने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है।बल्कि यह भी बताया गया कि किस प्रकार छात्राएँ ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकती हैं और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक प्रेरणादायक और सराहनीय पहल रहा है। वहीं गुजैनी थाना में एक दिन की थाना अध्यक्ष इंटर की छात्रा मृदुल सचान गुजैनी थाना प्रभारी बनाई गई व अमरनाथ विश्वकर्मा ने बुक भेट कर स्वागत किया।

गुजैनी थाने में बुधवार को एक दिन की थानेदार के थाना प्रभारी बन इंटर की छात्रा मृदुल सचान एक्शन में दिखाई दी। थाना गुजैनी में महिला संबंधित तीन फरियादियों की सुनवाई करते हुए पीड़ित को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया व बोली जो भी प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ आरोपियों पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।केडीएमए स्कूल की छात्रा मृदुल सचान को एक दिन का थानेदार बनाया गया थाना प्रभारी अमरनाथ विश्वकर्मा द्वारा थाने का निरीक्षण कराया गया, छात्रा मृदुल सचान को चार्ज दिया उन्होंने पीड़ितों की सुनवाई की इस दौरान गुजैनी निवासी महिला का ऑटो में जाते वक्त सामान छूट गया था जिसकी शिकायत करने महिला गुजैनी थाने पहुंची वही दूसरा मामला पति-पत्नी के आपसी विवाद को भी संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्रवाई के लिखित आदेश दिए वही एक आपसी लड़ाई झगड़े के मामले को भी संज्ञान में लेते हुए नई थानेदार ने उनकी सुनवाई कर कार्रवाई का आश्वासन दिया इस दौरान मिशन शक्ति केंद्र के कानपुर केडीयमए स्कूल की कई छात्राएं भी शामिल रही सभी को महिला हेल्प और मुख्य बिंदुओं जैसे बंदीग्रह मलखाना लेखाकार कार्यालय की जानकारी दी गई मृदुल सचान के पिता बिजनेसमैन है।

आत्मनिर्भर भारत बनाने में स्वदेशी की भूमिका होगी अहम

नेशनल एक्सप्रेस डी के सिंह

उन्नाव।आत्मनिर्भर भारत बनाने में स्वदेशी की भूमिका होगी अहम आत्मनिर्भर के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करेंगे। यह बात भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने भाजपा कार्यालय उन्नाव में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही। श्रद्धेय पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के दिन भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान का शुभारंभ हुआ था जो भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर तक चलेगा। उन्होंने आगे कहा आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान का उद्देश्य देश के हर नागरिक को स्वदेशी से जोड़ना है ताकि यह जन आंदोलन बने और भारत को आत्मनिर्भर बनाने का संदेश घर-घर तक पहुंचे। इस दौरान हर घर से स्वदेशी को जोड़ते हुए विभिन्न माध्यमों से 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया जाएगा। हमारा नारा है - 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी'। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों से प्रार्थना की है कि जो भी वस्तु खरीदी जाए, वह भारत में निर्मित होनी चाहिए। स्वदेशी अभियान में नागरिकों से हर घर जाकर स्टिकर लगाने और स्वदेशी उत्पाद खरीदने का संकल्प लेने का आह्वान किया जाएगा। यह अभियान आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' के संदेश के लिए टी-शर्ट, डायरी, पटका, स्टैंड, कप आदि का प्रयोग किया जाएगा। दुकानदारों से निवेदन किया जाएगा कि वे अपने स्टोर्स में स्वदेशी कार्नर स्थापित करें और स्थानीय निकायों के माध्यम से अनुरोध किया जाएगा कि वे लोकल उत्पादों का उपयोग करें और उनका प्रचार करें।

विश्व में एकमात्र नेता नरेंद्र मोदी हैं जिनको विश्व के 25 से अधिक देशों ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। एक ऐसे नेता हैं जिनके जनप्रतिनिधि रहते 25 वर्षों में एक रुपए का आरोप नही लगा उनका नाम नरेंद्र मोदी है। ऐसे व्यक्तित्व वाले व्यक्ति सौ वर्षो में जन्म लेते हैं।

योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश में बेरोजगारी दर घटी है। सड़को का जाल बिछा डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है एयरपोर्ट्स की संख्या बढ़ी है। इंफ्रास्ट्रक्चर विश्वस्तरीय हो रहा है। 22 लाख 13 हजार लड़कियों की शादी कन्या सुमंगला योजना से हुई। हैंडीक्राफ्ट लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना उत्तर प्रदेश में हुई है। उत्तर प्रदेश की जीडीपी देश दूसरे स्थान पर है। पूर्व की समाजवादी पार्टी की सरकार में उत्तर प्रदेश में जंगलराज था अखिलेश यादव की सरकार में प्रदेश दंगा प्रदेश बन गया था।अपहरण का केंद्र था। माफिया चरम पर थे। बिजली आती नहीं थी। सड़क में गड्ढे थे गड्ढे में सड़क थी। अपराधियों को संरक्षण प्राप्त था। इस कार्यकाल को जनता याद रखेगी। अरुण सिंह ने आगे कहा राहुल गांधी को कोई गंभीरता से नहीं लेता देश की जनता उनको नकार चुकी है राहुल गांधी झूठ बोले में माहिर हैं मुद्दों से भटके रहते हैं नकारात्मकता उनके मन अंदर भरी हुई है।राहुल गांधी झूठ बोलने वालों के सरदार हैं। बिहार में प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनेगी। आई लव मोहम्मद पर कहा सबको अपनी बात कहने का अधिकार है नारा लगाने का अधिकार है लेकिन कानून व्यवस्था का ध्यान रखना चाहिए।कानून व्यवस्था खराब करने वालों पर कार्यवाही होगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसा पवित्र और समाज सेवी संगठन इस देश में दूसरा नहीं है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री, सांसद एवं भाजपा मुख्यालय प्रभारी श्री अरुण सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय उन्नाव में प्रेस वार्ता को संबोधित किया आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भाजपा द्वारा चलाए जा रहे आत्मनिर्भर भारत' और 'हर घर स्वदेशी' अभियान के बारे में जानकारी दी।

अटल आवासीय विद्यालय का सीडीओ ने विद्यालय पहुंचकर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया

कार्य पूर्ण कराने के लिये अधिशासी अभियन्ता को निर्देश दिये गये

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी द्वारा बिलारी तहसील के अंतर्गत ग्राम पीपली स्थित अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय मुख्य पैनल से गर्ल्स हॉस्टल तक जाने वाला इलैक्ट्रिक केबल खराब पाया गया, गर्ल्स हास्टल में ट्रिपिंग की समस्या पायी गयी। स्कूल के एकेडमिक ब्लाक के रिसेप्शन एरिया में वॉल फैन अभी तक नहीं लगे है, फिजिक्स एवं कैमिस्ट्री लैब तथा ट्यूटोरियल रूम में वायरिंग का कार्य पूर्ण नहीं है। इसके सम्बन्ध में अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया कि कॉन्ट्रैक्टर से उक्त कार्य पूर्ण करायें।

फुटबाल, बास्केटबॉल, बैडमिन्टन ग्राउण्ड का कार्य अपूर्ण पाया गया। स्टाफ क्वाटर एवं कुछ अन्य जगहों पर सीवर लाईन का कार्य अपूर्ण पाया गया। इस कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिये गये। प्ले ग्राउण्ड की साफ-सफाई तथा विद्यालय एवं हॉस्टल परिसर में फॉगिंग कराने के लिये मौके पर उपस्थित जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया।

एमओआईसी बिलारी को निर्देश दिये गये कि बच्चों की नियमित अन्तराल पर जॉच करते रहें तथा विशेष रूप से छात्राओं की जॉच कर एनिमिया व आयरन आदि की कमी पाये जाने पर उन्हे आवश्यक दवायें भी उपलब्ध करायें। खाद्य सुरक्षा अधिकारी को प्रत्येक पन्द्रह दिन में विद्यालय मैस एवं खाद्य सामग्री का निरीक्षण करने तथा आवश्यकतानुसार सैंपलिंग करने के लिये भी निर्देशित किया गया। उप जिलाधिकारी, बिलारी को विद्यालय का नियमित निरीक्षण करने व पुलिस की रात्रि गश्त सुनिश्चित कराने के लिये निर्देशित किया गया। प्रधानाचार्य अटल आवासीय विद्यालय को हाई स्कूल की बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो रहे बच्चों की विशेष तैयारी कराने के लिये निर्देशित किया गया। सहायक श्रम आयुक्त को छात्रावास में गीजर तथा आने वाली सर्दियों के लिये कम्बल आदि की पर्याप्त व्यवस्था तथा मैस, सिक्योरिटी एजेन्सी द्वारा दी जा रही सेवाओं एवं पीने के पानी आदि का समुचित पर्यवेक्षण किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय उप जिलाधिकारी, बिलारी, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी, जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी बिलारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सहायक श्रम आयुक्त, अधिशासी अभियन्ता, विद्युत आदि उपस्थित रहे।

टेम्पो ट्रेक्स, विद्युत पोल से टकराई, चालक की मौत, दर्जन से ज्यादा घायल

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

फरह। सिलीगुड़ी(पश्चिम बंगाल) निवासी यात्री आगरा, मथुरा, लखनऊ सहित अन्य जगह घूमने आए थे, मंगलवार को आगरा से बरसाना ट्रैवल बस, टेम्पो ट्रेक्स से मथुरा जा रही बस फतिहा फ्लाईओवर पर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। यात्री घायल हो गए। घटना में चालक की मौत हो गई। बस में सवार यात्री मथुरा जा रहे थे। सिलीगुड़ी(पश्चिम बंगाल) से 27 लोग अलग अलग जगह से ब्रज में घूमने आए थे। वे सभी आगरा का ताजमहल देखकर राधारानी मंदिर बरसाना जा रहे थे। पर्यटकों से भरी बस अभी फरह के फतिहा फ्लाईओवर पर पहुंची थी। तभी बस का संतुलन बिगड़ गया और बस विद्युत पोल से टकरा गई। इसके बाद डिवाइडर से टकराकर हाइवे पर पलट गई। दुर्घटना इतनी तीव्र थी कि चालक सतीश कुमार पुत्र पन्ना लाल निवासी किशोरपुरा वृंदावन की मौके पर ही मौत हो गई। बस में बैठी 27 सवारियां घायल हो गईं। घायलों को फराह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर दाखिल कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ को गंभीर हालत में जिला अस्पताल और कुछ मरीजों को मथुरा जिला अस्पताल रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलने पर उप जिला अधिकारी सदर अभिनव जे जैन पहुंच गए और घायलों से मुलाकात कर मदद का भरोसा दिया। पंडित दीन दयाला सामुदायिक हॉस्पिटल के केंद्र अधीक्षक डॉ रामबीर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

घटना में सुरक्षित बची युवती उन्नना बुन ने बताया कि हम सब सो रहे थे। तेज धमाका हुआ, तबतक सब पीड़ा से कराह रहे थे। केंद्र अधीक्षक डॉ रामबीर सिंह ने बताया कि मानसी पात्रा,पोटिमा धनपति,अनन्या सस्मल, स्वप्न कुमार घोर,हारा सस्मल, देवजानी सरकार,मालती मंडल, अशोक कुमार मंडल,मधु माझे,अनुबा सेन,रिक्ता मैती,तापसी मैती,गोबिंद मैती, दशरथ, माधबी माझी,मालती,अनन्या घोरई,अनुपा ससमल,मधु मंगल,भारत, सेनापति,चंदना पंडित आदि घायल ओर शोमन पात्रा,गीता रानी,मिनोति जान,उज्जवल चक्रवर्ती,पदौराणी मांझी नाम के यात्री गंभीर घायल हुए हैं। उन्हें रेफर किया गया है।

पराली प्रबंधन के प्रति जागरूकता अभियान की शुरुआत

नेशनल एक्सप्रेस अरशद

मुरादाबाद। जिलाधिकारी अनुज सिंह एवं एडीएम वित्त श्रीमती ममता मालवीय द्वारा पराली प्रबंधन के प्रति जागरुकता हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट मुरादाबाद से रवाना किया गया। प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर उप निदेशक कृषि संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि मैकेनाइजेशन फार इनसीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेजीड्यू योजना के अंतर्गत धान की पुआल, गन्ने की पत्तियां, फसल अवशेष को न जलाने एवं सडाकर खाद बनाये जाने हेतु कृषकों को जागरुक करने के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रचार वाहन को प्रत्येक विकास खंड में चलाया जायेगा तथा कृषकों को जागरुक किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व विभाग, कृषि विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त निगरानी टीम पराली प्रबंधन हेतु जनपद स्तर, तहसील स्तर एवं विकास खंड स्तर पर बनाई गई है।

पराली जलाये जाने की सैटेलाईट के माध्यम से सूचना प्रति दिन प्राप्त होती है, जिसमें अक्षांश, देशान्तर के साथ स्थल दिया रहता है, जिसके आधार पर कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी स्थलीय निरीक्षण करके आख्या देते है। पराली जलाये जाने पर 02 एकड तक 5000 रुपए, 02 से 05 एकड तक 10000 रुपए तथा 05 एकड से अधिक होने पर 30000 रुपए का जुर्माना लगाये जाने का प्राविधान है तथा कृषि विभाग की योजनाओं के लाभ से भी वंचित किया जा सकता है।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना की दी जानकारी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। मिशन शक्ति के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय सोनकपुर बिलारी में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केक काटकर किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चियों को उपहार और मिठाई वितरित की गई। इस दौरान महिला कल्याण सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, वन स्टॉप सेंटर तथा चाइल्डलाइन की कार्य प्रणाली और उनसे मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन 181 और आपातकालीन सेवा 112 के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। बच्चियों को विस्तारपूर्वक बतायाया गया कि कैसे इस नंबरों के द्वारा सहायता ले सकती हैं। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से मनोसामाजिक परामर्शदाता तनीषा दिवाकर, केस वर्कर युक्ति पांडे, अंशु चतुर्वेदी होमगार्ड, अध्यापक, अध्यापिका ,छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

बारिश से फसल नुकसान होने पर कृषक 72 घंटे के अन्दर दर्ज करें शिकायत

मुरादाबाद। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद मुरादाबाद में कुल 18324 केसीसी कृषक बीमित है और 64 गैर ऋणी कृषक बीमित हैं। जनपद में गत दिनों से बारिश हो रही है इसमें धान, उर्द एवं बाजरा के नुकसान होने की संभावना है, जिन कृषकों के द्वारा फसल बीमा कराया गया है उनका फसल का नुकसान हुआ तो वे टोल फ्री नम्बर 14447 पर अपनी शिकायत दर्ज करें। इसके साथ ही कृषक अपना प्रार्थना पत्र 7065514447 पर भेज सकते हैं। इसके अतिरिक्त कृषक बंधु कृषि पोर्टल और हेल्पलाइन पर जाकर भी अपनी शिकायत स्वयं पोर्टल के माध्यम से कर सकते हैं।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिलाओं,बालिकाओं को हेल्पलाइन नं के बारे में किया जागरूक

मुरादाबाद। बुधवार को मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 के अंतर्गत चल रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत ठाकुरद्वारा पुलिस ने महिलाओं व बालिकाओं के साथ गोष्टी कर सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जिसमें विधवा पेंशन योजना, वृध्दावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना , प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना आदि से अवगत कराया गया। एवं महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे धार्मिक स्थल पर महिला हेल्पलाइन नंबर, वूमेन पावर लाइन 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवा 102,108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर क्राइम 1930, आदि के बारे में जागरूक किया गया तथा साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी गई व पंपलेट वितरण किए गए।

09 से 18 अक्टूबर तक पंचायत भवन परिसर में आयोजित होगा स्वदेशी मेला

मुरादाबाद। जिले में 09 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक 10 दिवसीय स्वदेशी मेला आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने सभी विभागों को विभागीय योजनाओं से आमजन को जोड़ने तथा व्यापक प्रचार प्रचार प्रचार के दृष्टिकोण से स्टॉल लगाने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। 09 अक्टूबर से 18 अक्टूबर तक पंचायत भवन मुरादाबाद परिसर में उत्तर प्रदेश ट्रेड शो 2025 के अंतर्गत स्वदेशी मेला आयोजित कराने के संबंध में शासन स्तर से निर्देशित किया गया है।

वृंदावन में हुआ अध्यात्म के दो सितारों का मिलन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

वृंदावन। बुधवार को ब्रजभूमि के दो प्रमुख संतों का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रसिद्ध संत कार्षिणी गुरु शरणानंद बुधवार को संत प्रेमानंद महाराज से मिलने वृंदावन स्थित केली कुंज आश्रम पहुंचे। संत प्रेमानंद महाराज ने जैसे ही अपने प्रिय गुरु स्वरूप शरणानंद महाराज को देखा, वे अपनी गद्दी छोड़कर कुटिया के द्वार तक पहुंचे और दंडवत प्रणाम किया। भावविह्वल प्रेमानंद महाराज की आंखों से अश्रुधारा बह निकली। गुरु शरणानंद महाराज ने उन्हें गले लगाकर आशीर्वाद दिया। प्रेमानंद महाराज ने उन्हें अपने आसन पर बिठाया और स्वयं नीचे बैठ गए। उन्होंने मंत्रोच्चारण के बीच शरणानंद महाराज के चरण पखारे और चरणों को अपने मस्तक से लगाया। इस दौरान आश्रम का वातावरण भावनाओं और भक्ति से सराबोर हो गया। शरणानंद महाराज ने भोग में केवल तुलसी पत्र मांगा। इसी बीच, प्रेमानंद महाराज के स्वास्थ्य को लेकर फैल रही अफवाहों पर मथुरा पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर कहा जाहै कि कोई भी व्यक्ति या समूह भ्रांतियां फैलाएगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी का 80 ड्रम डावर बरामद किया

मथुरा। थाना छाता पुलिस द्वारा चोरी का 80 क्विंटल बिटमिन (डांवर) (कुल 80 ड्रम) बरामद किये हैं। थाना छाता पुलिस टीम द्वारा चोरी किया हुआ कुल 80 किवंटल बिटमिन(डांवर) कुल 80 ड्रम बरामद किये गया तथा मौके से पांच अभियुक्त फरार हो गये। जिनके विरुद्ध थाना छाता पर धारा 35, 106 बीएनएसएस व धारा 303(2)ख317(5) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर विधिक प्रयास किया जा रहा है। मौके से फरार अभियुक्त द्वारा मिलकर रिफाइनरी कम्पनी से निकलने वाले बिटमिन (डांवर) के लोहे के ड्रम लेकर आने वाले ट्रकों से प्लानिंग करके ट्रको से बिटमिन (डांवर) के ड्रम चोरी करके वैकमेट कंपनी के पूर्वी साइड खाली प्लॉट में एकत्र कर रखे है ।

डीएम की अध्यक्षता में महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्तिकरण के लिए बैठक आयोजित

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। शहरी क्षेत्र में सक्रिय स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्तिकरण के दृष्टिगत जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बुधवार को बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान स्थानीय स्तर पर तैयार कराए गए उत्पादों की बिक्री को प्रोत्साहित करके हस्तशिल्पियों और कारीगरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के संबंध में शासन स्तर से निर्देश हैं। शहरी क्षेत्र में दिए, झालर, मोमबत्ती, अगरबत्ती आदि तैयार करने वाले स्वयं सहायता समूहों को विभिन्न कार्यालय परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्टॉल स्थापित करने का अवसर दिया जाएगा ताकि यह समूह अपने उत्पादों की बिक्री कर सके तथा आर्थिक दृष्टिकोण से सशक्त बन सके। बैठक में एसडीएम सदर, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के साथ ही चिन्हित स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं भी मौजूद रहीं।

2490.38 लाख की लागत से बन रही सडक का महापौर ने किया शुभारम्भ

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मथुरा। महापौर वनोद अग्रवाल ने अर्बन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी के माध्यम से संचालित मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम के अंतर्गत नगर निगम मथुरा-वृंदावन की सीमा में लगभग 2490.38 लाख की लागत से बनने वाली सड़क के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ नारियल फोड़कर एवं विधिवत पूजन कर किया गया। यह सड़क वृंदावन प्रेम मंदिर तिराहे से विद्यापीठ चौराहे तक विकसित की जा रही है। सड़क के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य के अंतर्गत किये गये हैं। विद्युत तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा। दोनों ओर श्रद्धालुओं राहगीरो हेतु फुटपाथ का निर्माण किया जाएगा। सड़क की सतह का समतलीकरण एवं उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण कार्य किए जाएंगे। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग हेतु ह्यूम पाइप डक्ट प्रणाली भी विकसित की जाएगी। इस अवसर पर माननीय महापौर श्री विनोद अग्रवाल जी ने कहा किकृ "वृंदावन एक अंतरराष्ट्रीय धार्मिक नगरी है, जहां प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक दर्शनार्थ आते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा, सुगम यातायात एवं नगर की सुंदरता को ध्यान में रखते हुए इस सड़क के विकास कार्य का शुभारंभ किया गया है। यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी, बल्कि नगर की छवि को भी नई दिशा देगी। हमारा संकल्प है कि मथुरा-वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक नगरी के रूप में विकसित किया जाए। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं विभागीय अधिकारीगण भी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से भाजपा महानगर अध्यक्ष राजू यादव, भाजपा नगर अध्यक्ष जितेंद्र वार्ष्णेय, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, तथा अवर अभियंता अरुण कुमार, अवर अभियंता कुमर आशीष आदि उपस्थित रहे।

किसानो की समस्याओं को लेकर मिला प्रतिनिधिमंडल

शाहबाद। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत का एक प्रतिनिधिमंडल युवा जिलाध्यक्ष रंजीत यादव के नेतृत्व में मंडी शाहाबाद पहुंचकर किसानों की समस्याओं को लेकर मंडी सचिव से मिलकर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया उन्होंने पूर्ण आश्वासन दिया कि किसानों को धान तूलवाने में क्रय केंन्द्रो पर कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी प्रतिनिधि मंडल में मैजूद चौधरी सुनील कुमार सिंह प्रमुख सचिव पश्चिम उत्तर प्रदेश, खुशीराम यादव ब्लॉक अध्यक्ष, चौधरी सुंदर पाल सिंह, तहसील अध्यक्ष तेजपाल सिंह, जिला प्रचार मंत्री नरेंद्र यादव, युवा जिला उपाध्यक्ष राजवीर सिंह यादव, सोनू यादव आदि में मैजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 : छात्रा लवली को मिला एक दिन के लिए जिलाधिकारी का दायित्व

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

महिलाओं के अधिकारों पर दिखाई जागरूकता की मिसाल

मथुरा। मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत छात्रा लवली को मिला एक दिन के लिए जिलाधिकारी का दायित्व। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने किया लवली का स्वागत तथा दिया जिलाधिकारी मथुरा का पदभार। राजकीय हाई स्कूल लोहवन की कक्षा 10 की छात्रा लवली ने किया दिव्यांगजन प्रमाण पत्र बनाने का आदेश। महिलाओं के अधिकारों पर दिखाई जागरूकता की मिसाल। छात्रा लवली ने जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के साथ की जनसुनवाई। एक दिन की जिलाधिकारी बनी लवली ने सुनी लोगों की समस्याएं, दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के नेतृत्व में जनपद में आयोजित हो रहे विभिन्न मिशन शक्ति अभियान 5.0 के कार्यक्रम। मेधावी छात्राओं ने एक दिन के लिए संभाले जनपद के विभिन्न महत्वपूर्ण पद। चौकी प्रभारी, थाना प्रभारी, क्षेत्राधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, खंड विकास अधिकारी, चिकित्सा अधीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी, जिलाधिकारी आदि महत्वपूर्ण पदों पर एक दिन के लिए छात्राओं को बनाया गया अधिकारी। उक्त पहल से छात्राओं में बढ़ रही जागरूकता। लवली ने एक दिन के लिए कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी की भूमिका निभाई और जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के साथ बैठकर जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाते हुए अपनी समझदारी और संवेदनशीलता से सबका दिल जीत लिया। कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी की कुर्सी पर बैठी लवली ने जनसुनवाई के दौरान कठमालिया थोक छाता तहसील निवासी मुकेश कुमार सिंह के प्रार्थना पत्र पर कार्रवाई करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिव्यांग प्रमाण पत्र शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए, जिससे दिव्यांगजन सरकार द्वारा प्रदत्त विभिन्न योजनाओं का लाभ ले सके। उनके इस निर्णय से उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनकी प्रशंसा की। एक दिन की जिलाधिकारी लवली ने इस अवसर पर मीडिया के समक्ष महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों को लेकर भी सभी को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि हर लड़की को अपने अधिकारों की जानकारी होनी चाहिए। वर्तमान दौर में गुड टच और बैड टच की पहचान तो सभी को होती है। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि किसी भी परेशानी या अनुचित व्यवहार को माता-पिता, विशेषकर अपनी मां से साझा करने में हिचकिचाना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट का उपयोग शिक्षा संबंधी कार्यों के लिए किया जाना चाहिए, जिससे यह उनके भविष्य को संवारने का माध्यम बने, न कि परेशानी का कारण।

दैनिक नेशनल एक्सप्रेस
43 वर्षों से निष्पक्ष व निर्भीक समाचार पत्र
आवश्यकता है
नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक नेशनल एक्सप्रेस को हिंदी पत्रकारिता में ब्यूरो प्रमुख, अनुभवी पत्रकार / विज्ञापन प्रसार के लिए दिल्ली व उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आवश्यकता है। जर्नलिज्म में अपना कैरियर बनाने को इच्छुक व्यक्ति संपर्क कर सकते हैं।
7080333338 011-49065569
news.vpl@gmail.com
VPL MEDIA PRIVATE LIMITED
S-361, Greater Kailash- II, New Delhi-110048
15/240 G Civil Lines Kanpur - 208001
Instagram
facebook

मानव तस्करी विरोधी थानों को मजबूत करें, शीघ्र प्राथमिकी दर्ज करें व बचाव सुनिश्चित करें: डीजीपी

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने बुधवार को सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मानव तस्करी के सिलसिले में सबंधित(एएचटी) थानों को मजबूत बनाने तथा लापता बच्चों के मामलों की त्वरित एवं प्रभावी जांच कर बचाव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

एक सरकारी बयान के अनुसार सभी जोन के अपर पुलिस महानिदेशकों, पुलिस आयुक्तों, रेंज महानिरीक्षकों, उपमहानिरीक्षकों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को जारी किये गये निर्देश डीजीपी ने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि एएचटी थाने अपने निर्धारित उद्देश्य के लिए विशेष रूप से संचालित हों एवं उनमें जरूरी सुविधाएं हों।

मानव तस्करी को एक ''वैश्विक संगठित अपराध'' बताते हुए, डीजीपी ने कहा कि यौन शोषण, जबरन श्रम, अवैध गोद लेने, भीख मांगने, अंग व्यापार या नशीली दवाओं की तस्करी के लिए तस्करी महिलाओं और बच्चों के मौलिक मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

डीजीपी ने कहा, ''हर जिले में एक मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) स्थापित की गई है, जिसे अब वाहनों, कंप्यूटरों, कैमरों, वायरलेस सेट और अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ एक पूर्ण थाने का रूप दिया गया है।''

गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशों का हवाला देते हुए, डीजीपी ने निर्देश दिया कि प्रत्येक एएचटी थाने में कम से कम एक निरीक्षक, दो उपनिरीक्षक, दो मुख्य आरक्षी और दो आरक्षी होने चाहिए तथा जरूरत के आधार पर अतिरिक्त मानव संसाधन भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव तस्करी निरोधक थानों में तैनात अधिकारियों को कानून-व्यवस्था या नियमित गश्ती ड्यूटी में नहीं लगाया जाना चाहिए। बयान के अनुसार, डीजीपी उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि मानव तस्करी निरोधक थानों के संसाधनों का उपयोग तस्करी से संबंधित मामलों के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

कृष्णा ने आदेश दिया कि मानव तस्करी निरोधक थानों में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों पर बिना किसी देरी प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए तथा तत्काल जांच और तलाशी/बचाव अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा,''यदि किसी स्थानीय थाने में मानव तस्करी से संबंधित शिकायत प्राप्त होती है, तो प्राथमिकी वहीं दर्ज की जानी चाहिए और उसकी एक प्रति शिकायतकर्ता को दी जानी चाहिए। इसके बाद, शिकायतकर्ता को उचित सूचना देते हुए, मामला 24 घंटे के भीतर जिला मानव तस्करी निरोधक थाने को स्थानांतरित किया जाना चाहिए।'' उन्होंने निर्देश दिया,''स्थानीय थानों में दर्ज गुमशुदा व्यक्तियों के मामले में बाद में तस्करी के सबूत सामने आने पर उन्हें जिला पुलिस प्रमुख या आयुक्त के आदेश पर मानव तस्करी निरोधक थाने को स्थानांतरित किया जाना चाहिए।''

पुलिस प्रमुख ने यह भी निर्देश दिया कि मानव तस्करी के पीड़ितों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय करके उचित पुनर्वास, चिकित्सा उपचार, परामर्श, निःशुल्क कानूनी सहायता, आश्रय और मुआवज़ा प्रदान किया जाए। डीजीपी ने कहा कि आयुक्तों और जिला पुलिस प्रमुखों को मासिक अपराध बैठकों के दौरान मानव तस्करी निरोधक से संबंधित मामलों और बचाव कार्यों की समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, ''यदि तस्करी का कोई मामला छह महीने से ज़्यादा समय तक अनसुलझा रहता है, तो जांच और बचाव प्रयासों की तिमाही समीक्षा की जानी चाहिए।'' उन्होंने चेतावनी दी कि तलाशी या बचाव अभियान चलाने में किसी भी तरह की लापरवाही के लिए मामला स्थानांतरित करने वाले स्थानीय थाने और संबंधित एएचटी अधिकारियों, दोनों की कड़ी जवाबदेही तय की जाएगी।

भारतीय वायु सेना दिवसः नभः स्पृशं दीप्तम "आकाश को गौरव के साथ छूओ"

देश की सेवा सर्वोच्च धर्म : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

ऋषिकेश। आज का दिन पूरे देश के लिये गर्व और सम्मान का दिन है आज भारतीय वायु सेना दिवस है। यह दिन हमारे आकाश के रक्षकों के साहस और समर्पण को सम्मानित करने का अवसर है परमार्थ निकेतन से सेना के साहस, समर्पण और राष्ट्रभक्ति को नमन। भारतीय वायु सेना की स्थापना 8 अक्टूबर 1932 को हुई थी, और तब से लेकर आज तक यह बल भारत की सीमाओं की रक्षा के साथ अनेक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में डट कर सामना कर अपनी भारतमाता को सुरक्षा प्रदान करते हैं। चाहे युद्ध की स्थिति हो, सीमा पर सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाना हो, या प्राकृतिक आपदाओं में राहत कार्य करना हो भारतीय वायु सेना हर मोर्चे पर अपनी उत्कृष्टता का परिचय देती रही है।

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारतीय वायु सेना का ध्येय वाक्य नभः स्पृशं दीप्तम् - "आकाश को गौरव के साथ छूओ" दृ वास्तव में आज देश आकाश को भी छू रहा है और पूरे विश्व को भी प्रभावित कर रहा है। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश केवल आकाश की ऊँचाइयाँ ही नहीं, बल्कि विश्व पटल पर भी हर ऊँचाई को छू रहा है।

स्वामी जी ने कहा कि जब देश का नेतृत्व सच्चाई और सफाई के साथ कार्य करता है तो देश ऊँचाईयों तक पहुंचता हैं।वायु सेना के जवानों का समर्पण और साहस हर भारतीय के हृदय में गर्व और श्रद्धा का भाव जगाता है। उनकी निष्ठा और अनुशासन यह सुनिश्चित करते हैं कि देश की

आकाश सीमा हर समय सुरक्षित रहे। युद्ध की कठिन परिस्थितियों में उनके अदम्य साहस और रणनीतिक कुशलता ने न केवल राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है, बल्कि भारत के गौरव और मान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊँचा किया है।प्राकृतिक आपदाओं के समय भारतीय वायु सेना की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। बाढ़, भूकंप, चक्रवात, भूस्खलन जैसी आपदाओं में वे हवाई मार्ग से राहत सामग्री, भोजन, दवा और जीवनरक्षक उपकरण पहुँचाते हैं। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में फंसे लोगों तक पहुँचने के लिए वायु सेना द्वारा चलाए गए अभियान अनेक जीवनों को बचाने में सहायक रहे हैं। उनके ये प्रयास केवल सैन्य कार्य नहीं हैं, बल्कि मानवीय सेवा की अनमोल मिसाल हैं।परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज का दिवस हमें उन वीर सपूतों की याद दिलाता है जिन्होंने देश की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके साहस, त्याग और समर्पण की गाथाएँ हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। यह दिन हमें यह स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता और सुरक्षा केवल अधिकार नहीं हैं, बल्कि उन्हें बनाए रखने के लिए अनेकों वीरों का बलिदान और परिश्रम समर्पित रहा है। इन अमर वीरों को नमन करते हुए हम उनके परिवारों के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित किया।

- आधुनिक हिन्दी साहित्य अग्रज मुंशी प्रेमचन्द जी की पुण्यतिथि पर नमन
- कार्तिक माह श्रद्धा, संयम, साधना और समर्पण का अवसर
- सिख पंथ के चतुर्थ गुरु, गुरु साहिब श्री गुरु रामदास जी महाराज के पावन प्रकाश पर्व की सिख बंधुओं को हार्दिक बधाई उनकी प्रेरणादायक शिक्षाएं युग-युगांतर तक मानव कल्याण, परोपकार और सभ्य समाज के निर्माण की अमिट ज्योति को प्रज्वलित करती रहें

भारतीय वायु सेना न केवल आधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक तकनीक के कारण विश्व में प्रतिष्ठित है, बल्कि उनके अनुशासन, पेशेवर कौशल और राष्ट्रभक्ति के कारण सम्मानित है। उनकी उत्कृष्टता ने यह सिद्ध किया है कि भारतीय वायु सेना न केवल सुरक्षा बल है, बल्कि यह राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और सम्मान की गारंटी भी है।स्वामी जी ने कहा कि वायु सेना के अधिकारी और जवान सीमाओं पर सतत प्रहरी की तरह खड़े रहते हैं। उनकी कठिन ट्रेनिंग, अदम्य साहस और समर्पण के कारण ही हम निश्चिंत होकर अपना दैनिक जीवन जी सकते हैं। भारतीय वायु सेना का यह अद्वितीय योगदान हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है।भारतीय वायु सेना के प्रति श्रद्धा और सम्मान हर भारतीय के हृदय में अडिग रहेगा। उनके साहस, समर्पण और बलिदान की कहानियाँ न केवल इतिहास की किताबों में जीवित रहेंगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करेंगी। यह दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि राष्ट्र की सुरक्षा केवल सैनिकों के बल पर नहीं, बल्कि पूरे समाज के सहयोग और समर्थन पर भी निर्भर करती है।

आज का दिन हमें गर्व, श्रद्धा और प्रेरणा का संदेश देता है। भारतीय वायु सेना ने हमेशा यह साबित किया है कि देश की सेवा सर्वोच्च धर्म है और आकाश की सीमाओं की रक्षा हर भारतीय का गौरव है।आज हम आधुनिक हिन्दी साहित्य के महान शिल्पी, मुंशी प्रेमचन्द जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करते हैं। उनकी कहानियों और उपन्यासों ने समाज की असमानताओं, गरीबी और मानवता के संदेश को शब्दों में जीवित किया। उनका साहित्य आज भी मार्गदर्शन और प्रेरणा का स्रोत है, और उनके विचार हर भारतीय के हृदय में अमर हैं।

लखनऊ जिले में अवैध पटाखा फैक्टरी का भंडाफोड़, चार लोग गिरफ्तार

लखनऊ, (भाषा) लखनऊ जिले के नगराम थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस ने एक अवैध पटाखा फैक्टरी एवं गोदाम का भंडाफोड़ किया और चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस द्वारा बुधवार को जारी किये गये एक बयान के अनुसार, इस कार्रवाई में 1392 किलोग्राम तैयार और अर्ध-निर्मित पटाखे, विस्फोटक सामग्री और बारूद का जखीरा बरामद हुआ। छापेमारी के बाद, चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस की यह कार्रवाई नगराम रोड पर अवैध पटाखा विरोधी अभियान के दौरान शुरू की गई। अवैध पटाखा सामग्री ले जा रहे एक ऑटो-रिक्शा के बारे में एक गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने वाहन को रोका।

चालक, मोहम्मद रफीक उर्फ मुन्ना, भारी मात्रा में सामग्री और बारूद ले जाते हुए पाया गया। पूछताछ करने पर, रफीक ने कबूल किया कि वह रायबरेली से यह सामग्री ला रहा था और अपने घर पर अवैध रूप से पटाखे बना रहा था।

पुलिस के मुताबिक रफीक से पूछताछ करने पर तीन अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता का पता चला। पुलिस के अनुसार रफीक द्वारा बताये गये स्थानों पर छापेमारी के लिए टीम गठित की गईं, जिसके परिणामस्वरूप उन स्थानों से भी विस्फोटक सामग्री और पटाखे बरामद हुए।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार किए गए चार लोग मोहम्मद रफीक उर्फ मुन्ना, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद सलीम और रमजान अली उर्फ आदाब अली हैं।

पुलिस का कहना है कि आरोपी घनी आबादी वाले इलाकों में इन खतरनाक सामग्रियों का निर्माण और भंडारण कर रहे थे, जिससे जान-माल का बड़ा नुकसान होने का खतरा था।

पुलिस ने चारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्यवाही के तहत उन्हें जेल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

'लिव-इन रिलेशनशिप' से सावधान रहें लड़कियां: आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बुधवार को युवतियों को लिव-इन रिलेशनशिप से दूर रहने और उन लोगों से सावधान रहने की सलाह दी जो उनका शोषण कर सकते हैं।

उन्होंने वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 47वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह अपील की। राज्य के विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति राज्यपाल ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और छात्राओं से अपने निजी जीवन में समझदारी से निर्णय लेने का आग्रह किया। राजभवन की ओर से जारी एक बयान के अनुसार उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, "बेटियों को अपने निर्णय सोच-समझकर लेने चाहिए। वे लिव-इन-रिलेशनशिप जैसी परिस्थितियों से दूर रहें। समाज में ऐसे तत्वों से सतर्क रहें जो उनका शोषण कर सकते हैं।"

बरेली की युक्ति: जानवरों की सेवा में मानवता की जीवंत मिसाल

नेशनल एक्सप्रेस/अमल सैनी

- घायल और भूखे जानवरों की देखभाल कर समाज में करुणा और दया का संदेश फैला रही युवती

बरेली। इंसानियत आज भी जीवित है, यह साबित कर दिखाया है बरेली की युवती ने। शहर की इस लड़की ने बेसहारा और घायल जानवरों की सेवा में अपने जीवन को समर्पित कर समाज के लिए एक अनोखी मिसाल पेश की है। युक्ति रोज़ाना सड़क किनारे घायल, भूखे और अकेले पड़े जानवरों की मदद के लिए आगे आती हैं। उनका मानना है कि हर जानवर की जान और भलाई महत्वपूर्ण है। घायल कुत्तों, बेजान पिल्लों और अन्य असहाय जानवरों को देखकर वह कभी पीछे नहीं हटती। युक्ति न केवल घायल जानवरों का प्राथमिक इलाज करती हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाकर खाने-पीने और देखभाल की पूरी व्यवस्था करती हैं। उनके प्रयास ने स्थानीय लोगों का दिल जीत लिया है और कई लोगों ने उनकी सराहना की।युक्ति का यह कदम सिर्फ जानवरों तक सीमित नहीं है। उनके कार्य ने समाज में यह संदेश फैलाया है कि हर व्यक्ति अपने स्तर पर जानवरों की मदद कर सकता है। चाहे यह खाना खिलाने का छोटा कदम हो, चोट का इलाज कराना हो या उन्हें सुरक्षित स्थान पर रखना हो — हर प्रयास बड़ा बदलाव ला सकता है।

स्थानीय लोग कहते हैं कि युक्ति जैसे संवेदनशील युवा समाज में दया और करुणा का संदेश फैलाते हैं। उन्होंने बताया कि युक्ति के काम से उन्हें भी प्रेरणा मिली है कि वे अपने आसपास के घायल और बेसहारा जानवरों की मदद करें। युक्ति का कहना है कि यह सेवा केवल मानवता और दया के लिए है, प्रचार या पहचान के लिए नहीं। वह मानती हैं कि अगर हर व्यक्ति अपने स्तर पर थोड़ी-सी मदद करे, तो समाज में इंसानियत की मिसाल कायम हो सकती है।एक दिन युक्ति ने सड़क किनारे एक घायल कुत्ते को देखा। कई लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे, लेकिन युक्ति ने बिना देर किए उसका इलाज किया, सुरक्षित जगह पर रखा और खाना खिलाया। यह घटना स्थानीय लोगों के लिए प्रेरणा बन गई। युक्ति की कहानी समाज के लिए एक प्रेरणा है। उनके कार्य ने यह साबित कर दिया कि अगर संवेदनशील और दयालु लोग आगे आएं, तो जीवन के हर पहलू में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। बरेली की युक्ति न केवल

अखिलेश यादव की आजम खां से मुलाकात महज वोट बैंक की सियासत: राठौर

लखनऊ, (भाषा) रामपुर में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव की पार्टी नेता आजम खां से मुलाकात सियासी हलकों में चर्चा का विषय बनी है। उत्तर प्रदेश सरकार के कई मंत्रियों ने इस मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव की चुटकी ली है।

सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे पी एस राठौर और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने अखिलेश पर निशाना साधते हुए कहा कि 23 महीने तक जेल में रहे आज़म की सुध लेने की बजाय, अब जमानत के बाद अखिलेश 'घड़ियालू आंसू' बहाने रामपुर पहुंचे हैं, यह सपा के मुस्लिम वोटबैंक को साधने की सियासी मजबूरी है। एक बयान के मुताबिक सरकार के मंत्रियों ने समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख की रामपुर में आजम खां से मुलाकात को वोटबैंक बचाने की सियासी चाल करार दिया।

राठौर ने कहा, ''अखिलेश को 23 महीने तक आज़म खान की याद नहीं आई, जब वह जेल में थे। आजम ने खुद कहा कि जेल में उनके परिवार की किसी ने सुध नहीं ली। अखिलेश ने रामपुर में आजम का विकल्प खड़ा कर उनकी राजनीति खत्म करने की कोशिश की। अब वोटबैंक खिसकता देख वह आजम से मिलने जा रहे हैं। यह महज स्टंटबाजी है।'' राठौर ने कहा, '' अखिलेश को न आजम से लगाव है, न किसी और से, उनकी एकमात्र चिंता वोटबैंक है। दूसरों की परेशानी में अखिलेश पहुंच जाते थे, लेकिन आजम से जेल में कभी नहीं मिले। दोस्ती में गांठ पड़ने के बाद उसका कोई मतलब नहीं रहता, यह आजम भी समझते हैं।''

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा,''यादव ने आज़म से मिलने में बहुत देर कर दी। उनकी पार्टी के नेता है मिलना तो बनता है लेकिन मैं फिर यह कह रहा हूं कि उन्होंने मिलने में बहुत देर कर दी। अगर उन्हें आजम की चिंता होती, तो जमानत के तुरंत बाद मिलने जाते। अब वोटबैंक खिसकने का डर उन्हें रामपुर ले जा रहा है।'' उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने यादव पर करारा हमला बोला है।

एक बयान में उन्होंने कहा कि अखिलेश की आजम से मुलाकात राजनीतिक मजबूरी का नतीजा है।

राजभर ने कहा,''आजम खान 23 महीने जेल में रहे, लेकिन यादव एक बार भी मिलने नहीं गए। अब जेल से छूटने के बाद उन्हें आजम खान की याद आ गई।'' उन्होंने व्यंग्य किया ,'' अखिलेश को डर सता रहा है कि कहीं आजम खां और शिवपाल सिंह यादव मिलकर कोई खेल न कर दें। समाजवादी पार्टी में इन दोनों नेताओं की गहरी पकड़ है, और अखिलेश को इसी टूट का भय है।'' राजभर ने कहा,''आजम खां की सपा में अब भी वही हनक बरकरार है। अखिलेश यादव का रामपुर जाकर उनके दरवाजे पर नाक रगड़ना इसी बात का सबूत है।'' उन्होंने तंज कसा,'' आजम खां की शर्त थी कि अखिलेश उनकी देहरी पर जाकर ना क रगड़ें और अखिलेश जी रामपुर पहुंच गए। यह दिखाता है कि सपा में अब भी आजम की स्थिति मजबूत है।''

लूटकांड में वर्दी पर दाग- दो पुलिसकर्मी निकले लुटेरों के मददगार, भेजे जेल

मक्खनपुर पुलिस ने मुख्य आरक्षी मनोज को 5 लाख की बरामदगी सहित किया गिरफ्तार, एक दिन पहले साथी अंकुर प्रताप भी पकड़ा गया था

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर(रामपाल चौधरी)

फिरोजाबाद। थाना मक्खनपुर क्षेत्र में 30 सितंबर को हुई डेढ़ से दो करोड़ रुपए की सनसनीखेज लूटकांड में बड़ा खुलासा हुआ है। इस हाईप्रोफाइल केस में अब वर्दीधारी भी लुटेरों के साझेदार निकल आए हैं।मक्खनपुर पुलिस ने बुधवार को पुलिस लाइन कमिश्नरेट आगरा में तैनात मुख्य आरक्षी मनोज को लूटी गई रकम में से 5 लाख रुपए की बरामदगी के साथ गिरफ्तार किया है। इससे पहले मंगलवार को जीआरपी आगरा में तैनात मुख्य

आरक्षी अंकुर प्रताप सिंह को भी 5 लाख रुपए नकद सहित पकड़ा गया था।

1.5-2 करोड़ की लूट से जुड़ा था पूरा नेटवर्क

30 सितंबर की शाम थाना मक्खनपुर क्षेत्र के ग्राम घुनपई के पास जीके कम्पनी की गाड़ी से करीब 1.5 से 2 करोड़ रुपए की नकदी लूट ली गई थी। पुलिस की तेज़ कार्रवाई में 4 अक्टूबर को थाना मक्खनपुर, शिकोहाबाद, रामगढ़ और एसओजी/सर्विलांस टीम ने मिलकर घटना को अंजाम देने वाले छह शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 1 करोड़ 5 हजार 310 रुपए नकद, लूट के पैसों से खरीदा गया एक आईफोन, मोटरसाइकिल की रसीद, अवैध असलहे और दो चारपहिया वाहन बरामद किए गए थे।

मुठभेड़ में इनामी बदमाश नरेश ढेर

घटना के बाद फरार चल रहे 50 हजार के इनामी लुटेरे नरेश को 5 अक्टूबर को पुलिस मुठभेड़ में गोली लग गई थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वर्दीवालों का काला खेल – अपराधियों से सौदा

विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना की जानकारी दो पुलिसकर्मियों मनोज और अंकुर प्रताप सिंह को पहले से थी। दोनों ने घटना के दिन नई दिल्ली जाकर नकद रकम हासिल की और बदले में अपराधियों को पुलिस कार्रवाई और रिपोर्ट दर्ज होने की अंदरूनी जानकारी देने का वादा किया था।थाना मक्खनपुर पुलिस टीम ने लगातार साक्ष्य जुटाते हुए बुधवार को मुख्य आरक्षी मनोज को बिल्टिंगढ़ चौराहा अंडरपास के पास से दबोच लिया। अब तक कुल दो पुलिसकर्मी और सात अपराधी लूटकांड में पकड़े जा चुके हैं, जबकि एक इनामी बदमाश मुठभेड़ में मारा जा चुका है।

अब वर्दी पर उठे सवाल, आगे की जांच जारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दोनों आरक्षियों की भूमिका बेहद संदिग्ध पाई गई है। मामला गंभीर होने के कारण जाँच को उच्चाधिकारियों की निगरानी में किया जाएगा।

सन साइन इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति के तहत छात्राओं को दी गई जानकारी

नेशनल एक्सप्रेस/ ब्यूरो विपिन कुमार।

टूंडला। सन साइन इंटर कॉलेज टूंडला में मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक राखी सिंह ने छात्राओं को डायल नंबर 112, 101, 102, 1090, 181 और 1930 के प्रयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्राओं को अपनी सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहना चाहिए और किसी भी अपराध को छिपाना नहीं चाहिए। साथ ही उन्होंने झूठी शिकायत न करने की भी अपील की। राखी सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान की मंशा से छात्राओं को अवगत कराते हुए बताया कि यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। यह अभियान शिक्षा विभाग, महिला कल्याण विभाग सहित 28 अन्य विभागों से भी जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम के दौरान टाटा बिल्डिंग इंडिया द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में विजेता छात्राओं को महिला इंस्पेक्टर और महिला कांस्टेबल चंचल गौतम ने मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सीनियर वर्ग में खुशी प्रथम, पल्लवी द्वितीय और वैष्णवी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं जूनियर वर्ग में अनुष्का प्रथम, अविका शर्मा द्वितीय और लवी पौनिया तृतीय स्थान पर रहीं।कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य संजीव तोमर ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर हेमंत सिंह, शालिनी पौनिया, डिम्पल चौहान और अनिल कुमार का विशेष सहयोग रहा।

डीपीई स्कूल के विद्यार्थियों ने वन दर्शन के तहत जानी विभिन्न बातें

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर ।शिकोहाबाद। प्रकृति संरक्षण को समर्पित संस्था पर्यावरण मित्र ने बुधवार को दिल्ली पब्लिक इंटरनेशनल स्कूल मुस्तफाबाद रोड शिकोहाबाद के विद्यार्थियों को वन दर्शन कराया। इस दौरान भूमि, जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषणों को यथाशक्ति कम करने, वर्तमान एवं भावी पीढ़ी को बेहतर धरती सौंपने के लिए जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को वन दर्शन में केचुआ खाद, नाड़ेप खाद एवं किचिन वेस्ट से खाद बनाने तथा नीमास्त्र, ब्रहमास्त्र, अमृत जल जैसे जैविक कीटनाशक के बारे में भी जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को कचरा प्रबन्धन के माध्यम से गीले कचरे से खाद बनाना व सूखे कचरे को रिसाइकिल हेतु भंगार वाले को बेचने के बारे में बताया गया। वहीं जैविक खेती, जैविक सब्जी, मिश्रित वन के लाभ भी विद्यार्थियों को बताए गए। जैविक पद्धति से तैयार करने के बारे में जानकारी दी गई। नर्सरी में उन्हें नये पौधे तैयार करने की विधि बताई गई। विद्यार्थियों को पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा तैयार किए गए इतना तो करें के पम्पलेट के माध्यम से दीवाली पर पटाखे न चलाने, पानी गंदा न करनें, स्वच्छ जल बचाने, पॉलीथिन निषेध, तम्बाकू सेवन न करने के बारे में वृहद जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने कहा कि पर्यावरण के शत्रु नही मित्र बने तथा वर्तमान एवं भावी पीढ़ी की रक्षा करें। वन दर्शन कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ उनके शिक्षकों में नम्रता शुक्ला, शिल्पी पालीवाल, अलका गुप्ता, वर्तिका पचौरी आदि उपस्थित रहे।

धान चोरी प्रकरण में हलधर किसान यूनियन कार्यकताओं ने की कार्यवाही की मांग

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर । फिरोजाबाद। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (हलधर) के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष ऋषभ यादव के नेतृत्व में किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल तहसील टूंडला पहुंचा। किसानों ने राष्ट्रीय महासचिव देशराज सिंह उर्फ भगत जी निवासी राजपुर कोटला, थाना नारखी, जनपद फिरोजाबाद के घर से धान की चोरी के मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग को लेकर क्षेत्राधिकारी टूंडला अमरीश कुमार से मुलाकात की। इस दौरान जिलाध्यक्ष ऋषभ यादव ने कहा कि चोरी की घटना की गंभीरता को देखते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। क्षेत्राधिकारी अमरीश कुमार ने मामले की निष्पक्ष जांच व आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस मौके पर विनोद राठौर, यादवेंद्र चौहान, सिकंदर मंसूरी, गीतम सिंह, देशराज भगत सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

अवैध असलहा सहित दो गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस /क्राइम रिपोर्टर ।फिरोजाबाद। थाना एका पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो आरोपियों को अवैध तमंचों सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंजीत उर्फ भोले निवासी मकरन्दपुर एवं गिर्राज किशोर निवासी नगला गलुआ, एटा को पकड़ा। दोनों के कब्जे से 315 बोर के तमंचे व दो-दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इनके खिलाफ अलग-अलग मुकदमे दर्ज कर न्यायालय भेजा गया है।

आपस में टकराकर घायल हुए बाइक सवार, बाइक छतिग्रस्त

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर । सिरसागंज। थाना क्षेत्र के अंतर्गत अरांव रोड पर नगला चंदी के पास दो बाइक सवार आपस में टकराकर बुरी तरह घायल हो गए । अरांव रोड नगला चंदी के पास बुधवार शाम 4:30 बजे के करीब दो बाइक सवार आपस में टकरा गए और उनकी बाइक के बुरी तरह छतिग्रस्त हो गई। एक बाइक स्प्लेंडर पर सवार महेश पुत्र जयबीर सिंह निवासी नगला रेडा घिरोर मैनपुरी तथा दूसरी बाइक एचएफ डीलक्स पर फौरन सिंह पुत्र होरीलाल निवासी ग्राम नगला धर्म थाना अरांव जनपद फिरोजाबाद आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बाइक सवार बुरी तरह घायल हो गए और उनकी बाइक छतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।

बी. कॉम की छात्रा साक्षी सिंह बनी एक दिन की प्राचार्य

नेशनल एक्सप्रेस/ तहसील रिपोर्टर । सिरसागंज। राजकीय महिला स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय सिरसागंज में बी. कॉम पंचम सेमेस्टर की छात्रा साक्षी सिंह को एक दिन का प्राचार्य बनाया गया है। बुधवार को साक्षी सिंह को महाविद्यालय की एक दिन के लिए प्राचार्य बनाया गया । एक दिन की प्राचार्य के रूप में साक्षी ने मौजूदा पंजिका का अवलोकन किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। महाविद्यालय में चल रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण पर महाविद्यालय की छात्रा खुशी कुमारी, संजना और रितु ने अपने अपने विचार रखे। प्राचार्य प्रो डॉ कांति शर्मा ने महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे एवं एक दिन की प्राचार्य साक्षी को बधाई दी। इस अवसर पर सभी छात्र छात्रायें एवं प्राध्यापक डॉ सुरेश कुमार, डॉ अभिषेक प्रकाश, डॉ कृष्ण मोहन पाठक, डॉ आशीष श्रीवास्तव, डॉ नवनिंद्रा सिंह, अतुल कुमार भदौरिया सहित समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू अराजनैतिक ने सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूंडला। बुधवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के तत्वाधान में तहसील अध्यक्ष राहुल चौहान के नेतृत्व में किसानों ने तहसील टूंडला पहुंचकर अपनी समस्याओं को लेकर नायब तहसीलदार ब्रजराज सिंह को ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने ज्ञापन में विद्युत आपूर्ति, खाद एवं उर्वरक की कमी, सिंचाई के लिए पानी की दिक्कत जैसी प्रमुख समस्याओं का उल्लेख किया। किसानों का कहना था कि इन समस्याओं के कारण फसल उत्पादन प्रभावित हो रहा है और जल्द समाधान आवश्यक है। इस दौरान प्रमुख रूप से पंकज धाकरे, पिंटू धाकरे, श्यामवीर सिंह, विक्रम, अजय, जयवीर सिंह सहित अन्य किसान मौजूद रहे। नायब तहसीलदार ब्रजराज सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराया जाएगा।

ओ.टी. एरियर भुगतान को लेकर कर्मचारियों का तीन दिवसीय आंदोलन सम्पन्न

महाप्रबंधक के माध्यम से सीएमडी को सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद। आयुध उपस्कर निर्माणी हजरतपुर में ओ.ई.एफ. कर्मचारी संघ (जो भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ से सम्बद्ध है) द्वारा 01 जनवरी 2006 से लंबित ओ.टी. एरियर के भुगतान की मांग को लेकर तीन दिवसीय आंदोलन किया गया।

यह आंदोलन 06 अक्टूबर से 08 अक्टूबर 2025 तक चला। कर्मचारियों ने प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से निर्माणी के मुख्य द्वार पर नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। आंदोलन के अंतिम चरण में मंगलवार को आधे दिन का धरना दिया गया। इस दौरान संघ पदाधिकारियों ने महाप्रबंधक के माध्यम से माननीय सीएमडी, टीसीएल को ज्ञापन सौंपकर कार्यरत कर्मचारियों के बकाया 50 प्रतिशत एवं सेवानिवृत तथा दिवंगत कर्मचारियों के 100 प्रतिशत भुगतान की मांग की। इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष स्वदेश राघव, महामंत्री नितिन सक्सेना सहित मनोज कुमार, रघुनंदन शर्मा, धीरेन्द्र कुमार, चेतन लाल रोत, अनिल कुमार, श्रीनंदन ठाकुर, दीपक सिंह, छितज कुमार, संतोष कनौजिया, विपिन कुमार, हरिकिशन, सुरेश राठौर, शशि कुमार, कपिल सक्सेना, सुनील सक्सेना, संजीव कुमार, दीपक, रूप किशोर आदि मौजूद रहे। सेवानिवृत्त कर्मचारियों में हरी सिंह, मोहनलाल, हरिकिशन, सुरेश चंद्र, रविन्द्र, नरेश चंद, रामसेवक सहित कई पूर्व कर्मचारी भी आंदोलन में शामिल हुए।

टूंडला ओवरब्रिज के नीचे अतिक्रमण पर चला पुलिस का हंटर

–अवैध होटलनुमा ठेलों और ढकेलों को हटाया गया, दी सख्त चेतावनी।

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर।

टूंडला। टूंडला नगर में लंबे समय से जाम और अव्यवस्था का कारण बने ओवरब्रिज के नीचे फैलते अवैध अतिक्रमण पर बुधवार को पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सख्ती दिखाई। क्षेत्राधिकारी अमरीश कुमार के नेतृत्व में टूंडला थाना प्रभारी ने पुलिस बल के साथ मिलकर मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से लगाए गए ढकेलों, ठेलों और बेंच-टेबल को हटवाया और संबंधित लोगों को दोबारा अतिक्रमण न करने की सख्त चेतावनी दी।

कब्जा कर होटलनुमा रूप दे दिया था ओवरब्रिज के नीचे के हिस्से को

जांच में सामने आया कि ओवरब्रिज के नीचे कुछ लोगों ने ढकेले और ठेले लगाकर उनके सामने बेंच और टेबल रख दिए थे, जिससे पूरा इलाका एक अवैध 'होटल बाजार' में तब्दील हो गया था। यह न सिर्फ सार्वजनिक स्थान पर कब्जा था, बल्कि इससे यातायात व्यवस्था भी चरमरा गई थी।

ऑटो स्टैंड के गायब होते ही बढ़ा अतिक्रमण, चौराहा बनता गया जाम का केंद्र

कुछ समय पूर्व ओवरब्रिज के नीचे बनाए गए ऑटो स्टैंड को बंद कर दिया गया था। इसके बाद क्षेत्र में अतिक्रमण तेजी से बढ़ा और टूंडला चौराहा जाम का स्थायी केंद्र बन गया। आमजन, स्कूली वाहन, एम्बुलेंस व राहगीरों को घंटों जाम में फंसना पड़ता था।

क्षेत्राधिकारी बोले - अब नहीं चलेगा अवैध कब्जा

कार्रवाई के बाद क्षेत्राधिकारी अमरीश कुमार ने स्पष्ट कहा की ओवरब्रिज के नीचे दोबारा किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यदि भविष्य में किसी ने फिर से अवैध कब्जा किया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस द्वारा हटवाए गए अतिक्रमण के दौरान किसी भी प्रकार के विरोध की सूचना नहीं मिली। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए इसे साहसिक कदम बताया।

महिला आयोग की सदस्य की उपस्थिति में राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम सम्पन्न

नेशनल एक्सप्रेस/ ब्यूरो विपिन कुमार।

फिरोजाबाद। नारखी ब्लॉक में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड की अध्यक्षता में आठवें राष्ट्रीय पोषण माह (17 सितंबर से 16 अक्टूबर) के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान महिला आयोग की सदस्य रेनू गौड ने महिलाओं के लिए चल रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार बेटियों के जन्म से लेकर उनकी शिक्षा-दीक्षा तक हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। उनका उद्देश्य महिलाओं को मानसिक, शारीरिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे देश के नव निर्माण में सक्रिय योगदान दे सकें। इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य ने कुछ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की और उन्हें फल वितरित किए।

साथ ही नवजात शिशुओं को अन्नप्राशन कराया गया। इसके अलावा, कक्षा एक में प्रवेश लेने वाले बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर उनके आत्मविश्वास और उत्साह को बढ़ाया गया।महिला आयोग की सदस्य गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय दौंकेली स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में जनसुनवाई भी करेंगी। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मिथलेश, जिला कार्यक्रम अधिकारी केसरी नंदन तिवारी, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नारी के अस्तित्व से ही समाज का कल्याण होता है

लीलावती इंटर कॉलेज पचोखरा में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूंडला। लीलावती इंटर कॉलेज पचोखरा में मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, साइबर जागरूकता और एंटी रोमियो अभियान पर आधारित एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ थानाध्यक्ष पारुल मिश्रा व मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी जया शर्मा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। थानाध्यक्ष पारुल मिश्रा ने बालिकाओं को नारी सुरक्षा, बाल विवाह निषेध और पॉक्सो एक्ट की जानकारी देते हुए कहा कि समाज में भयमुक्त वातावरण के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने छात्राओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को छिपाएँ नहीं, बल्कि तुरंत अपने अभिभावकों या पुलिस को सूचित करें।मिशन शक्ति नोडल अधिकारी जया शर्मा ने कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने 112, 1090, 1098, 102, 108, 181, 101 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए छात्राओं से सजग और आत्मविश्वासी रहने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि "अपराध को छिपाना नहीं, बल्कि उसका विरोध करना ही सच्ची हिम्मत है।" कार्यक्रम में उर्वशी उपाध्याय, गौरव वर्मा, घनश्याम सिंह, निशा बंसल, डिम्पल सहित विद्यालय के शिक्षकगण व छात्राएँ उपस्थित रहीं।

दो करोड़ रुपये की लूट के शीघ्र खुलासे पर पुलिस को किया सम्मानित

सैनिक समाज सेवा संगठन ने प्रभारी निरीक्षक और उनकी टीम को किया सम्मानित

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर (सत्येंद्र सिंह)

शिकोहाबाद। मक्खनपुर थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े हुई दो करोड़ रुपये की लूट का जनपद पुलिस ने खुलासा कर दिया। इतना ही नहीं लूटी गई रकम में से एक करोड़ पांच लाख रुपये बरामद भी कर लिए। इस घटना के शीघ्र खुलासे से पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बुधवार को सैनिक समाज सेवा संगठन के पदाधिकारियों ने कोतवाली पहुंच कर खुलासे में अहम भूमिका निभाने वाले प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार और उनकी टीम को शाल उढ़ाकर और राधा कृष्ण की मूर्ति को प्रतीक चिंह के रूप में देकर सम्मानित किया।

सैनिक समाज सेवा संगठन के जिलाध्यक्ष विशेष कुमार और ई. रामब्रेश यादव के नेतृत्व में लगभग एक दर्जन की संख्या में संगठन के पदाधिकारी बुधवार सुबह कोतवाली पहुंचे। यहां पर उन्होंने कोतवाल अनुज कुमार और उनकी टीम को दो करोड़ की लूट के शीघ्र खुलासे पर बधाई दी एवं उनका और उनकी टीम का शाल उढ़ा कर और प्रतीक चिंह देकर सम्मानित भी किया।

वक्ताओं ने कहा कि पुलिस जब इस तरह के साहसी कार्य करती है तो हमारी जिम्मेदारी बनती है कि उनका हौसला बढ़ाने और प्रोत्साहित करने के लिए उनको सम्मान दें। एसा करने से उन्हें नागरिकों की सुरक्षा का एहसास होगा और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरणा मिलेगी। टीम के सदस्यों ने सभी का आभार व्यक्त किया। सम्मान करने वालों में ध्रुवजीत सिंह, महीपाल सिंह, मुरारीलाल, अवधेश कुमार, अनार सिंह, यशपाल सिंह, रजनीश यादव, बीपी सिंह, प्रेमबाबू, मुकेश बाबू, ओसपाल सिंह, नेत्रपाल सिंह सहित अन्य फौजी मौजूद रहे।

टूंडला स्टेशन का उप मुख्य यातायात प्रबंधक अमित आनंद ने किया निरीक्षण

— दिए तेजी से विकास कार्य पूरे करने के निर्देश।

- टूंडला को मंडल का आदर्श स्टेशन बनाना हमारा लक्ष्य"-अमित आनंद

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद/टूंडला। टूंडला रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों में अब और तेजी आने वाली है। बुधवार को उप मुख्य यातायात प्रबंधक (डीसीटीएम) टूंडला अमित आनंद ने स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में जारी विभिन्न निर्माण एवं सुधार कार्यों की प्रगति का जायज़ा लिया और अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नए प्रवेश और निकास मार्ग को शीघ्र चालू करने, यूटीएस व पीआरएस काउंटरों को नवनिर्मित भवन में

स्थानांतरित करने, तथा प्लेटफॉर्म नंबर 4 सहित अन्य विकास कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के समय मंडल यातायात प्रबंधक पूर्वी गर्ग, सहायक वाणिज्य प्रबंधक ए.के. सिन्हा, ए.डी.ई.एन. टूंडला रेहान शाहिद, ए.एस.सी./सी.आर.पी.एफ. एम.एस. शेखावत, ए.डी.एम.ई. विद्याभूषण, ए.डी.ई.ई.(सामान्य) विजय कुमार, स्टेशन अधीक्षक सुजीत सिंह, वाणिज्य निरीक्षक मनोज कुमार, यातायात निरीक्षक रवि कुमार समेत अन्य शाखा अधिकारी व पर्यवेक्षक मौजूद रहे। अमित आनंद ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य यात्री सुविधा, सुरक्षा और स्टेशन की सुंदरता को केंद्र में रखकर तय समयसीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि टूंडला स्टेशन ऐतिहासिक और व्यस्ततम जंक्शन है, इसलिए इसे मंडल का आदर्श स्टेशन बनाना हम सबकी प्राथमिकता है। रेल प्रशासन की इस सक्रियता से यात्रियों में उत्साह देखा जा रहा है। स्टेशन के सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं के बाद टूंडला स्टेशन का रूप शीघ्र ही निखरता दिखाई देगा।

टूंडला चौराहा बना पेशेवर भिखारियों का अड्डा, चोरी की वारदातें बढ़ीं

नेशनल एक्सप्रेस/क्राइम रिपोर्टर।

फिरोजाबाद/टूंडला। शहर के सबसे व्यस्त इलाके टूंडला चौराहा पर इन दिनों पेशेवर और आदतन भिखारियों का आतंक बढ़ता जा रहा है। खासकर महिलाएं और नाबालिग लड़कियां भीख मांगने की आड़ में राहगीरों को निशाना बना रही हैं। चोरी और जेबकतरी की घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। बताया जा रहा है कि ये भिखारी टूंडला ओवर ब्रिज के नीचे डेरा जमाए हुए हैं।

रात होते ही यह समूह नशे की हालत में हंगामा करते हैं और पास के इलाकों में शांति भंग करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की नाक के नीचे ये लोग बेखौफ अपने अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। हाल ही में एक घटना में, कोचिंग से लौट रही एक छात्रा का पर्स भीड़भाड़ में पार कर लिया गया। छात्रा ने बताया कि पर्स में 1500 रुपए थे। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की मदद से एक संदिग्ध भिखारिन को पकड़ लिया गया, जबकि उसकी साथी फरार हो गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 1500 रुपए बरामद कर लिए और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि टूंडला चौराहा अब सुरक्षित नहीं रहा। ₹पलक झपकते ही गैंग बनाकर राहगीरों का सामान साफ कर देते हैं,₹ एक दुकानदार ने बताया। इस तरह की घटनाएं प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर रही हैं। लोग पूछ रहे हैं कि आखिर इन पेशेवर भिखारियों के खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द टूंडला चौराहा और आसपास के क्षेत्रों में सख्त निगरानी रखी जाए और इन पेशेवर गिरोहों पर कार्रवाई की जाए ताकि आम जनता चैन की सांस ले सके। थाना प्रभारी अंजीश कुमार ने बताया कि अभी तक छात्रा की तरफ़ से कोई तहरीर नहीं दी गई है तहरीर के आधार पर कार्यवाही की जायेंगी।

पुलिस ने अहमदिया समुदाय की 50 साल पुराने इबादतगाह को ध्वस्त किया

लाहौर, (भाषा) पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के दबाव में अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय की 45 साल पुरानी इबादतगाह को कथित तौर पर ध्वस्त कर दिया। समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अहमदिया समुदाय का यह धार्मिक स्थल लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर बहावलनगर में स्थित था। जमात-ए-अहमदिया पाकिस्तान (जेएपी) के अनुसार, कट्टरपंथी पिछले तीन वर्षों से पुलिस पर 1980 में निर्मित इबादतगाह की मीनारों को ध्वस्त करने के लिए दबाव डाल रहे थे। जेएपी ने कहा, ₹चरमपंथियों (तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान का संदर्भ) के दबाव में पुलिसकर्मी इस हफ्ते इबादतगाह पर पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद अहमदिया समुदाय के सदस्यों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए और इबादतगाह की लाइटें बंद कर दीं। संगठन ने कहा, ₹उन्होंने अभियान चलाकर धार्मिक स्थल को ध्वस्त कर दिया। अभियान पूरा करने के बाद उन्होंने मलबा हटा दिया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) देश भर में अहमदिया इबादतगाहों को निशाना बनाने में कथित तौर पर शामिल रहा है। समूह का दावा है कि ये इबादगाहें मुस्लिम मस्जिदों के समान हैं क्योंकि इनमें मीनारें हैं।

दूसरी ओर, संबंधित पुलिस अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने स्थानीय अहमदिया समुदाय के बुजुर्गों को बुलाकर अपने इबादतगाहों की मीनारें स्वयं ही ढहा देने को कहा, क्योंकि इससे इलाके के मुसलमानों की भावनाएं आहत हुई थीं।

उन्होंने कहा, ₹चूंकि अहमदिया लोगों ने निर्देशों का पालन नहीं किया, इसलिए पुलिस को उन्हें ध्वस्त करना पड़ा। जेएपी के प्रवक्ता आमिर महमूद ने पुलिस की गैरकानूनी कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि पंजाब में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जहां पुलिस ने अहमदिया समुदाय की इबादतगाहों की मीनारों को अवैध रूप से ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक, खासकर अहमदिया बेहद असुरक्षित हैं और अक्सर धार्मिक कट्टरपंथियों के निशाने पर रहते हैं।

पाकिस्तान में आतंकवादियों के साथ संघर्ष में लेफ्टिनेंट कर्नल, मेजर सहित 11 सैनिक मारे गए

पेशावर, (भाषा) पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तालिबान आतंकवादियों के साथ संघर्ष में एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक मेजर सहित कम से कम 11 सैन्यकर्मी मारे गए। सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी।

सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि मंगलवार रात ओरकजई जिले में अभियान के दौरान 'फितना अल-खवारिज' के 19 आतंकवादी भी मारे गए। पाकिस्तान सरकार ने पिछले वर्ष प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को फितना अल-खवारिज के रूप में अधिसूचित किया था। आईएसपीआर के बयान में कहा गया है कि ₹फितना अल-खवारिज₹ से जुड़े आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने सात-आठ अक्टूबर की मध्य रात्रि को अभियान संचालित किया था।

इसमें कहा गया है कि 39 वर्षीय लेफ्टिनेंट कर्नल जुनैद तारिक, जो मोर्चे पर अपने सैनिकों का नेतृत्व कर रहे थे और उनके सहयोगी कमांडर मेजर तैय्यब राहत (33) अपने नौ अन्य साथियों के साथ मारे गए।

बयान में कहा गया है कि क्षेत्र में तलाश अभियान संचालित किया जा रहा है और वहां मौजूद आतंकवादियों के पूर्ण सफाए के प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने ओरकजई जिले में सुरक्षा बलों की साहसी कार्रवाई की सराहना की।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि जरदारी ने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। बयान में उनके हवाले से कहा गया, ''पूरा देश अपनी सशस्त्र सेनाओं के साथ है।'' प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बयान में सैनिकों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि सुरक्षा बलों के निडर सपूतों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों के नापाक इरादों को कुचल देगा। उन्होंने कहा, ₹हम पाकिस्तान की अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को कामयाब नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार देश से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए दृढ़ है। वहीं खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने मारे गए सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

भारत के साथ युद्ध की संभावना वास्तविक है : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री

इस्लामाबाद, (भाषा) पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी है कि ''भारत के साथ युद्ध की संभावनाएं वास्तविक हैं'' और दावा किया कि भविष्य में किसी भी सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में उनका देश और भी बड़ी सफलता हासिल करेगा।

आसिफ ने यह टिप्पणी मंगलवार को 'समा टीवी' को दिए एक साक्षात्कार में की, जब एंकर ने उनसे भारतीय राजनेताओं और शीर्ष सैन्य अधिकारियों के हालिया बयानों के बारे में पूछा। मंत्री ने कहा कि सशस्त्र टकराव का खतरा है तथा पाकिस्तान सतर्क है और स्थिति पर नजर रख रहा है। एक सवाल के जवाब में आसिफ ने कहा, ''भारत के साथ युद्ध की संभावनाएं वास्तविक हैं।''उन्होंने दावा किया कि भारत के साथ युद्ध की स्थिति में पाकिस्तान को अधिक अनुकूल परिणाम मिलने की संभावना है। आसिफ ने कहा, ''मैं तनाव नहीं बढ़ाना चाहता, लेकिन जोखिम वास्तविक हैं, और मैं इससे इनकार नहीं कर रहा। अगर युद्ध की नौबत आई, तो ईश्वर की कृपा से हम पहले से बेहतर परिणाम प्राप्त करेंगे।'

'उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के समर्थक और सहयोगी छह महीने पहले की तुलना में अब ज्यादा हैं, जबकि दावा किया कि भारत ने उन देशों का भी समर्थन खो दिया है जो मई में हुए संघर्ष से पहले उसके पक्ष में थे। हालांकि, आसिफ ने इस श्रेणी में किसी भी देश का नाम लेने से परहेज किया।

आसिफ ने यह भी दावा किया कि मुगल बादशाह औरंगजेब के शासनकाल को छोड़कर, भारत कभी भी एकजुट राष्ट्र नहीं था और पाकिस्तान अल्लाह के नाम पर बनाया गया था और मई में हुए संघर्ष के दौरान कई आंतरिक मुद्दों के बावजूद वह एकजुट रहा। उन्होंने कहा, ''घर में हम बहस करते हैं और प्रतिस्पर्धा करते हैं। भारत के साथ लड़ाई में हम एकजुट होते हैं।'' भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि अगर वह विश्व मानचित्र पर बना रहना चाहता है तो उसे सरकार प्रायोजित आतंकवाद का समर्थन करना बंद करना होगा।

इसके अलावा, एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय हमलों में अमेरिकी एफ-16 जेट सहित कम से कम एक दर्जन पाकिस्तानी सैन्य विमान नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम में कहा था कि भारत अपने नागरिकों की रक्षा और अपनी एकता व अखंडता की रक्षा के लिए, जब भी आवश्यक हो, किसी भी सीमा को पार कर सकता है।

सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को रसायन का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम, (एपी) वैज्ञानिकों सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉब्सन और उमर एम याघी को 1989 से धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास में उनके कार्यों के लिए इस साल रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

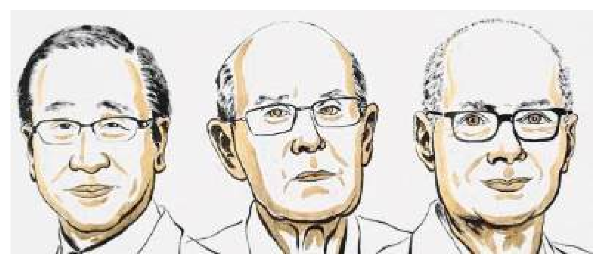

नोबेल समिति ने कहा कि तीनों वैज्ञानिकों ने 'आणविक ढांचे का एक नया प्रारूप विकसित किया है'। समिति ने कहा, ''उन्होंने बड़े स्थानों के साथ आणविक संरचनाएं बनाई हैं, जिनके माध्यम से गैसें और अन्य रसायन प्रवाहित हो सकते हैं।''

रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने बुधवार को रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार की घोषणा की। रॉब्सन (88) ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न विश्वविद्यालय से, 74 वर्षीय कितागावा जापान के क्योतो विश्वविद्यालय से और 60 वर्षीय याघी कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से संबद्ध हैं। इन रसायन विज्ञानियों ने, अलग-अलग काम करते हुए, 1989 से चले आ रहे अनुसंधान में एक-दूसरे की सफलताओं को जोड़ते हुए, स्थिर धातु-कार्बनिक ढांचे बनाने के तरीके ईजाद किए - जिनकी तुलना किसी घर के लकड़ी के ढांचे से की जा सकती है। ये ढांचे गैसों को अवशोषित कर सकते हैं और इन ढांचों के अंदर रख सकते हैं, जिनके आज कई व्यावहारिक अनुप्रयोग हैं - जैसे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करना या शुष्क रेगिस्तानी हवा से पानी सोखना। रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के अध्यक्ष हेनर लिंके ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''धातु-कार्बनिक ढांचों में अपार क्षमता है, जो नए कार्यों के साथ कस्टम-निर्मित सामग्रियों के लिए पहले से अप्रत्याशित अवसर प्रदान करते हैं।''रसायन विज्ञान के लिए नोबेल समिति के सदस्य ओलोफ रामस्ट्रोम ने तीनों की खोज को काल्पनिक ''हैरी पॉटर'' शृंखला में हरमाइन ग्रेंगर के जादुई हैंडबैग के समान बताया, जो बाहर से छोटा लेकिन अंदर से बहुत बड़ा था।

कितागावा ने अपने नाम की घोषणा के बाद बुधवार को फोन पर समिति और प्रेस से बातचीत की। उन्होंने कहा, ''मैं बहुत सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं कि मेरे इतने लंबे समय से जारी अनुसंधान को मान्यता दी गई है।''

यह इस साल घोषित तीसरा नोबेल पुरस्कार है। इससे पहले सोमवार को चिकित्सा और मंगलवार को भौतिकी के नोबेल पुरस्कार विजेताओं के नाम घोषित किए गए। इस वर्ष के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा बृहस्पतिवार को साहित्य पुरस्कार के साथ जारी रहेगी। शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के पुरस्कार की घोषणा सोमवार को की जाएगी। पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा जो इन पुरस्कारों के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि है। नोबेल एक धनी स्वीडिश उद्योगपति और डायनामाइट के आविष्कारक थे। उनका निधन 1896 में हुआ था।

साल 1901 से 2024 के बीच 195 व्यक्तियों को रसायन के नोबेल सम्मान से नवाजा जा चुका है। इस दौरान 116वीं बार यह पुरस्कार प्रदान दिया जाएगा। वर्ष 2024 का पुरस्कार सिएटल स्थित वाशिंगटन विश्वविद्यालय के जैव रसायन शास्त्री डेविड बेकर और लंदन स्थित ब्रिटिश-अमेरिकी कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान प्रयोगशाला, गूगल डीपमाइंड के कंप्यूटर वैज्ञानिक डेमिस हसाबिस और जॉन जम्पर को दिया गया था। तीनों को जीवन के आधार, नए प्रोटीनों को डिकोड करने और डिजाइन करने की शक्तिशाली तकनीकों की खोज के लिए सम्मानित किया गया था। उनके काम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित उन्नत तकनीकों का उपयोग किया गया था और इसमें नयी दवाओं और अन्य सामग्रियों के निर्माण के तरीके को बदलने की क्षमता है। साल 2025 के पहले नोबेल पुरस्कार की घोषणा सोमवार को की गई। इसके तहत चिकित्सा का पुरस्कार मैरी ई. ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और डॉ. शिमोन साकागुची को परिधीय प्रतिरक्षा सहिष्णुता से संबंधित उनकी खोजों के लिए दिए जाने की घोषणा की गई।

खेल एक्सप्रेस

संक्षिप्त खबरें

बल्लेबाजों की मददगार होगी पिच, तीसरे दिन से पहले नहीं मिलेगा टर्न

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत और वेस्टइंडीज के बीच अरूण जेटली स्टेडियम पर होने वाले दूसरे और आखिरी टेस्ट में पहले दो दिन पिच बल्लेबाजों की मददगार रहने की उम्मीद है और तीसरे दिन से इस पर टर्न मिल सकता है । आम तौर पर कोटला की काली मिट्टी की पिच बल्लेबाजों की मददगार रहती है लेकिन बाद में धीरे धीरे स्पिनरों को मदद मिलने लगती है । इस टेस्ट के लिये ताजा पिच तैयार की गई है और शुरूआत में बल्लेबाजों का दबदबा रह सकता है । बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया ,'' मुख्य पिच टेस्ट के लिये तैयार की गई है । यह उस पिच से अलग है जिस पर स्मृति मंधाना ने 50 गेंदों में शतक बनाया था ।'' अधिकारी के अनुसार क्यूरेटरों ने जान बूझकर शुरूआती चरण के लिये उछालभरी पिच बनाई है । सूत्र ने कहा ,'' वेस्टइंडीज अगर बेहतर बल्लेबाजी करता है तो मैच तीन दिन के भीतर खत्म नहीं होगा । पिच से तीसरे दिन के बाद ही टर्न मिलेगी ।'' पिच स्थानीय क्यूरेटर अंकित दत्ता ने बनाई है जिसे बीसीसीआई के सीनियर क्यूरेटर तापस चटर्जी और अभिषेक भौमिक अंतिम रूप दे रहे हैं ।

भारतीय वनडे टीम दो जत्थों में 15 अक्टूबर को आस्ट्रेलिया रवाना होगी

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय एक दिवसीय क्रिकेट टीम दो अलग अलग जत्थों में 15 अक्टूबर को दिल्ली से आस्ट्रेलिया रवाना होगी और यात्रा का अंतिम कार्यक्रम टिकटों की उपलब्धता और व्यवस्था पर निर्भर करेगा । भारत को आस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलने हैं । बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार खिलाड़ियों का एक समूह सुबह रवाना होगा जबकि अगला समूह शाम को जायेगा । लंबी दूरी की उड़ान के लिये बिजनेस श्रेणी के टिकटों की उपलब्धता पर यह निर्भर करेगा । पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली और उपकप्तान श्रेयस अय्यर टीम की रवानगी से पहले दिल्ली में टेस्ट टीम के सदस्यों से जुड़ेंगे । एक सूत्र ने बताया ,'' विराट और रोहित रवानगी के दिन या एक दिन पहले दिल्ली पहुंचेंगे ।'' टीम यहां से पर्थ रवाना होगी जहां 19 अक्टूबर को पहला वनडे खेला जाना है । अगर अभी चल रहे घरेलू या अंतरराष्ट्रीय मैच समय से पहले खत्म हो जाते हैं तो वनडे टीम में शामिल खिलाड़ियों को अपने घर जाने के लिये छोटा ब्रेक मिल सकता है । भारतीय टीम 10 से 14 अक्टूबर तक दिल्ली में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा और आखिरी टेस्ट खेलेगी । चयनकर्ताओं ने एक बड़े फैसले में रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को वनडे टीम की कप्तानी सौंपी है । विराट और रोहित हालांकि टीम का हिस्सा हैं । इस बीच मुख्य कोच गौतम गंभीर ने पूरी टीम को राजिंदर नगर स्थित अपने आवास पर डिनर के लिये आमंत्रित किया है ।

भारत में ईपीएल की वैश्विक पहुंच सिर्फ लीग के लिए ब्रांडिंग से कहीं अधिक है।

प्रीमियर लीग अपनी जिम्मेदारी बहुत गंभीरता से लेती है और बेहतरीन काम करती है

नयी दिल्ली, (भाषा) दिग्गज फुटबॉलर माइकल ओवेन ने कहा है कि इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) खेल को बढ़ावा देने और अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से भारत जैसे देशों में खेल के पुनरुत्थान पर काम करने की जिम्मेदारी को बहुत गंभीरता से लेती है। प्रीमियर लीग दुनिया के इस हिस्से में बेहद लोकप्रिय है लेकिन भारत और यूरोपीय क्लबों के बीच पिछले कुछ वर्षों में बढ़ते सहयोग ने यह भावना पैदा की है कि देश का इस्तेमाल तेजी से पैसा कमाने के लिए किया जा रहा है। लेकिन ओवेन के अनुसार भारत में ईपीएल की वैश्विक पहुंच सिर्फ लीग के लिए ब्रांडिंग से कहीं अधिक है।

ओवेन ने बुधवार को पीटीआई से बातचीत के दौरान कहा, ''जाहिर है भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देशों में, जहां फुटबॉल के लिए जबर्दस्त जुनून है और प्रीमियर लीग के लिए के काफी प्रशंसक हैं, वहां यह जरूरी है कि हम ये कार्य करें और लोगों तक पहुंचे, आएं और अपने प्रशंसकों तथा भारतीय प्रशंसकों के जुनून को देखें।''

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें बहुत कुछ करना है। मुझे लगता है कि बहुत कुछ किया जा सकता है। मुझे लगता है कि प्रीमियर लीग इस जिम्मेदारी को बहुत गंभीरता से लेती है और मुझे लगता है कि हम बहुत अच्छा काम करेंगे।'' ईपीएल ने प्रशंसकों की भागीदारी और देश में लीग तथा उसके क्लबों के विकास को बढ़ावा देने के लिए मुंबई में अपना कार्यालय स्थापित किया है जो भारत में उसका पहला कार्यालय है। ओवेन 'प्रीमियर लीग इंडिया एंगेजमेंट वीक' के लिए देश में हैं। उन्होंने कहा, ''बेशक प्रीमियर लीग की इसमें बहुत बड़ी भूमिका है। यह शायद दुनिया की सबसे बड़ी लीग है, दुनिया की सबसे अच्छी लीग है। दुनिया में सबसे अधिक लोग इसे देखते हैं।''ओवेन ने कहा, ''मुझे लगता है कि ऐसे आदर्श और लोग होना जरूरी है जिन्हें युवा बच्चे अपना आदर्श मान सकें। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छी बात है कि प्रीमियर लीग में दुनिया भर के खिलाड़ी खेलते हैं। प्रीमियर लीग में 120 से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व है।''ईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी शुरुआती दिन हैं लेकिन ओवेन अपने पूर्व क्लब और मौजूदा चैंपियन लीवरपूल या आर्सेनल के मौजूदा सत्र का खिताब जीतने का अनुमान लगा रहे हैं।

इंग्लैंड और लीवरपूल के इस 45 वर्षीय पूर्व स्टार खिलाड़ी ने कहा, ''लीवरपूल, आर्सेनल। हां, सत्र की शुरुआत में मेरा यही क्रम था। मैं थोड़ा नर्वस हूं। हो सकता है कि इसका उल्टा भी हो क्योंकि आर्सेनल इस समय बहुत मजबूत दिख रहा है। लेकिन हां, अभी लंबा रास्ता तय करना है। मुझे लगता है कि वे इस सत्र की सबसे बेहतरीन टीम हैं। उनके पास इसे जीतने का सबसे अच्छा मौका है।''

उन्होंने कहा, ''और हां, अगर लीवरपूल पिछले सत्र की तरह अच्छा खेलता है तो मुझे लगता है कि वे इसे जीतेंगे। लेकिन इस समय कुछ छोटी-मोटी समस्याएं हैं। हो सकता है कि आर्सेनल इसका फायदा उठाए। मुझे नहीं पता।''

जडेजा से प्रेरित हर्ष दुबे भारत के लिए खेलना चाहते हैं

मुंबई, (भाषा) रणजी ट्रॉफी में एक सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज और रविंद्र जडेजा के प्रशंसक हर्ष दुबे भारत का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं लेकिन विदर्भ के इस स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर को राष्ट्रीय टीम में शामिल होने की कोई जल्दी नहीं है।

दुबे ने पिछले सत्र में भारत की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता में बिहार के आशुतोष अमन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और सत्र में सबसे अधिक 69 विकेट लेकर इतिहास रच दिया था। दुबे इस साल की शुरुआत में भारत ए के इंग्लैंड दौरे का हिस्सा थे लेकिन उनका कहना है कि हर सत्र में सुधार करना उनके लिए सबसे जरूरी है क्योंकि वह राष्ट्रीय टीम के लिए जडेजा की उपलब्धियों को दोहराना चाहते हैं।

दुबे ने सिएट क्रिकेट रेटिंग अवार्ड्स में मीडिया से कहा, ''जब से मैंने क्रिकेट को समझना शुरू किया है तब से मैं रविंद्र जडेजा का अनुसरण कर रहा हूं और जब मैंने क्रिकेट को ठीक से समझना शुरू किया तो उनका प्रदर्शन अपने चरम पर पहुंच गया।'' उन्होंने कहा, ''मैं बचपन से ही उन्हें आदर्श मानता रहा हूं लेकिन उससे पहले मैं युवराज (सिंह) सर और सचिन (तेंदुलकर) सर को अपना आदर्श मानता था।''दुबे ने कहा, ''मेरा ध्यान हमेशा इस बात पर रहता है कि मैं पूरे सत्र में क्या गलतियां कर रहा हूं और फिर मैं उन्हें कैसे सुधार सकता हूं और अगले सत्र में कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकता हूं।''पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलने वाले 23 वर्षीय दुबे ने कहा कि लाल गेंद का क्रिकेट उनका पसंदीदा प्रारूप है ।उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो मुझे लाल गेंद (क्रिकेट) सबसे अधिक पसंद है लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि मुझे सफेद गेंद (प्रारूप) पसंद नहीं है। मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।'' पिछले रणजी सत्र में पांच अर्धशतक के साथ 476 रन बनाने वाले दुबे ने कहा कि वह ऑफ-सत्र के दौरान एक बल्लेबाज के रूप में बेहतर होने के लिए और अधिक प्रयास कर रहे हैं।

निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी ।

महिला विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत को शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर

विशाखापत्तनम, (भाषा) भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में बृहस्पतिवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा । भारत अंकतालिका में दूसरे स्थान पर है लेकिन अगर आस्ट्रेलिया बुधवार को कोलंबो में पाकिस्तान को हरा देती है तो भारत तीसरे स्थान पर खिसक जायेगा ।

भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है । तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देयोल, अमनजोत कौर , रिचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला । श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिये थे । निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी ।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा । अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी

टीम पर दबाव रहेगा ।

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है । लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है ।

दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है । उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए . वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला । तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं ।

बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी । फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी । दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की । वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी ।

शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्ज और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लौरा वोल्वार्ट, मरियाने काप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी । गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, काप, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी ।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मरियाने काप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

नेशनल एक्सप्रेस
हर खबर समय पर
FRONT PAGE 2

"संस्कृत में विशिष्ट शोध और उच्च अध्ययन करने वाले बच्चों के लिए भी विशिष्ट छात्रवृत्ति जारी की जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि संस्कृत में पढ़ने-पढ़ाने और शोध को बढ़ाने वाले विद्यार्थियों के साथ अच्छे विद्वान भी आगे बढ़ा सकें।"

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

दयाशंकर सिंह लखनऊ में बहुभाषी न्यूज एजेंसी "हिंदुस्थान समाचार द्वारा आयोजित इमरजेंसी के 50 साल" कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार सुरेश राणा, महापौर, लखनऊ श्रीमती सुषमा खर्कवाल, प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा, उत्तर प्रदेश मनीष शुक्ला अन्य गणमान्यजनों के साथ सम्मिलित हुए।

गीता हमें ज्ञान ,कर्म, उपासना और वैराग्य का बोध कराती है: महंत ईश्वर दास ब्रह्मचारी

दुनिया ने गीता के महत्व को जाना और पूजा, किंतु भारत में ही उपेक्षित है : डॉ उमेश पालीवाल

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

(फर्रुखाबाद) श्रीमद्भागवत गीता वैदिक न्यास द्वारा विकास दिवस सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्याम नगर फर्रुखाबाद में श्रीमद्भागवत गीता वैदिक न्यास द्वारा विशाल संगोष्ठी का आयोजन संत शिरोमणि ईश्वर दास ब्रह्मचारी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. उमेश पालीवाल राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि श्री परमानन्द शुक्ला राष्ट्रीय महामंत्री थे।

कार्यक्रम के आयोजन श्री गौरव अग्रवाल प्रबंधक सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज एवं संयोजक श्री अनुराग अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष भारतीय वैश्य ग्लोबल फाउंडेशन उत्तर प्रदेश एवं सर्व व्यवस्था प्रमुख डॉ. संदीप कुमार चतुर्वेदी प्रधानाचार्य प्रदेश अध्यक्ष सामाजिक चेतना मंच-प्रदेश महामंत्री उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद तथा एड राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी प्रदेश अध्यक्ष महाधिवक्ता संघ उत्तर प्रदेश, श्री वीरेन्द्र सिंह राठौर (प्रदेश सह संयोजक सैनिक प्रकोष्ठ) भाजपा, श्रीमती आकांक्षा सक्सेना (कोषाध्यक्ष) श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान के द्वारा सम्पन्न कराया गया। विद्वान गीता मनीषियों द्वारा कहा गया कि गीता विश्व का सर्वश्रेष्ठ धार्मिक ग्रंथ है। विश्व में भौतिकवाद चरण सीमा पर है श्रीमद् भागवत गीता में दिए भगवान श्रीकृष्ण के विचारों द्वारा समाज का जागरण निश्चित ही रामबाण सिद्ध होगा। हजारों वर्षों से जीवन जीने की कला सिखाने वाली विश्व को श्रेष्ठतम ज्ञान देने वाली श्रीमद्भागवत गीता जिसमें विश्व के प्राचीनतम ग्रंथों और वेदों व उपनिषदों का सार है भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गीता में दिए गए अमूल्य विचारों द्वज़रा व्यक्ति निर्माण परिवार निर्माण तथा समाज का निर्माण होगा तभी वैभवशाली राष्ट्र का निर्माण परिवार निर्माण होगा। गीता विश्व का प्राचीनतम ग्रंथ तथा सनातन ग्रंथ का मूल आधार है। गीता पढ़ने से नहीं बल्कि उसको जीवन में उतारने से ही मानव का कल्याण होगा। कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि श्रीमद्भगवत गीता वैदिक न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उमेश अग्रवाल ने कहा कि श्रीमद्भगवत गीता अन्तर्राष्ट्रीय ज्ञान ग्रंथ है। गीता ज्ञान शरीर और बुद्धि को शुद्ध कर महान बनने का मंत्र है कोई ऐसा देश नहीं जहां श्रीमद् भागवतगीता न हो। परंतु दुर्भाग्य से जहां गीता का उद्भव हुआ उसी भारत वर्ष में गीता उपेक्षित है। आज समय की आवश्यकता है कि हम गीता का प्रचार प्रसार करे, गीता का पाठ अवश्य करे। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय सचिव महामंत्री परमानन्द शुक्ला ने कहा कि गीता पढ़ने से किसी से वैरभाव नहीं रखने व अनन्य भक्ति का अनुभव होता है। महाभारत युद्ध के पूर्व श्रीकृष्ण द्वारा दूत बनकर समझौता कराने का प्रयास किया। पाण्डवों के लिए पांच गांव मांगे। दुर्योधन ने वो भी नहीं दिए। तब महाभारत हुआ। गीता ऐसा महान ग्रंथ है जिसका उद्भव युद्ध के दौरान हुआ। गीता हमें अमृता का ज्ञान कराती है, आत्म और परमात्मा का बोध कराती है गीता हमें सूरवीर, निर्भीक और जीवन जीने की कला का उद्देश्य देती है।

कार्यक्रम अध्यक्षता करते हुए दुवषि ऋषि आश्रम के महंत ईश्वरदास ब्रह्मचारी जी महाराज ने कहा कि गीता

हमें ज्ञान, कर्म, उपासना और वैराग्य का वास्तविक बोध कराती है तथा ईश्वर जीव और प्रकृति के पारस्परिक संबंधों का बोध कराती है तथा गीता हमें लोक, परलोक, सत्य, असत्य तथा अपने-पराये का बोध कराती है गीता हमें स्वर्ग, नरक, यश, अपयश का रास्ता बताती है। सर्व व्यवस्था प्रमुख एवं प्रधानाचार्य परिषद के प्रदेश महामंत्री डॉ. संदीप कुमार चतुर्वेदी ने अतिथियों का शब्दों से स्वागत करते हुए सभी का परिचय कराया। उन्होंने कहा कि गीता कर्म प्रधान जीवन बनाती है। गीता विश्व का सर्वश्रेष्ठ धार्मिक ग्रंथ होने के साथ ही हमें प्रेरणा देती है कि हमें कर्म को महत्व दें फल ही अवश्य मिलेगा। लेकिन आज इंसान कर्म करने से पहले फल के बारे में विचार करता है। जो कर्म फल के लिये करता है वास्तव में उसे फल मिलता है और न ही वो कर्म कर पाता है। उन्होंने कहाकि महाभारत युद्ध में कृष्ण भगवान यह दिखाना चाहते है कि पाप की हार होती है। और सत्य की जीत होती है।

गीता में कहा गया है कि जो हुआ वो अच्छा हुआ, जो होगा वह अच्छा होगा, तुम्हारा क्या गया जो तुम रोते हो, तुम क्या लाए ये जो तुमने खो दिया। वरिष्ठ कवि महेश पाल सिंह उपकारी ने कहा कि मानव जीवन को गीता जीवन जीने की कला सिखाती है। आत्मा अजर अमर है। श्रीमद्भगवत गीता व श्रीरामचरित्र मानस में नौ अक्षर बनते है जब भी धर्म की हानि होती है तब भगवान का अवतरण होता है। कुलपति डॉ. रंगनाथ मिश्र ने गीता से जुड़े कई प्रंसगों की चर्चा करते हुए कहा कि गीता पढ़ने से बल्कि जीवन में आत्मसात करने से ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रो. रामबाबू मिश्र रत्नेस ने कहाकि श्रीमद्भागवत गीता का उद्भव महाभारत युद्ध से हुआ। मन को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। गीता के महान विद्वान आचार्य श्यामजी प्रवर ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गता के माध्यम से संसार को कर्म और ज्ञान की शिक्षा दी। फर्रूखाबाद जनपद में पचास वर्ष से श्रीमद् भागवतगीता का प्रचार-प्रसार हो रहा है। गीता की सार्थकता भी है और हमेशा रहेगी। भारत आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बिंदु है। आकांक्षा सक्सेना ने कहा कि गीता का पढ़न-पाठन करना युवाओं के लिए आवश्यक है गीता हमें कर्म करने की प्रेरणा देती है भगवान श्रीकृष्ण ने उपदेशों के माध्यम से अर्जुन को कर्म करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर श्वेता दुबे ने कहा कि गीता हमें कर्म की प्रधानता की शिक्षा देती है। इस अवसर पर संतोष त्रिपाठी, प्रो. रामबाबू मिश्र, आकांक्षा सक्सेना, डॉ. विनोबा तिवारी, राजेन्द्र त्रिपाठी, वीरेन्द्र मिश्र, अनुराग अग्रवाल, संस्कार भारती के अध्यक्ष अनिल प्रताप सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह रघुवंशी, वीरेन्द्र सिंह राठौर, डॉ. रविन्द्र गुप्ता, वैभव सोमवंशी, डॉ. राजेश, संजय गर्ग, अवनीश कुमार, रामजी वाजपेयी, राजेश निराला, यशपाल यादव आदि एक सैकड़ा से अधिक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन अंजुम दुबे ने किया। अध्यक्षता स्वामी ईश्वरदास ब्रह्मचारी ने की। कार्यक्रम के संयोजक अनुराग अग्रवाल ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा कवि वैभव सोमवंशी, अनुराग अग्रवाल, डॉ. संदीप चतुर्वेदी आदि की अहम भूमिका रही।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत रोहतक में उद्योगपति व समाजसेवी मनमोहन गोयल के घर पारिवारिक मिलन में पधारे

प्रमुख समाजसेवी उद्योगपतियों से मिलकर पुरानी यादों से जुड़े

(नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो)

रोहतक विगत दिवस गुजरात व महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल रोहतक के उद्योगपति व समाजसेवी मनमोहन गोयल के आवास पर विशेष अनौपचारिक सौहार्दपूर्ण पारिवारिक मिलन में पधारे।

इस अवसर पर श्री गोल परिवार की ओर से उनके सम्मान में स्वल्पाहार पारिवारिक वातावरण में प्रीत भोज का आयोजन भी का आयोजन भी संपन्न हुआ, इस अवसर पर श्री मनमोहन गोयल ने कहा कि यह हमारे वहां रोहतक के लिए गर्व एवं सौभाग्य का अवसर रहा कि महाराष्ट्र एवं गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत जी मेरे निवास स्थान पर पधारे। यह सौहार्दपूर्ण मिलन के दौरान रोहतक के उद्योगपति व समाजसेवी श्री जगमोहन मित्तल जगमोहन मोटर्स ग्रुप प्रोफेसर विपिन गुप्ता, तथा समाजसेवी सुभाष गुप्ता सहित कई प्रमुख हस्तियां उनके गरिमामयी आगमन पर परिवारजनों एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ सादगीपूर्ण भोजन में सहभागिता करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ मन में राज्यपाल ने सभी, महामहिम राज्यपाल देवव्रत जी ने सभी के साथ अपने इस सौहार्द पूर्ण मिलन को सामाजिक समरसता और भाईचारे के रूप में एक नया अध्याय जोड़ा।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने मुंबई में यशराज फिल्म्स स्टूडियो का दौरा किया

मुंबई, (भाषा) ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बुधवार को मुंबई के उपनगर अंधेरी स्थित यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) स्टूडियो का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि वाईआरएफ सहित प्रमुख भारतीय प्रोडक्शन हाउस ब्रिटेन में विभिन्न स्थानों पर फिल्में बनाएंगे।

भारत के दो दिवसीय दौरे पर आए स्टार्मर के साथ ब्रिटिश फिल्म उद्योग का एक प्रतिनिधिमंडल भी आया था, जिसमें ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट, ब्रिटिश फिल्म आयोग, पाइनवुड स्टूडियो, एल्स्ट्री स्टूडियो और सिविक स्टूडियो के प्रतिनिधि शामिल हैं। लंदन से सुबह मुंबई पहुंचे स्टार्मर भारी सुरक्षा के बीच वाईआरएफ स्टुडियो पहुंचे।

निजी पानी टैंकरों पर एनजीटी प्रतिबंध अनुचित और अव्यवहारिक: डॉ. जौली

नई दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली भाजपा पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 28 मई 2025 के न्यायिक आदेश पर आपत्ति दर्ज की। जिसमें दिल्ली में निजी पानी के टैंकरों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। डॉ. जौली ने इसे अनुचित व अव्यवहारिक बताया क्योंकि दिल्ली जल बोर्ड द्वारा दिल्ली के 2.23 करोड़ नागरिकों को अपर्याप्त मात्रा में पानी की आपूर्ति हो रही है। डॉ. जौली ने बताया कि दिल्ली में पानी की मांग 1,290 गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) है। लेकिन दिल्ली जल बोर्ड केवल 990 एमजीडी पानी की आपूर्ति कर पाता है। इस कमी को निजी पानी के टैंकर पूरा करते हैं। निजी टैंकरों पर प्रतिबंध से दिल्ली में भ्रष्टाचार व

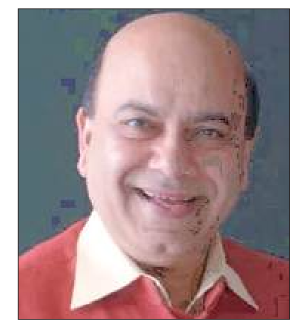

बेरोजगारी बढ़ेगी। भाजपा नेता डॉ. जौली ने आगे कहा कि दिल्ली की 1,731 अनधिकृत कॉलोनियों में 50 लाख गरीब नागरिक रहते हैं। दिल्ली जल बोर्ड उनकी पीने के पानी की मांग को पूरा करने में असमर्थ है। दि.ज.बो. का पानी टैंकर मांग के 3 से 4 दिनों के उपरांत उपलब्ध होता रहा है। लेकिन दिल्ली जल बोर्ड द्वारा हाल ही में शुरू की गई 1,111 जीपीएस-सक्षम जल टैंकरों की योजना को डॉ. जौली ने सराहा। लेकिन उन्होंने इसे दिल्ली में पानी की मांग और आपूर्ति के अंतर को पाटने के लिए बहुत कम और अपर्याप्त बताया। डॉ. जौली ने निजी जल टैंकरों को दिल्ली की जीवन रेखा कहा। यह न केवल अमीर और गरीब की प्यास बुझाते हैं अपितु दिल्ली के निर्माण कार्यों में भी अथक मदद करते हैं। इस लिए दिल्ली में बिना पर्याप्त जलापूर्ति की व्यवस्था किये, एनजीटी के हालिया आदेश को डॉ. जौली ने अनुचित व अव्यवहारिक करार दिया। डॉ. जौली ने दिल्ली सरकार से इस मामले पर तुरंत संज्ञान लेने तथा हस्तक्षेप करने की मांग भी की।

सभी भाषाओं की कोशिका है संस्कृत : राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल

संस्कृत के ज्ञान के बिना भारत को जानना नही है पूर्ण सम्भव मुख्य अतिथि श्रीमान गजेन्द्र सिंह शेखावत (केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री भारत सरकार) भारतीय संस्कृति, संस्कृत एवं संस्कार को वैश्विक स्तर स्थापित करने का प्रयास कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा।यह विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केन्द्र ही नहीं बल्कि पाली, प्राकृत जैसी प्राचीन विधाओं के प्रचार-प्रसार में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह विश्वविद्यालय ऐसा संस्थान है जहाँ न केवल भारतीय युवा अपितु अन्य देशों के छात्र एवं युवा यहाँ अध्ययनरत है। वर्तमान में यहाँ युकेन, पोलैण्ड, जर्मनी, इटली, इग्लैड, भूटान, नेपाल, स्पेन, म्यामार एवं श्रीलंका के छात्र यहाँ अध्ययनरत है। यह तथ्य अपने में गौरवपूर्ण विषय है कि यह संस्थान केवल शिक्षा ही नहीं देता अपितु भारतीय संस्कृति ज्ञान परम्परा का प्रचार-प्रसार करने में भी अग्रसर है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास न केवल शिक्षा का विस्तार करता है बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा का एक वैश्विक संस्थान है।उक्त विचार बुद्धवार को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य भवन में आयोजित 43वें दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता करते हुये कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल ने कही। उन्होंने संस्कृत एवं संस्कृति के महत्व पर विस्तार से चर्चा करते हुये कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा भारत के सुदूर प्रान्तों में संस्कृत विद्यालयों की मान्यता देकर स्थानीय लोगों को पालि, दर्शन, बौद्धदर्शन, प्राकृत, जैनदर्शन और संस्कृत विद्या में शिक्षित एवं लाभान्वित करने का काम भी कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ऑन लाईन संस्कृत पाठ्यक्रम ज्ञान के वैश्विक प्रसार का माध्यम बन चुका है। यह प्रसन्नता का विषय है कि ऑन लाईन प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से केवल संस्कृत भाषा का ज्ञान ही नहीं बल्कि कर्मकाण्ड, योग, मंदिर प्रबन्धन आदि की भी शिक्षा दी जा रही है। यह केवल भारत में ही नही बल्कि भारत के सीमा के पार अन्य देशों में भी विस्तार कर रही है। विश्वविद्यालय का यह प्रयास विश्व को वसुधैव कुटुम्बकम्‌की भावना को साकार कर रहा हैं। संस्कृत केवल एक भाषा नहीं बल्कि ज्ञान, विज्ञान और चेतना का आधार है। यह केवल भाषा ही नहीं बल्कि युगों पहले मानवतावाद, परमाणुवाद सौरमण्डल के ग्रहों का विचरण आदि के ज्ञान से विश्व को परिचित कराया। आज आवश्यकता है कि संस्कृत में छिपे इन रत्नों का सरल भाषा में विश्व के आम जनमानस तक पहुंचाया जाय। उन्होंने विश्वविद्यालय के आचार्यों से आवहान करते हुये कहा कि संस्कृत की इस ज्ञान गंगा को घर-घर तक पहुंचाया जाय, संस्कृत भाषा सनातन संस्कृति के कारण विश्व को शांति का संदेश पहुंचा रहा है। यही संस्कृत है जिसने विविधता में एकता के सूत्र को पिरोया है और जिसने मानवता को ₹वसुधैव कुटुम्बकम₹ सिखाया है। हमारे वैदिक साहित्य में निहित मंत्र सत्यमेव जयते, सर्वे भवन्ति सुखीनः एक वाक्य नही बल्कि भारत के जीवन दर्शन के आधार है। उन्होंने युवाओं से आवहान करते हुये कहा कि अपनी जड़ों से जुड़ कर भारतीय ज्ञान परम्परा का विस्तार करेगे तो भारत निश्चय ही विश्व गुरू बन जायेंगा। मेडल एवं उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं का बधाई देते हुये कहा कि आप अपने अन्दर छिंपी अपार सम्भावनाओं की पहचान कर और आत्म निर्भर भारत के सपने का को साकार करें। पर्यावरण सरंक्षण, महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति अभियानों से जुड़कर सामाजिक चेतना फैलाये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री परमसम्मानीय श्रीयुत गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संस्कृत मात्र एक भाषा ही नहीं अपितु भारत के एक गौरवपूर्ण इतिहास को समेटने वाली अमूल्य नीधि है जो समस्त भारतीयों के लिये उर्जा का स्रोत है। संस्कृत के ज्ञान के बिना भारत को जानना पूर्ण सम्भव नही है। संस्कृत विश्व की वैज्ञानिक भाषा है, संस्कृत जैसे बोली जाती है वैसे ही लिखी जाती है। मावा ह। संस्कृत कालानार हो रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय के ऐतिहासिकता पर चर्चा करते हुये कहा कि इस विश्वविद्यालय में प्रारम्भ काल स ही देश विदेश के छात्र अध्ययन एवं अनुसंधान के लिये आते रहे है आज भी दर्जनों विदेशी छात्र शोध

विश्वविद्यालय का 43 वॉ दीक्षान्त महोत्सव सम्पन्न

कार्य में संलग्न है। भारत वर्ष में संस्कृत विधाओं के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह प्राचीनतम शिक्षा का केन्द्र है। उन्होंने विश्वविद्यालय के मेडल एवं उपाधिधारक छात्र व छात्राओं को बधाई देते हुये कहा कि यह व्यैक्तिक, शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव नहीं बल्कि यह भारत की गौरवशाली बौद्धिक परम्परा को समर्पित महान संस्था की विरासत का भी उत्सव है।डिजी लॉकर का प्रदर्शन-डिजी लॉकर के माध्यम से कुलाधिपति महोदया के समक्ष उपाधियों का प्रदर्शन किया गया। डिजी लॉकर में सभी 11477 मध्यमा से लेकर आचार्य (विद्यावारिधि) उपाधियों को ऑनलाइन अपलोड किया गया है. अब घर बैठे अपने समस्त अंक पत्र एवं प्रमाण पत्र ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के सिस्टम एनालिस्ट मोहित मिश्रा ने प्रजेंटेशन दिया व डिग्री डाटा को पोर्टल पर अपलोड किया। डिजी लॉकर के प्रदेश समन्वयक प्रशान्त दीक्षित ने युनीकोड संस्कृत निष्ठ डिग्रियों अपलोड कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।मेधावियों को पदक प्रदान महामहिम कुलाधिपति के द्वारा 36 मेधावियों को विभिन्न प्रकार 58 मेडल (पदक) देकर सम्मानित किया गया।महामहिम कुलाधिपति के हाथों से पदक प्राप्त कर मेधावियों में उत्साह- महामहिम कुलाधिपति के हाथों से पदक प्राप्त कर मेधावियों (छात्र छात्राओं) में अतिउत्साहित एवं हर्षित हुये।गोद लिए गए पांच गाँव के विद्यालयों के विजेताओं एवं प्रधान अध्यापकों को भी सम्मानित एवं पुरस्कृत महामहिम कुलाधिपति साररा की सत्प्रेरणा एवं श्रीमान पितृसत्ता के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय गोद ले गए 05 गांव (मुनारी, तिवारीपुर, गोपपुर, भोपापुर एवं गुरवट) के विद्वान एवं अग्निवाणी की प्रतिभा पर आधारित विभिन्न (चित्रकला, निबंध ग्रंथ, कठोपथन) पार्टी में विशेष रूप से चित्रा प्रतियोगिता में अनुभव कुमार, अंश राजभर, ईशान डियाक, ख्यात मिर्ज़ा साहेब, प्रतिष्ठित ख्यातनाम राजवंश, सिमरन, प्रतिष्ठित कहानियां। गुप्ता, यश कुमार मौर्य, सोनाली कुमारी, आयुष राज प्रजापति को पदच्युत कर दिया गया। इसके साथ ही पांचवे क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को भी कुलाधिपति द्वारा सारस्वत उपहार एवं स्मृति चिह्न भी दिया गया। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय मुनारी के छात्र अनमोल यादव द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर हिंदी में भाषण और सिक्किम सिमरन राजभर द्वारा संस्कृत में भाषण दिया गया। जिससे प्रभावित होकर कुलाधिपति साररा के द्वारा चाकलेट का पिट्ठू भेट किया गया।

प्रतियोगिता में विजयी छात्र छात्राओं को बैग, किताबें और अन्य पाठ-पाठ सामग्री एवं प्रमाण पत्र कुलाधिपति सार द्वारा दिया गया। प्राइमरी स्कूल मुनारी के वैडिला कनाकलता सिंह को कुलाधिपति ने सम्मान स्वरूप उपहार प्रदान किए। प्रतियोगिता के अंतिम मंडल में प्रो0 दिनेश कुमार गर्ग, प्रो0 विद्या कुमारी चन्द्रा, डॉ0 कुमार शर्मा एवं संबंधित विद्यालय के शिष्या विजय शामिल थे।आंगनबाड़ी केंद्रों को किट वितरित--विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय के अनुरोध पर महामहिम कुलाधिपति महोदया के द्वारा सोनभद जनपद के जिलाधिकारी एवं राजभवन के सहयोग से ऑगनवाणी कार्यकत्रियो को खिलैने, टेबुल, कुर्सी, चार्ट और पुस्तकें, साइकिल और सिलाई किट्स आदि का वितरण महामहिम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ऑगनवाणी कार्यकत्री सुषमा, साधना विश्वकर्मा, ममता पाठक, प्रतिमा देवी एवं दीप्ती सिंह को और दानदाता अल्ट्राटेक सिमेन्ट के बन्ने सिंह राठौर एवं रोहित श्रीवास्तव, नार्दन कोल इण्डिया के सचिन कुमार एवं दिनेश कुमार, विरला कार्बन के निवेदिता मुखर्जी एवं स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया के सौरभ श्रीवास्तव और संतोष कुमार को स्मृति चिन्ह देकर महामहिम के द्वारा सम्मानित किया गया।43वें दीक्षान्त समारोह में 11477 उपाधियों एवं कुल 36 छात्र-छात्राओं को 58 पदक.....विश्वविद्यालय के 43वें दीक्षान्त समारोह में कुल 36 मेधावियों को 58 पदक मा० कुलाधिपति महोदया के द्वारा प्रदान किया गया। कुलसचिव राकेश कुमार के द्वारा उपाधिधारक छात्र छात्रओं का उपस्थापन किया गया। दीक्षान्त समारोह में 11477 उपाधियाँ प्रदान की गयी। कार्यकम का प्रारम्भ पौराणिक एवं वैदिक मंगलाचरण से किया गया।दीक्षान्त के प्रारम्भ में शिष्टयात्रा--दीक्षान्त समारोह के प्रारम्भ में शोभायात्रा/शिष्ट यात्रा का दीक्षान्त स्थल पर परम्परानुसार हुआ।राष्ट्रगान, वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण-राष्ट्रगान, वैदिक एवं पौराणिक मंगलाचरण तथा कुलगीत विश्वविद्यालय के संगीत विभाग के छात्र व छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया।महामहिम ने दीक्षान्त समारोह प्रारम्भ की अनुमति-कुलपति के अनुरोध पर महामहिम द्वारा दीक्षान्त समारोह के प्रारम्भ की अनुमति दी गई।अनुशासन पाठ-कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के लिए अनुशासन का पाठ पढाया गया।उपस्थापन- विभागाध्यक्षों द्वारा पीएचडी/वाचस्पति उपाधि प्राप्त करने वाले स्नातकों का उपस्थापन किया गया।स्वागत भाषण कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के द्वारा स्वागत भाषण- कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के द्वारा मंच पर आसीनअतिथियों को एकल पुष्प, अंगअस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत और अभिनंदन करते हुए अपने स्वागत भाषण में कहा कि यह संस्थान भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जैसे कि स्वाहाकार, विश्व कल्याण यज्ञ, दुर्लभ पाण्डुलिपियों और सांस्कृतिक परम्पराओं का संरक्षण किया जा रहा है। सदैव इस विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृत, संस्कृति एवं संस्कार को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है।धन्यवाद ज्ञापन - धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० बिहारी लाल शर्मा ने सभी सम्मानित उपस्थित जनों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।संचालन संचालन संचालन डॉ० रविशंकर पाण्डेय ने किया।उपस्थित जन- इस अवसर केन्द्रीय उच्च तिब्बतीय संस्थान, सारनाथ के कुलपति प्रो० वङ्चुझ दोर्ज नेगी, पूर्व कुलपति प्रो. पृथ्वीश नाग, मेयर श्री अशोक कुमार तिवारी, पद्मभूषण प्रो० देवीप्रसाद द्विवेदी, प्रो. रामपूजन पाण्डेय, प्रो० जितेन्द्र कुमार, प्रो० रजनीश कुमार शुक्ल, प्रो. महेन्द्र पाण्डेय, प्रो० राजनाथ, प्रो० शम्भूनाथ शुक्ल, प्रो० विधु द्विवेदी, प्रो० नीलम गुप्ता, प्रो० दिनेश कुमार गर्ग, प्रो० अमित कुमार शुक्ल, प्रो० विजय कुमार पाण्डेय, प्रो० शैलेश कुमार मिश्र, प्रो० सुधाकर मिश्र, परीक्षा नियंत्रक श्री दिनेश कुमार एवं कार्य परिषद् विद्या परिषद् के सम्मानित सदस्य सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित छात्र एवं छात्रायें उपस्थित थे।

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048, ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.-011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।